THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 161 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.14 2081 रविवार, 1 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

बांदीपोरा में घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम

श्रीनगर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर में बांदीपुरा जिले के गुरेज सेक्टर में सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बड़ी घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। एलओसी बाड़ के पास आतंकवादियों की गतिविधि देखी जाने के बाद मुस्तैद जवानें ने चुनौती दी। घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों की ओर से भी गोलीबारी की गई, जवाब में सुरक्षा बलों की ओर से भी फायरिंग की गई। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इससे पहले 30 अगस्त को सेना ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर दो अलग-अलग अभियानों में तीन घुसपैठियों को ढेर कर दिया था।

महिला सुरक्षा के लिए कठोर कानून मौजूद : मोदी

जिला अदालतों की कॉन्फ्रेंस में कहा- फैसले जितनी जल्दी आएंगे, भरोसा उतना ज्यादा बढ़ेगा

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आज जिला अदालतों की नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं। 2019 में सरकार ने फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की थी। इसके तहत अहम गवाहों के लिए डिपोजिशन सेंटर्स का प्रावधान है।

इसमें भी डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी की भूमिका अहम है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट जज, डीएम और एसपी शामिल होते हैं। इन कमेटी को और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचारों से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही अधिक आश्वासन मिलेगा। कॉन्फ्रेंस में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल शामिल हुए।

मोदी के भाषण की अन्य अहम बातें...

- > न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 सालों में देश ने ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगभग 8 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 सालों में ही हुआ है।
- > भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। इन कानूनों की भावना है- 'नागरिक प्रथम, सम्मान प्रथम और न्याय प्रथम।' हमारे क्रिमिनल लॉ शासक और गुलाम वाली कोलोनियल सोच से आजाद हुए हैं।
- > पिछले 10 सालों में अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए मिशन स्तर पर काम किया जा रहा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज का कार्यक्रम भी इसका उदाहरण है। अगले दो दिनों में लंबित मामलों के प्रबंधन, मानव संसाधन और कानूनी बिरादरी की बेहतरी समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इसमें 'न्यायिक कल्याण' पर एक सत्र भी शामिल किया गया है।

ममता ने सख्त कानून की मांग की थी :

दरअसल, कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद पश्चिम बंगाल सरकार केंद्र से महिलाओं पर अपराध के लिए खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग कर रही है। इसे लेकर सीएम ममता ने 22 अगस्त और 30 अगस्त को पीएम को दो चिट्ठी भी लिखी थी। ममता ने 30 अगस्त की चिट्ठी में कहा था- मैंने 22 अगस्त को रेपिस्ट को कड़ी सजा देने के लिए कानून की मांग को लेकर पत्र लिखा था, लेकिन इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

>14

पीएम ने 3 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी, देश में अब 102 वंदे भारत ट्रेनें दौड़ेंगी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (31 अगस्त) को 3 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इवेंट में शामिल हुए। ये तीनों ट्रेनें चेन्नई से नागरकोइल, मदुरै से बेंगलुरू और मेरठ से लखनऊ के बीच चलेंगी।

पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा, वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज हर रूट पर वंदे भारत की डिमांड है। देशभर में अब 102 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। 3 करोड़ से ज्यादा लोग इन ट्रेनों से यात्रा कर चुके हैं। वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत पहली बार 15 फरवरी 2019 को मेक इन इंडिया

स्कीम के तहत की गई थी। इस समय देश में 100 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। वंदे भारत ट्रेनों का रूट देश के 280 से अधिक जिलों को आपस में जोड़ रही हैं।

रेल मंत्रालय ने कहा, नई ट्रेन स्वदेशी टेक्नोलॉजी से लैस :

वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन से पहले रेल मंत्रालय ने कहा, नई वंदे भारत ट्रेनें क्षेत्र के लोगों को स्पीड और आरामदायक यात्रा के साथ वर्ल्ड क्लास ट्रेन का अनुभव भी देंगी। यह ट्रेन स्वदेशी टेक्नोलॉजी से बनी है। इसमें कवच टेक्नोलॉजी, 360 डिग्री घूमने वाली कुर्सियां, दिव्यांगजनों की जरूरत के अनुकूल शौचालय और इंटीग्रेटेड ब्रेल साइनेज लगे हैं।

2 ट्रेनों का टाइमटेबल और शेड्यूल जारी :

चेन्नई-नागरकोइल और मदुरै-बेंगलुरू के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का टाइमटेबल और शेड्यूल जारी हो गया है।

>14

'जिला न्यायपालिका कानून के शासन का महत्वपूर्ण घटक और न्यायतंत्र की रीढ़' : सीजेआई

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को जिला न्यायपालिका को 'न्यायतंत्र की रीढ़' बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून के शासन का एक महत्वपूर्ण घटक है।

जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ कहना बंद करें :

प्रधान न्यायाधीश ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ कहना बंद करना जरूरी है। न्याय की तलाश में निकले नागरिक के लिए जिला न्यायपालिका पहला संपर्क बिंदु है। जिला न्यायपालिका कानून के शासन का एक महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने आगे कहा कि कार्य की गुणवत्ता तथा वे परिस्थितियां जिनमें न्यायपालिका नागरिकों को

न्याय दिलाती है, यह निर्धारित करती हैं कि उनका न्यायिक प्रणाली में विश्वास है या नहीं।

जिला न्यायपालिका को 'न्यायतंत्र की रीढ़' कहना उचित :

सीजेआई ने कहा कि इसलिए जिला न्यायपालिका से जबरदस्त जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जाती है और इसे 'न्यायपालिका की रीढ़' कहना उचित ही है। रीढ़ तंत्रिका तंत्र का मूल है। उन्होंने आगे कहा कि कानूनी प्रणाली की रीढ़ को बनाए रखने के लिए हमें जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ न्यायपालिका कहना बंद करना चाहिए। आजादी के 75 साल बाद अब समय आ गया है कि हम अंग्रेजों के जमाने की औपनिवेशिक और पराधीनता की मानसिकता को समाप्त कर दें।

46.48 करोड़ पन्नों को स्कैन किया :

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि साल 2023-2024 में अदालत के रिकॉर्ड के 46.48 करोड़ पन्नों को स्कैन या डिजिटाइज किया गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के संयोजन के साथ ई-समिति द्वारा प्रबंधित राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड, न केवल वकीलों के लिए बल्कि नागरिकों के लिए भी आंकड़े की खान है।

भारत पहले परमाणु हमला ना करने की नीति बदलेगा

आईएनएस अरिघात सबमरीन के शामिल होते ही बोले पाक एक्सपर्ट

इस्लामाबाद, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात नौसेना में शामिल हो गई है। यह अरिहंत श्रेणी की भारत निर्मित दूसरी परमाणु पनडुब्बी है। अरिहंत को साल 2009 में भारतीय नेवी की फ्लीट में शामिल किया गया था। पनडुब्बी को नेवी को सौंपने के बाद इस भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ये पनडुब्बी भारत के परमाणु तिकड़ी को मजबूत करते हुए क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और शांति स्थापित करने में मदद करेगी। भारत की इस परमाणु पनडुब्बी की धमक पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान तक भी पहुंची है। पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस पनडुब्बी के बारे में बात की है। उन्होंने इससे भारत के चीन और पाक पर असर के बारे में भी बात की है।

कमर चीमा का कहना है कि भारत ने इस पनडुब्बी को नेवी में शामिल कर अपनी ताकत ही नहीं बढ़ाई है बल्कि पड़ोसी देशों (चीन-पाक) को भी बड़ा संदेश दिया है। चीमा ने कहा, भारत लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। राजनाथ सिंह ने हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे पर भी नेवी की ताकत को बढ़ाने के लिए कुछ संस्थानों के दौरे किए। इस पनडुब्बी के इंडिया की नेवी में शामिल होने के बाद साफ है कि दिल्ली अपना मुकाबला चीन से लेकर चल रहा है।

हरियाणा में अब एक नहीं 5 अक्टूबर को मतदान

जम्मू कश्मीर में भी मतगणना की तारीख बदली

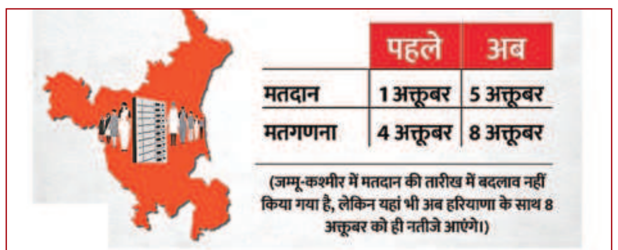

	पहले	अब
मतदान	1 अक्तूबर	5 अक्तूबर
मतगणना	4 अक्तूबर	8 अक्तूबर

(जम्मू-कश्मीर में मतदान की तारीख में बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यहां भी अब हरियाणा के साथ 8 अक्तूबर को ही नतीजे आएंगे।)

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग ने हरियाणा चुनाव की तारीखों में बदलाव किया है। आयोग ने हरियाणा के लिए मतदान के दिन को 1 अक्टूबर से संशोधित करते हुए 5 अक्टूबर, 2024 कर दिया है। इसी तरह जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना का दिन 4 अक्टूबर से बदलकर 8 अक्टूबर कर दिया गया है। जम्मू कश्मीर में मतदान की तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भाजपा समेत कई राजनीतिक दलों ने हरियाणा में चुनाव की तारीखों में बदलाव करने का अनुरोध आयोग से किया था। इसके बाद आयोग ने तारीखों में बदलाव किया है। निर्वाचन आयोग ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मतदान अधिकारों और परंपराओं दोनों का सम्मान करने के लिए लिया गया है। आयोग ने कहा कि बिश्नोई समुदाय ने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है।

राज्य भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भारत निर्वाचन आयोग और हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिख मतदान की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी। आयोग को लिखे पत्र में भाजपा ने दलील दी थी कि 28 व 29 सितंबर को शनिवार व रविवार है। एक अक्टूबर को मतदान होने की वजह से छुट्टी है। दो अक्टूबर को गांधी जयंती और तीन को अग्रसेन जयंती है। 30 की छुट्टी लेकर छह दिन का लंबा वीकेंड पड़ रहा है। ऐसे में लोग छुट्टियां मनाने प्रदेश के बाहर जा सकते हैं जिससे मतदान प्रतिशत प्रभावित हो सकता है।

बिश्नोई समाज के धार्मिक अनुष्ठान का भी हवाला :

भाजपा ने अपने पत्र में यह भी तर्क दिया था कि दो अक्टूबर को आसोज की अमावस्या होने के कारण बीकानेर के मुकाम गांव में बिश्नोई समाज का धार्मिक अनुष्ठान है। इसके लिए बिश्नोई समाज के काफी लोग एक अक्टूबर को ही पहुंच जाते हैं। इसका भी मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। भाजपा ने आयोग से यह भी कहा था कि अगली तारीख रखते हुए यह ध्यान रखा जाए कि मतदान की तिथि से एक दिन पहले और मतदान के अगले दिन अवकाश न हो। ऐसा होने से ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान में हिस्सा ले सकेंगे।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बीते हफ्ते चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। पूर्व कार्यक्रम के मुताबिक पांच सितंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी होनी है। वहीं एक अक्टूबर को मतदान और चार को परिणाम घोषित किए जाने थे, लेकिन अब इसमें बदलाव हो गया है।

पंजाब विधानसभा चुनाव की तारीख बदली गई थी :

चुनाव आयोग इससे पहले भी तारीख में बदलाव कर चुका है। साल 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव की तारीख 14 फरवरी निर्धारित की गई थी। इसके दो दिन बाद रविदास जयंती थी। पंजाब के काफी लोग रविदास जयंती मनाने उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाते हैं।

जनता दरबार से निकलते समय गिरिराज सिंह पर चलाया मुक्का

केंद्रीय मंत्री को सुरक्षाकर्मियों ने बचाया

बेगूसराय, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर एक युवक ने हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब जनता दरबार में वह लोगों की बात सुन रहे थे। घटना बलिया प्रखंड की है। सुरक्षकर्मियों ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद सैफी के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बलिया अनुमंडल में लोगों से मुलाकात कर रहे थे और लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। उसी वक्त वहां मोहम्मद सैफी नाम का एक युवक वहां पहुंचा और सबसे पहले उसने माइक को अपने कब्जे में ले लिया और अनाप-शनाप बयानबाजी करने लगा। इसी बात से जब भाजपा के

कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों ने उसका विरोध किया तब आरोपी युवक ने गिरिराज सिंह पर मुक्का चला दिया। हालांकि वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने गिरिराज सिंह को बचा लिया।

धर्म की रक्षा के लिए एक होना ही पड़ेगा :

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए कहा है कि दाढ़ी बढ़ाने से कोई मुल्ला नहीं बन जाता और जिस तरह से ऊक्त मुस्लिम युवक के द्वारा उन्हें डराने धमकाने का काम किया जा रहा है वह इससे डरने वाले नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में तेजस्वी यादव एवं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव जैसे लोगों का समर्थन मिलने की वजह से आज अपने आप को कट्टरपंथी मुसलमान कहलाने वाले लोगों का मनोबल बढ़ा है और वह एक सांसद पर भी हमला करने से नहीं चुक रहे हैं।

उन्होंने वक्फ बोर्ड पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वक्फ बोर्ड के द्वारा फतुहा ही नहीं बल्कि बेगूसराय में भी हिंदुओं के जमीन पर नोटिस भेजा जा रहा है और उसे अपना बताया जा रहा है। वक्त बोर्ड का काम वर्तमान में जमीन जुटाव अभियान में तब्दील हो चुका है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जो कहा है बटोगे तो कटोगे वह बिल्कुल सत्य है।

तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर जाएंगे राहुल

छात्रों और भारतीय प्रवासियों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 8 से 10 सितंबर तक अमेरिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे वॉशिंगटन डीसी और डेल्लास में कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेंगे। जिसमें एक कार्यक्रम टेक्सस विश्वविद्यालय का भी शामिल है। भारतीय प्रवासी कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी दी। यह लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल का पहला अमेरिका दौरा है।

पित्रोदा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि जब से राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने हैं, तब से भारतीय प्रवासी अध्यक्ष के तौर पर उन्हें प्रवासी भारतीयों, राजनयिकों, कारोबारी नेताओं और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया से राहुल गांधी के साथ बातचीत करने के लिए कई अनुरोध (रिक्वेस्ट) मिले हैं।

अलग प्रशासन की मांग को लेकर कुकी-जो समुदाय के लोगों का प्रदर्शन जारी

इंफाल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर के कई इलाकों में कुकी-जो समुदाय के लोगों ने शनिवार को अलग प्रशासन की मांग करते हुए तीन रैलियां निकाली। उन्होंने हाल ही में जारी हुए वीडियो (जिसमें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं) के विरोध में प्रदर्शन भी किया। कुकी-जो समुदाय के लोगों ने चुराचांदपुर जिले के लीशांग, कांगपोकपी में कीथेलमनबी और तेंगनौपाल में मोरेह में रैलियां निकाली।

कई इलाकों में कुकी-जो समुदाय के लोगों ने निकाली रैलियां :

चुराचांदपुर में रैली एंग्लो कुकी वॉर गेट से शुरू हुई और तुईबौंग के शांति मैदान में खत्म हुई। इस दौरान जिले में सभी स्कूल और बाजारों को बंद रखा गया। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार ने लोगों से रैली के मद्देनजर व्यावसायिक प्रतिष्ठान और प्राइवेट संस्थानों को खुला रखने का आग्रह किया। कांगपोकपी में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने रैली में हिस्सा लिया। उन्होंने कीथेल्मनबी सैन्य कॉलोनी से लेकर थॉमस ग्राउंड तक रैली की।

कांगपोकपी में प्रदर्शन कर रहे एक प्रदर्शनकारी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, कुकी-जो समुदाय के लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके अलावा हम सीएम बीरेन सिंह के वायरल ऑडियो क्लिप के खिलाफ भी प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, मणिपुर सरकार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो में मुख्यमंत्री की आवाज होने का दावा झूठ है।

'मेरे देश का नुकसान हो रहा, किसान परेशान हैं, उनकी समस्याओं का हल होना चाहिए'

शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंची विनेश फोगाट

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। शंभू बॉर्डर पर लंबे वक्त से किसान आंदोलन चल रहा है। शनिवार को इसके 200 दिन पूरे हो गए हैं। वहीं शनिवार को किसान बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए और बड़े प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। इस बीच ओलंपियन विनेश फोगाट भी शंभू बॉर्डर पहुंच गई हैं। किसान नेताओं ने विनेश फोगाट का माला पहनाकर स्वागत किया।

सूत्रों के अनुसार इसी पंचायत के दौरान हरियाणा चुनाव को लेकर भी चर्चा हो सकती है, जिसमें विनेश फोगाट भी शामिल हो सकती हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हमारे संकल्प की परीक्षा ले रही है और अभी तक मांगे पूरी नहीं हुई है।

लोग इस तरह सड़कों पर बैठे रहेंगे तो देश प्रगति नहीं करेगा

विनेश फोगाट ने आंदोलन में कहा, उन्हें यहां बैठे हुए 200 दिन हो गए हैं। यह देखना दुखद है। वे सभी इस देश के नागरिक हैं। किसान देश चलाते हैं। उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है, यहां तक कि एथलीट भी नहीं। अगर वे हमें खाना नहीं खिलाते हैं, हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। कई बार हम असहाय होते हैं और कुछ नहीं कर पाते। हम इतने बड़े स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हैं लेकिन हम अपने परिवार के लिए कुछ नहीं कर पाते। सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए।

केरल में आरएसएस की 3 दिन की बैठक शुरू

मोहन भागवत और जेपी नड्डा मौजूद, नया भाजपा अध्यक्ष और 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव पर चर्चा संभव

पलक्कड़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की 3 दिन की वार्षिक समन्वय बैठक शनिवार (31 अगस्त) सुबह 9 बजे से शुरू हुई। मीटिंग में आरएसएस चीफ मोहन भागवत, सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष शामिल हुए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मीटिंग में नए भाजपा अध्यक्ष के नामों पर चर्चा हो सकती है। 4 राज्यों की विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी बातचीत हो सकती है। बैठक में आरएसएस के 32 सहयोगी संगठनों के 300 कार्यकर्ता शामिल हुए। इसका उद्देश्य संगठनों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा करना है। मीटिंग में वायनाड में आई लैंडस्लाइड में आरएसएस द्वारा पहुंचाई गई मदद के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा आरएसएस की शाखाओं के विस्तार और सभी संगठनों के कामकाज की भी समीक्षा की गई। संगठनों के लिए अगले एक साल का लक्ष्य भी तय किया जा रहा है।

केरल में बैठक की वजह .

- > केरल में आरएसएस की अच्छी पैठ है। भारत में उसकी सबसे ज्यादा 5,142 शाखाएं केरल में ही हैं। यहां आरएसएस 1946 से एक्टिव है। इसके बावजूद केरल में भाजपा को एंट्री का रास्ता नहीं मिला। पहली बार पार्टी ने त्रिशूर सीट जीतकर खाता खोला है। यहां से एक्टर सुरेश गोपी का चुनाव जीतना संकेत है कि आरएसएस ने जो जमीन तैयार की है, उसका फायदा भाजपा को मिल रहा है।
- > अब रणनीति बनाई जाएगी कि 2026 के विधानसभा चुनाव में त्रिशूर फॉर्मूला इस्तेमाल कर ज्यादा से ज्यादा सीटें जीती जाएं। फिलहाल नजर त्रिशूर और पलक्कड़ पर है। त्रिशूर में भाजपा जीती और पलक्कड़ में उसे 24 प्रतिशत वोट मिले। पार्टी कैंडिडेट सी. कृष्णकुमार तीसरे नंबर पर रहे। 2019 के मुकाबले 2024 में भाजपा को केरल में 4 प्रतिशत ज्यादा, यानी 16.8 प्रतिशत वोट मिले हैं। एनडीए को 19.4 प्रतिशत वोट मिले।
- > केरल में आरएसएस की तैयार जमीन पर सरकार कैसे अपनी योजनाएं लागू करे, जिससे वोटर्स का झुकाव पार्टी की तरफ हो। वहां के भाजपा नेताओं की केंद्र में भूमिका बढ़े ताकि वोटर्स को लगे कि भाजपा से जुड़े तो उनकी आवाज केंद्र तक पहुंचाई जाएगी।
- > केरल में भाजपा और आरएसएस वर्कर्स को टारगेट किया जाता रहा है। दावा है कि भाजपा के 300 से ज्यादा वर्कर्स की हत्या की गई है। इसलिए वोटर्स के दिमाग में साफ है कि अगर इन्हें वोट दिया भी तो कोई फायदा नहीं।
- > आरएसएस का मानना है कि कम्युनिस्ट पार्टी का प्रोपेगैंडा खत्म करने और भाजपा को ताकतवर दिखाने के लिए सेंट्रल लीडरशिप को केरल में दखल देना होगा। केरल के नेताओं को केंद्र में तवज्जो देनी होगी।

इस समन्वय बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह और अखिल भारतीय पदाधिकारी उपस्थित हैं। बैठक में शान्तका, सीता अन्नदानम, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, वीएचपी अध्यक्ष आलोक कुमार, महामंत्री बजरंग बागड़ा, एबीवीपी के संगठन मंत्री आशीष चौहान, विद्या भारती के अध्यक्ष रामकृष्ण राव, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरणम्य पण्ड्या, आरोग्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित सहित 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री और प्रमुख पदाधिकारी सहित 300 कार्यकर्ता उपस्थित हैं।

बेटे ने मां की हत्या के बाद शेयर की फोटो, लिखा- 'सॉरी मां, मैंने आपको मार दिया'

राजकोट, 31 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट में एक व्यक्ति ने अपनी मां की हत्या कर लाश की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। फोटो शेयर करते हुए लड़के ने लिखा 'माफ करना मां, मैने तुम्हें मार दिया।' आरोपी नीलेश गोसाई गुजरात के राजकोट में अपनी मां के साथ रहता था। दोनों के बीच अक्सर बहस और हाथापाई होती रहती थी। 21 वर्षीय ने चाकू से हमला करने में विफल रहने के बाद अपनी मां का गला घोंटने की बात कबूल की है। मृतक की पहचान 48 वर्षीय ज्योतिबेन गोसाई के रूप में हुई है। मामला गुजरात के राजकोट का है, जहां एक 21 वर्षीय व्यक्ति ने मां की हत्या करने के बाद में इंस्टाग्राम पर उसकी लाश के साथ तस्वीर पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि घटना तब प्रकाश में आई जब एक स्थानीय निवासी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि आरोपी नीलेश गोसाई राजकोट के यूनिवर्सिटी रोड पर भगतसिंहजी गार्डन में अपनी मां की लाश के पास बैठा हुआ था।

कर्नाटक में रेड तो 5 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

गुजरात में भी भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बारिश से बेहाल गुजरात में तूफान असना के कारण भारी बारिश होने के आसार हैं। वहीं, कर्नाटक में अरब सागर से सटे इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार देश के उत्तर पूर्वी राज्यों और मध्य भारत में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, ओडिशा सहित पांच पूर्वी राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण भारतीय राज्यों में भी तेज बारिश हो सकती है। हालांकि, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। गुजरात के किनारे अरब सागर पर बना तूफान असना भी ओमान की तरफ मुड़ गया है।

ऐसे में गुजरात के लोगों ने राहत की सांस ली है। भारतीय मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, मध्य प्रदेश के साथ महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। असम, मणिपुर, अरुणाचल और सिक्किम जैसे उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया गया है।

आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम ?

1 सितंबर को छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, मेघायल, असम, नागालैंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

2 सितंबर को मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर पूर्व, मध्य भारत और उत्तर भारतीय राज्यों के लिए येलो अलर्ट है।

3 सितंबर को देश के अधिकतर हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। उत्तर पूवी राज्यों और मध्य भारत के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर भारत में भी येलो अलर्ट है।

4 सितंबर को मध्य भारत और पश्चिमी राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर, पूर्वी और दक्षिण भारत में मौसम सामान्य रहने के आसार हैं।

5 सितंबर को मध्य भारत और पश्चिमी राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु में भी येलो अलर्ट है। उत्तर भारत, उत्तर पूर्वी राज्य, पूर्वी इलाकों में और दक्षिणी राज्यों में मौसम सामान्य रहने के आसार हैं।

गुजरात में बारिश से 26 मौतें

गुजरात में पिछले चार दिनों में हुई बारिश के कारण 26 लोगों की जान चली गई। 18,000 से ज्यादा लोगों को निकाला गया और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित इलाकों से करीब 1,200 लोगों को बचाया गया है। शुक्रवार सुबह तक गुजरात के अधिकांश हिस्सों में बारिश कम हो गई, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि नदियों के उफान पर होने के कारण कई शहरों और गांवों में भारी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच राज्य में केवल चार स्थानों पर 15 मिमी से 26 मिमी बारिश हुई, जबकि अन्य क्षेत्रों में या तो मौसम साफ रहा या हल्की बारिश हुई।

पतंजलि के दिव्य मंजन में मांसाहारी तत्व

हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव एक बार फिर अपने उत्पाद को लेकर मुश्किल में नजर आ रहे हैं। एक शख्स ने दावा किया कि पतंजलि के 'दिव्य मंजन' में मांसाहारी प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया गया है। उसने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए मुआवजा और कार्रवाई की मांग की है। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार, पतंजलि, बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और अन्य से जवाब मांगते हुए नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

याचिकाकर्ता का कहना है कि 'दिव्य मंजन' में एक तत्व 'सामुद्रफेन' मछली से बनाया जाता है, इसके मंजन में इस्तेमाल से वह हैरान हैं। याचिका में कहा गया है कि 'दिव्य दन्त मंजन' को शाकाहारी मानते हुए उसकी पैकिंग पर हरे रंग का विशेष चिन्ह अंकित किया गया है। यह ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता और उनके परिवार ने इस प्रोडक्ट का लंबे समय से इस्तेमाल कर यह सोचकर किया कि यह पूरी तौर पर शाकाहारी है। पैकेजिंग पर सामग्री की सूची से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि 'सामुद्रफेन' से निकाला जाता है और इसका 'दिव्य मंजन' में इस्तेमाल किया जा रहा था। याचिकाकर्ता का कहना है कि उनका परिवार ब्राह्मण परिवार से संबंध रखता है, जहां मांसाहारी उत्पादों का सेवन धार्मिक नजरिए से पूरी तरह वर्जित है। इस उत्पाद को लंबे समय से इस्तेमाल करने पर उन्हें गहरा धक्का पहुंचा है।

महिला से संबंध बनाना चाहता था मालिक, मना किया तो पति को ऐसे फंसाया, थाने से आकर दी जान

भोपाल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने पुलिस अभिरक्षा से छूटने के बाद जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक मनोज कोल संतोष पटेल के यहां चौकीदारी का काम करता था। संतोष उसकी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाना चाहता है, इसका विरोध करने पर संतोष ने मनोज को चोरी के झूठे केस में फंसा दिया। जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया, थाने से छूटने के बाद मनोज ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पत्नी के मुताबिक, मनोज कोल मैहर में संतोष पटेल के यहां चौकीदारी का काम करता था। रक्षाबंधन के मौके पर संतोष पटेल ने मनोज की पत्नी को पैसे का लालच देकर शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। हालांकि, महिला तैयार नहीं हुई और उसने पूरी बात अपने पति को बता दी। इसके बाद मनोज ने नौकरी छोड़ने की बात कह दी। जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। मनोज पहले तो मौखिक रूप से आरोप मढ़ता रहा। इसके बाद जब मनोज ने काम पर जाना छोड़ दिया तो संतोष ने उसके घर गुंडे भेजकर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद भी जब वह नहीं तैयार हुआ तो थाने में लोहा चोरी करने की शिकायत कर दी।

कौन हैं धर्मेंद्र कुमार जिन्हें गृह मंत्रालय ने नियुक्त किया दिल्ली का नया मुख्य सचिव

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। धर्मेंद्र कुमार को दिल्ली का नया मुख्य सचिव बनाया गया है। वह नरेश कुमार की जगह लेंगे। इससे पहले धर्मेंद्र कुमार अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव थे। आईएएस के एजीएमयूटी कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ अधिकारी धर्मेंद्र को शनिवार को दिल्ली सरकार का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, अभी अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में तैनात धर्मेंद्र एक सितंबर या अपनी नियुक्ति की तारीख से नया प्रभार संभालेंगे। निवर्तमान मुख्य सचिव नरेश कुमार का कार्यकाल 31 अगस्त को पूरा हो गया। केंद्र सरकार ने पहले दो बार उनका कार्यकाल बढ़ाया था।

धर्मेंद्र वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। धर्मेंद्र एजीएमयूटी कैडर के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में से एक हैं, वह दिल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने पहले दिल्ली के मंडलायुक्त के रूप में कार्य किया था, और शहरी विकास विभाग, दिल्ली नगर निगम में भी काम किया है और केंद्र सरकार के तहत विभिन्न पदों पर काम करने के अलावा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में भी काम किया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब नौकरशाही का दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के साथ तनावपूर्ण संबंध है और कई वरिष्ठ अधिकारियों का जलजमाव, गाद निकालने, नालियां, दक्षिणी दिल्ली में पेड़ों की कटाई, दिल्ली सरकार के अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की वैकेंसी जैसे कई मुद्दों पर मंत्रियों के साथ टकराव हो चुका है।

धर्मेंद्र ने सिविल इंजीनियर की ट्रेनिंग भी ली है। धर्मेंद्र अप्रैल 2022 से अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं और उन्होंने एजीएमयूटी कैडर के 1987-बैच के आईएएस अधिकारी नरेश कुमार से पदभार संभाला है। मुख्य सचिव के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान कुमार का दिल्ली की आप सरकार के साथ लगातार टकराव होता रहा। उनका कार्यकाल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ और केंद्र द्वारा दो बार बढ़ाया गया, 31 अगस्त को समाप्त हो रहा है।

कातिल बनी मां: चौथी बेटी पैदा हुई तो अपने हाथों से घोंट दिया उसका गला

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के ख्याला इलाके में चौथी बेटी होने पर एक मां ने अपनी ही दूधमुंही बच्ची की गला घोंट कर हत्या कर दी। शव को एक बैग में डालकर पड़ोसी की छत पर फेंक दिया। पुलिस और लोगों को गुमराह करने के लिए उसने बच्ची के अपहरण का नाटक रचा। लेकिन पुलिस की तकनीकी जांच से महिला की साजिश का खुलासा हो गया और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। आरोपी महिला की पहचान शिवानी के रूप में हुई है। वह अपने पति के साथ शाहदरा इलाके में रहती थी। कुछ दिन पहले वह ख्याला स्थित मायके आई थी। छह दिन पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया, गुरुवार की रात उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। शुक्रवार तड़के 5:30 बजे पुलिस को उसने अपने छह दिन की बच्ची के अगवा किए जाने की शिकायत की। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की। शिवानी ने बताया कि देर रात उसने बच्ची को दूध पिलाया और सुबह करीब 4:30 बजे जब उसकी नींद खुली तो बच्ची को गायब पाया। पुलिस आस पास के इलाके में बच्ची की तलाश कर रही थी। तभी शिवानी टांका कटवाने की बात कहकर चली गई। पुलिसकर्मियों को उसका बर्ताव थोड़ा अजीब लगा लेकिन पुलिस ने उसे जाने दिया।

कोलकाता रेप मर्डर केस: केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी को लिखी चिट्ठी

कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर हुआ, जिसके बाद अब पूरे देश में पीड़िता को इंसाफ दिलाने की मांग उठ रही है। हाल ही में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को पत्र लिखा। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पत्र में सीएम बनर्जी से राज्य में बलात्कार एवं यौन अपराधों सहित बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के निपटारे के लिए समर्पित (फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट) (एफटीएससी) की स्थापना करने और उनके संचालन में तेजी लाने के लिए कहा। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इससे पहले भी 25 अगस्त को सीएम बनर्जी को पत्र लिखा था, जिसका जवाब सीएम ने दिया था, जिसके बाद अब बाल विकास मंत्री ने सीएम के जवाब पर फिर एक बार 30 अगस्त को पत्र लिखा। 30 अगस्त को लिखे पत्र में मंत्री ने राज्य की मौजूदा फास्ट ट्रेक कोर्ट(एफटीसी) को लेकर चिंता व्यक्त की और मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वह सुनिश्चित करें कि जघन्य अपराधों के पीड़ितों को जल्द से जल्द इंसाफ दिया जा सके।

अन्नपूर्णा देवी ने लिखा पत्र

केंद्रीय मंत्री ने इससे पहले 25 अगस्त को अपने लिखे गए पत्र का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने बलात्कार और हत्या जैसे अपराधों के लिए कड़े कानून बनाने और कठोर सजा देने की जरूरत पर जोर दिया था। मंत्री के 25 अगस्त के पत्र के बाद सीएम ममता ने उसका जवाब दिया था और कहा था कि राज्य में 88 एफटीसी हैं, जिसपर अब पत्र लिखकर अन्नपूर्णा देवी ने कहा, पश्चिम बंगाल ने 88 एफटीसी स्थापित किए हैं, लेकिन ये केंद्र सरकार की योजना के तहत अनुशंसित एफटीएससी (फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट) के बराबर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में एफटीसी केवल बलात्कार और पॉक्सो मामलों के लिए समर्पित होने के बजाय महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों से जुड़े अपराध के निपटारे के लिए भी की जाती है। यह कोर्ट सिर्फ महिलाओं और बच्चों के संग हुए रेप और पॉक्सो एक्ट के लिए नहीं होती, जबकि फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट सिर्फ यौन उत्पीड़न, रेप और पोक्सो एक्ट के लिए बनाया गया है।

क्या मांग की?

मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्य की न्याय प्रणाली में लंबित मामलों का जिक्र किया और कहा की राज्य में फास्ट ट्रेक कोर्ट में 30 जून 2024 में 81,000 से ज्यादा मामले लंबित हैं, उन्होंने चिंता व्यक करते हुए कहा, लंबित पड़े मामलों में 48,600 केस पॉक्सो और रेप से जुड़े हैं इसके बावजूद भी राज्य ने 11 एफटीएससी के संचालन का काम अभी तक शुरू नहीं किया है। अपने पत्र में अन्नपूर्णा देवी ने एफटीएससी में न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, एफटीएससी में ऐसे न्यायिक अधिकारियों को शामिल किया जाता है, जो बलात्कार और पॉक्सो अधिनियम के तहत आने वाले अपराधों के मामलों पर काम करते हैं, उन्होंने कहा ऐसे पदों के लिए कोई स्थायी नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए।

यौन उत्पीड़न को लेकर कानून सख्त

अन्नपूर्णा देवी ने कहा देश में रेप जैसे अपराध से निपटने के लिए भारतीय न्याय संहिता में पहले से ही कठोर दंड का प्रावधान है, जिसमें बलात्कार के लिए न्यूनतम 10 वर्ष की जेल की सजा सुनाई जाती है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास या यहां तक कि मृत्युदंड तक में बदला जा सकता है। उन्होंने ऐसे मामलों की समय पर जांच और सुनवाई के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों का भी जिक्र किया, जिसमें अपराध के दो महीने के भीतर अनिवार्य फॉरेंसिक जांच का प्रावधान शामिल है। अपने पत्र में अन्नपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल सरकार से कोलकाता की निर्भया को जल्द से जल्द इंसाफ दिलाने की मांग की और केंद्रीय कानून को पूरी तरह लागू करने और मामलों को उचित तरीके और जल्द से जल्द निपटाने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने महिलाओं के साथ हो रही हिंसा और भेदभाव से मुक्त एक सुरक्षित समाज बनाने के महत्व पर जोर दिया।

तमिलनाडु के हिज्ब-उत-तहरीर मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, कट्टरपंथी युवाओं की फौज तैयार करने का आरोप

चेन्नई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बंगलूरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तमिलनाडु हिज्ब उत तहरीर मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अजीज अहमद उर्फ जलील अजीज अहमद के रूप में हुई है। आरोपी विदेश भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही बंगलूरू एयरपोर्ट से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हिज्ब उत तहरीर एक चरमपंथी इस्लामी संगठन है, जिसका उद्देश्य कट्टरपंथी युवाओं की फौज तैयार करके भारत में इस्लामी शासन को लागू करना है। आरोपी अजीज अहमद पर आरोप है कि वह युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने की साजिश में शामिल है। तमिलनाडु मामले में एनआईए ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

महिला कांस्टेबल को कान की हुई बीमारी

ऑपरेशन थियेटर में महिला को लगा दिया बेहोशी का इंजेक्शन, कुछ देर बाद मौत

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक अस्पताल में कान का ऑपरेशन कराने आई महिला कांस्टेबल की डाक्टरों की कथित लापरवाही के चलते मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यह घटना मुंबई के एक्सिस अस्पताल में हुई है। महिला कांस्टेबल का नाम गौरी सुभाष पाटिल है। उसे कान में कोई समस्या थी, जिसको लेकर डॉक्टरों ने उसे ऑपरेशन की सलाह दी थी। डॉक्टरों की सलाह पर महिला कांस्टेबल अस्पताल आई थी। अस्पताल के डॉक्टरों ने ऑपरेशन की तैयारी पूरी कर ली थी। उसे ऑपरेशन थियेटर ले जाया गया। ऑपरेशन थियेटर में महिला को बेहोशी का इंजेक्शन दिया गया, लेकिन इंजेक्शन देने के कुछ देर बाद वह बेसुध होने लगी और फिर मौत हो गई। इस मामले में मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में एडीआर (वैकल्पिक विवाद समाधान) दर्ज किया गया है और आगे की जांच की जा रही है। मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 29 अगस्त की रात 22:43 बजे अंबोली पुलिस स्टेशन को ये जानकारी मिली। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि कांस्टेबल गौरी पाटिल के कान में कुछ समस्या थी। उसने डॉक्टर को दिखाया था और डॉक्टर ने उसे ऑपरेशन कराने को सलाह दी थी। डॉक्टर की सलाह के अनुसार, कांस्टेबल गौरी पाटिल एक्सिस अस्पताल में ऑपरेशन के लिए भर्ती हुई थी। इसके बाद तय वक्त पर उसे ऑपरेशन थियेटर ले जाया गया। ऑपरेशन से पहले गौरी पाटिल को बेहोशी का इंजेक्शन दिया गया,जिसके बाद उसकी तबियत बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

सोयबीन की फसल आने से पहले सियासत गर्म दिग्विजय सिंह ने की दाम बढ़ाने की मांग

भोपाल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अभी सोयबीन की फसल आने में समय बचा है, लेकिन इसके लेकर राजनीतिक गर्माहट देखने को मिल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर सोयबीन की फसल के दाम 6000 रुपये प्रति क्विंटल की मांग को लेकर एक मुहिम छेड़ दी है। मध्य प्रदेश में इस बार डॉ मोहन यादव सरकार के खिलाफ सोयाबीन की फसल के दाम को लेकर कांग्रेस ने आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली है। अभी से सोशल मीडिया के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री सहित कांग्रेस के नेता समर्थन जुटाने में लग गए हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर सोयाबीन की फसल के दाम 6000 रुपये प्रति क्विंटल की मांग को लेकर मुहिम शुरू कर दी है। इस मुहिम के माध्यम से किसानों का जन समर्थन जुटाना जा रहा है। अभी सोयाबीन की फसल आने में 1 महीने का वक्त बचा है, बावजूद इसके कांग्रेस के नेताओं ने सोयाबीन के दामों को लेकर अभी से चिंता पालना शुरू कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने यह भी सवाल उठाया है कि 10 सालों से सोयाबीन के भाव 4300 क्विंटल है। किसानों के लिए सोयाबीन की फसल घाटे का सौदा साबित हो रही है। 10 सालों में महंगाई दोगुना पहुंच गई है, जबकि फसल के दाम वहीं के वहीं टिके हुए हैं। इसकी वजह से मध्य प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर होती जा रही है। बीजेपी विधायक अनिल जैन के मुताबिक इन 10 सालों में डेढ़ साल कांग्रेस की सरकार भी रही है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने किसानों के साथ वादा खिलाफी की।

केदारनाथ में आसमान से गिरा हेलीकॉप्टर

हुआ चकनाचूर; सामने आया खौफनाक मंजर

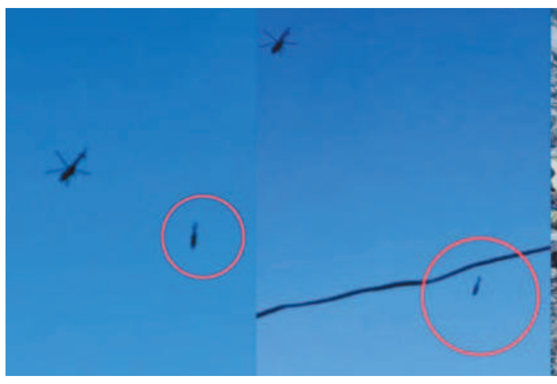

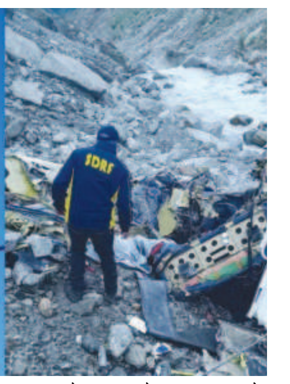

केदारनाथ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। देवभूमि उत्तराखंड के केदारनाथ से एक खौफनाक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक हेलीकॉप्टर को ऊपर से गिरते हुए देखा जा सकता है। हालांकि बताया जा रहा है कि यह हैलीकॉप्टर खराब था और इसे रिपेयरिंग के लिए ले जाया जा रहा था। खराब हेलीकॉप्टर को एक अन्य हेलीकॉप्टर में बांधकर ले जाया जा रहा था। इसी बीच हेलीकॉप्टर जिस चैन से बंधा था वह चैन टूट गई। इसके बाद खराब हेलीकॉप्टर आसमान से सीधे जमीन पर आ गिरा। इस पूरी घटना का वीडियो भी कैमरे में कैद हो गया है। वहीं जमीन पर गिरने के बाद खराब हेलीकॉप्टर पूरी तरह से चकनाचूर हो गया है। वहीं मौके पर एसडीआरएफ की टीम मौजूद है।

संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा

बताया जा रहा है कि केदारनाथ में मरम्मत कार्य के लिए एमआई-17 विमान से गौचर हवाई पट्टी पर लाया जा रहा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 24 मई 2024 को तकनीकी खराबी के कारण हेलीकॉप्टर को एयरलिफ्ट किया जा रहा था, लेकिन उसे इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया, शनिवार को एमआई-17 विमान की मदद से हेलीकॉप्टर को मरम्मत के लिए गौचर हवाई पट्टी पर ले जाने की योजना थी। थोड़ी दूरी तय करते ही हेलीकॉप्टर के वजन और हवा के कारण एमआई-17 का संतुलन बिगड़ने लगा, जिसके कारण हेलीकॉप्टर को थारू कैंप के पास उतारना पड़ा। हेलीकॉप्टर में कोई यात्री या सामान नहीं था। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। टीम स्थिति का निरीक्षण कर रही है।

मौके पर एसडीआरएफ की टीम मौजूद

वहीं एसडीआरएफ ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया, आज एसडीआरएफ बचाव दल को पुलिस चौकी लिनचोली के माध्यम से सूचना मिली कि एक निजी कंपनी का खराब हेलीकॉप्टर, जिसे श्री केदारनाथ हेलीपैड से दूसरे हेलीकॉप्टर द्वारा गोचर हेलीपैड तक ले जाया जा रहा था, थारू कैंप के पास लिनचोली में नदी में गिर गया है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है और राहत कार्य जारी है। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। एसडीआरएफ की टीम द्वारा खोजबीन की जा रही है।

घायल को एडमिट करने से पहले हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने मांगी फीस

हंगामा करने पर गार्ड ने चला दी गोली; हुआ बवाल

भोपाल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। शहर में एक बार फिर तेज रफ्तार की वजह से एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। दरअसल, एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के बाद युवक घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं अस्पताल प्रशासन ने भी लापरवाही दिखाते हुए घायल को भर्ती करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने भर्ती करने से पहले फीस जमा करने को कहा, जिसके बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। इस बीच गार्ड ने गोली भी चला दी, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। दरअसल, भोपाल में तेज रफ्तार एक कार ने बाइक से जा रहे एक युवक को कुचल दिया। आनन-फानन में परिजनों और स्थानीय लोग घायल को लेकर शहर में स्थित सिटी हॉस्पिटल गए। यहां उन्होंने घायल को अस्पताल में एडमिट कराने को कहा। इस पर सिटी हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने इलाज करने से पहले फीस जमा करने की बात कही। इसके बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल में हंगामा करना शुरू कर दिया। वहीं अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ भी की गई। वहीं घायल युवक को अस्पताल में भर्ती ना करने की वजह से उसकी स्ट्रेचर पर ही मौत हो गई। घायल युवक की मौत के बाद परिजनों समेत मोहल्ले के लोगों ने अस्पताल में हंगामा किया। वहीं हंगामा बढ़ता देख अस्पताल के गार्ड ने गोली चला दी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार मानव ख़ुशी और मानवीय संतुष्टि अंततः स्वयं के भीतर से आनी चाहिए।

सरकार रामागुंडम में 800 मेगावाट बिजली संयंत्र का निर्माण करेगी : भट्टी

रामागुंडम, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने घोषणा की है कि राज्य सरकार रामागुंडम में 800 मेगावाट बिजली संयंत्र का निर्माण करेगी और महत्वाकांक्षी परियोजना को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और जेनको द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। शनिवार को यहां एक कार्यक्रम में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने परियोजना के लिए आवश्यक भूमि और सुविधाएं प्रदान करने में स्थानीय प्रतिनिधियों और अधिकारियों से त्वरित सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि जितनी जल्दी प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे, उतनी ही जल्दी बिजली संयंत्र का निर्माण शुरू हो सकेगा। बिजली संयंत्र स्थापित करने का निर्णय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा के बाद लिया गया, जो क्षेत्र के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

उपमुख्यमंत्री ने पीपुल्स मार्च पदयात्रा के दौरान किए गए एक वादे को भी याद दिलाया, जहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी के "इंदिरम्मा राज्यम" के तहत रामागुंडम में एक बिजली संयंत्र बनाने की प्रतिबद्धता जताई थी। उन्होंने कहा कि गर्व से कहता हूं कि यह वादा अब पूरा हो रहा है। रामागुंडम आरटीएस-बी संयंत्र की विरासत को दर्शाते हुए, जिसने तकनीकी कारणों से बंद होने से पहले 50 वर्षों तक राज्य और देश की सेवा की, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय लोगों का संयंत्र के साथ भावनात्मक जुड़ाव उसी स्थान पर एक नया बिजली संयंत्र स्थापित करने के निर्णय का एक प्रमुख कारक था।

बिजली संयंत्र के अलावा, भट्टी विक्रमार्क ने तेलंगाना राज्य भर में विधानसभा क्षेत्रों में अंबेडकर ज्ञान केंद्र बनाने की योजना की घोषणा की, बशर्ते कि स्थानीय विधायक 300 वर्ग गज भूमि की पहचान और आवंटन कर सकें। ये केंद्र शैक्षणिक केंद्र के रूप में काम करेंगे, जहां वंचित छात्र शीर्ष व्याख्याताओं द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग प्राप्त कर सकते हैं। कक्षाएं सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेंगी, जिसमें छात्रों को अपनी शंकाओं को ऑनलाइन स्पष्ट करने की व्यवस्था होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उन्हें हैदराबाद की यात्रा किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तैयारी के संसाधनों तक पहुंच प्राप्त हो।

उपमुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी उपायों पर भी प्रकाश डाला, विशेष रूप से सिंगरेनी के श्रमिकों के लिए। सत्ता में आने पर, राज्य सरकार ने सिंगरेनी श्रमिकों के लिए एक करोड़ रुपये की बीमा योजना शुरू की और अनुबंध श्रमिकों के लिए 30 लाख की बीमा योजना लागू की, जो देश में अपनी तरह की पहली पहल है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि सिंगरेनी में सभी कैंटीनों को आधुनिक बनाने की योजना चल रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे उच्च स्वच्छता मानकों को पूरा करते हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने रामगुंडम क्षेत्र में पाटीपाका जलाशय सिंचाई परियोजना को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो पदयात्रा के दौरान किया गया वादा था। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए हाल ही के बजट में पहले ही धन आवंटित किया जा चुका है, जो रामगुंडम के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

पूर्व मंत्री कोप्पुला ने की सरकार की निंदा

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में गुरुकुल संस्थानों के कामकाज में आ रही कठिनाइयों को दूर करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने शनिवार को कहा कि यदि सरकार स्थिति को दूर करने में विफल रही तो राज्य के वंचित वर्ग के छात्र अंततः हार जाएंगे। पालमकुला गुरुकुल स्कूल के छात्रों ने भोजन की घटिया गुणवत्ता पर चिंता जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह भोजन मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है। कथित तौर पर स्थिति और भी खराब हो गई है। सभी गुरुकुल संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और पिछड़े वर्ग (बीसी) के बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हैं।

तेलंगाना में लुप्त हो रही लोक कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयास : पर्यटन मंत्री

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना में लुप्त हो रही लोक कलाओं को पुनर्जीवित करने और उनका कायाकल्प करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कवियों, कलाकारों और लेखकों को उनके योग्य पहचान दिलाकर कलाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। राज्य भाषा और संस्कृति विभाग, सरिपल्ली कोंडल राव फाउंडेशन, युवा कला वाहिनी और तेलंगाना राज्य लोक कलाकार संघ के सहयोग से शनिवार को यहां रवींद्र भारती में विश्व लोक दिवस समारोह आयोजित किया गया, जहां मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि टेलीविजन, कंप्यूटर और स्मार्टफोन के आगमन से पहले के युग में, जब लोक कलाकार कहानियां और नाटक प्रस्तुत करते थे, समाज में एक विशेष स्थान रखते थे और उनके प्रयासों के लिए उन्हें उचित पुरस्कार भी मिलता था। हालांकि, आधुनिक मीडिया के प्रसार के साथ, इन कलाकारों की परिस्थितियां खराब हो गई हैं, जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा को सराहनीय दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने के बहुत कम अवसर मिल रहे हैं। मंत्री ने बदलते समय और युवाओं पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की, जिनमें से कई बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं और अपना भविष्य खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने कवियों, कलाकारों और लेखकों से युवा पीढ़ी में सकारात्मक बदलाव लाने की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।

विनायक चतुर्थी उत्सव के लिए ग्रेटर हैदराबाद में सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी : विजयलक्ष्मी

जीएचएमसी मुख्यालय में पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों, जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि गणेश उत्सव को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए ग्रेटर हैदराबाद शहर में सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। गणेश उत्सव मनाने के लिए शनिवार को जीएचएमसी मुख्यालय में पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों, जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों, जोनल कमिश्नर, डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी, कमिश्नर आम्रपाली काटा, भाग्यनगर गणेश महोत्सव समिति के प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता महापौर गदवाल विजयालक्ष्मी ने की। इस मौके पर मेयर गदवाल विजयालक्ष्मी ने कहा कि शहर में विनायक उत्सव व विसर्जन भव्यता से हो सके, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी की ओर से बिना किसी कमी के सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी ताकि शहर में हर कोई त्योहार धूमधाम और खुशी के साथ मना सके। भाग्य नगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे सुझाए गए सभी बिंदुओं पर विचार करेंगे और सभी व्यवस्थाएं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जोन में भगवान गणेश विसर्जन वाले तालाबों और शिशु तालाबों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह पहले ही शेरलिंगमपल्ली और कुकटपल्ली जोन के सभी तालाबों, बेबी तालाबों और सड़कों का निरीक्षण कर चुके हैं और आवश्यक सुविधाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित सुझाव दिए हैं। अन्य जोन में भी व्यवस्था करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जोनल कमिश्नर और अधिकारी काम कर रहे हैं और पूरी निगरानी कर रहे हैं। तालाबों से घोड़े की टापें और गाद हटा दी गई। उन्होंने कहा कि पेड़ों की छंटाई की जा रही है, विसर्जन के लिए बिना किसी कमी के सारी व्यवस्थाएं करने की योजना बनाई जा रही है और विसर्जन को सफल बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पांच सितंबर तक सभी कार्य पूरा करने की दिशा में कदम उठाये जायेंगे और सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यक होगा वहां अस्थायी शौचालय और मोबाइल शौचालय स्थापित किये जायेंगे और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में सांख्यिकी, मोबाइल क्रेन, आवश्यक क्रेनें लगाई जा रही हैं। मेयर ने कहा कि सड़क पर बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, सार्वजनिक शौचालय, पेड़ों की कटाई-छंटाई, स्वास्थ्य शिविर, नाव, तैराक, निरंतर बिजली आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, गड्ढों को भरना, अग्निशामक यंत्र, पेयजल आपूर्ति आदि की व्यवस्था की जायेगी। उपमहापौर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि इस बार ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में हमें मुंबई शैली के उत्सवों का आयोजन करना चाहिए, सभी को समन्वय से काम करना चाहिए और इसी तरह गणेश उत्सव समिति के सदस्यों को भी सहयोग करना चाहिए। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए जाएंगे कि शहर के निवासी विनायक चतुर्थी के त्योहार के दौरान आंखों का त्योहार मनाएं, गणेश उत्सव से लेकर विसर्जन के समापन तक स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिट्टी की गणेश प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। सभी से इस संबंध में सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।

तेलंगाना सरकार ने गृह ज्योति योजना पर लिया यू-टर्न

आवेदकों से बकाया चुकाने को कहा

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कांग्रेस सरकार की प्रमुख योजना गृह ज्योति के लिए आवेदन करने वाले लोग बिजली अधिकारियों द्वारा पिछले 5 महीनों का बकाया भुगतान करने की मांग से नाराज हैं। विद्युत उपयोगिता प्राधिकरणों ने दावा किया कि गृह ज्योति योजना तभी लागू होगी जब शून्य बिल बनाए जाएंगे और जिन लोगों ने योजना के लिए आवेदन किया था, उन्होंने मार्च, जब योजना शुरू हुई थी, से बिल का भुगतान नहीं किया था, इसलिए नागरिकों को बकाया भुगतान करना पड़ा। सभी शर्तें पूरी करने के बावजूद भी कई पात्र लोगों को बिजली बिल माफ कराने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बजट सत्र के दौरान सरकार ने आंकड़े पेश किए थे, जिसमें बताया गया था कि 42.25 लाख लोगों को मुफ्त बिजली मिल रही है। लाभार्थियों का कहना है कि गृह ज्योति योजना के पहले चरण में कई पात्र लोग छूट गए थे और सरकार ने उन्हें फिर से आवेदन करने को कहा है लेकिन तब से बड़ी संख्या में लोगों को शून्य बिल नहीं मिल रहे हैं।

मार्च में सरकार ने घोषणा की थी कि योजना के सभी पात्र लाभार्थियों को तब तक बिल का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है जब तक कि उन्हें शून्य बिल नहीं मिल जाता। हालांकि, लोग तब हैरान रह गए जब बिजली अधिकारियों ने उनसे लंबित बिलों का भुगतान करने के लिए कहा। लाभार्थियों का तर्क है कि चूंकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खुद लाभार्थियों से बिल का भुगतान न करने के लिए कहा था, इसलिए उन्होंने बिल का भुगतान करना बंद कर दिया और अब अचानक बिजली उपयोगिताएं उनसे सभी लंबित बिलों का भुगतान करने की मांग कर रही हैं। यहां तक कि बिजली कंपनियों ने भी आश्वासन दिया है कि प्रजा पालना के माध्यम से आवेदन करने वाले सभी लोगों को आदर्श आचार संहिता हटने के बाद जून से योजना का लाभ मिलेगा, लेकिन मार्च में आवेदन करने वाले बड़ी संख्या में लोगों को शून्य बिल नहीं मिले।

बारिश को लेकर सतर्क रहना चाहिए : शशांक

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जैसा कि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि जिले भर में दो दिनों तक भारी बारिश होगी, जिला कलेक्टरों को किसी भी जान-माल के नुकसान से बचने के लिए सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में भारी बारिश के मद्देनजर बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में आज रंगारेड्डी कलेक्टर ने जिले के संबंधित अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस की। इस टेलीकांफ्रेंस में राजस्व, नगरपालिका, जिला परिषद, सिंचाई, पंचायत राज, चिकित्सा, बिजली विभाग, सड़क निर्माण विभाग, मिशन भगीरथ के अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में भारी बारिश की स्थिति में हमें किसी भी प्रकार की आकस्मिक आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। जिला कलक्टर कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि निचले और बाढ़ वाले इलाकों से लोग न जाएं, इसके लिए उचित निगरानी की जानी चाहिए। विशेष रूप से उद्धृथंगा पारे में मानसून आपातकालीन टीमों को सतर्क करने के अलावा, उन्हें मैनहोल के खुलने के खिलाफ सतर्कता बरतने का आदेश दिया गया था। निचले इलाकों में एक विशेष अधिकारी नियुक्त कर निगरानी करायी जाये। जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने और पुनर्वास शिविर स्थापित करने के मामले में पहले से योजना तैयार करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए समाहरणालय में 040-23237416 नंबर से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यदि आपकी कोई आवश्यकता या समस्या है तो कृपया हमसे संपर्क करें। उन्होंने कहा कि समय-समय पर मीडिया के माध्यम से लोगों को भारी बारिश और बाढ़ के कारण बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांवों और कस्बों में पानी के अच्छे स्रोत टैंकों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए उचित कदम उठाने के अलावा बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरीनेशन किया जाना चाहिए। जिला चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मेडिकल टीमों को अलर्ट कर उचित दवाएं तैयार रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि भारी बाढ़ और बारिश के कारण स्थानीय लोग कुछ स्थानों पर मिट्टी के गड्ढे बना सकते हैं और इसके कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसी गतिविधियों को होने से रोकें। संबंधित पदाधिकारियों को पुलिस, सिंचाई विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, पंचायत राज एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया गया। इस टेलीकांफ्रेंस में जिले के पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए।

गुरुकुल स्कूलों में गंभीर मुद्दों को हल करने में सरकार विफल

बीआरएस नेता हरीश राव ने साधा निशाना

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पालमकुला गुरुकुल स्कूल में छात्रों की दुर्दशा से आहत पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी हरीश राव ने शनिवार को छात्रों के विरोध के बावजूद सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया। उन्होंने शनिवार को पार्टी नेताओं पी सबिता इंद्र रेड्डी और अन्य लोगों के साथ तथ्य-खोज मिशन पर संस्थान का दौरा किया।

हरीश राव ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर कोई प्रतिक्रिया न देने के लिए सरकार की आलोचना की और मुख्यमंत्री के शासन पर ध्यान केंद्रित करने पर सवाल उठाया। उन्होंने सरकार पर गुरुकुल स्कूलों में महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने की बजाय विपक्ष की आलोचना को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को उजागर करते हुए कहा कि आपको चींटी के डंक जैसा महसूस नहीं होता। आपको शर्म आनी चाहिए।

पूर्व मंत्री ने कई चिंताजनक मुद्दों की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें आत्महत्या से छात्रों की मौत, खराब गुणवत्ता वाला भोजन जिसमें कीड़े लगे चावल और घटिया गुणवत्ता वाली दाल, और अपर्याप्त कपड़े और शैक्षिक सामग्री शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि छात्रों को केवल एक जोड़ी कपड़े दिए गए थे, और उन्हें दूसरी जोड़ी वर्दी या आवश्यक किताबें नहीं मिली थीं।

हरीश राव ने कांग्रेस सरकार द्वारा गुरुकुल स्कूलों की उपेक्षा पर जोर दिया, सांप के काटने, अस्पताल में भर्ती होने और खराब रहने की स्थिति के कारण होने वाली मौतों की घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई की मांग की, जो शिक्षा मंत्री के रूप में भी कार्य करते हैं, ताकि इन मुद्दों को संबोधित किया जा सके और छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित की जा सके।

पूर्व शिक्षा मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी ने भी स्थिति पर टिप्पणी की और सरकार द्वारा शिक्षा विभाग की अनदेखी और गुरुकुल स्कूलों पर ध्यान न देने की आलोचना की। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री ने स्थिति की समीक्षा क्यों नहीं की और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

तीनों पुलिस आयुक्तालय के कई पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट के तहत अधिकारी और कर्मचारी 1-अतिरिक्त डीसीपी श्री.के.श्रीनिवास राव, एसआई-7, एएसआई-17, एचसी-2, पीसी-1, एलजीई-1 आज सेवानिवृत्त हुए। संयुक्त पुलिस आयुक्त, (प्रशासन) हैदराबाद गजराव भूपाल ने सम्मानित किया और विदाई दी। इस अवसर पर आयोजित सेवानिवृत्ति विदाई बैठक में गजाराव भूपाल संयुक्त पुलिस आयुक्त, (प्रशासन) हैदराबाद ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद पुलिस विभाग से मिलने वाले सभी प्रकार के सेवानिवृत्ति लाभों का समय पर भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा, मेरी कामना है कि सेवानिवृत्ति के बाद ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ्य दें और आपका शेष जीवन आपके परिवार के साथ खुशी-खुशी व्यतीत हो। उन्होंने कहा कि आपने पुलिस विभाग को जो सेवाएं प्रदान की हैं, वे अविस्मरणीय हैं, इसलिए यदि आपको कोई समस्या आती है, तो हमसे संपर्क करें। इस कार्यक्रम में श्रीनिवास मुख्य लेखा अधिकारी, श्रीदेवी एडीओ, अन्य अधिकारी, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वाई. शंकर रेड्डी और एसोसिएशन के सदस्यों ने भाग लिया।

इसी क्रम में राचकोंडा के आयुक्तालय में तैनात जगन मोहन रेड्डी, उप निरीक्षक, उप्पल यातायात, शंबैया, उप निरीक्षक, मानव तस्करी विरोधी, करुणाकर रेड्डी, उप निरीक्षक, मानव तस्करी विरोधी, अंजैया, सहायक उप निरीक्षक, बोम्मला रामाराम, राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में सेवा करते हुए आज सेवानिवृत्त हुए पुलिस स्टेशन, मीरा मोहिउद्दीन, सहायक रिजर्व उप-निरीक्षक, सशस्त्र मुख्यालय, अंबरपेट और अंजनेउलु, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, सशस्त्र मुख्यालय, भुवनागिरी को राचकोंडा कार्यालय में सीपी सुधीर बाबू द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर बोलते हुए सीपी गारू ने पुलिस विभाग को इतने दिनों तक प्रभावी ढंग से अनुशासन के साथ काम करने और सेवाएं देने के लिए बधाई दी। अधिकारियों को उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया ताकि उन्हें मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ शीघ्र प्रदान किये जा सकें। पी. इंदिरा, डीसीपी प्रशासन, मुरलीधर, डीसीपी एसओटी, श्रीधर रेड्डी, एसीपी विशेष शाखा, सुगुना, मुख्य लेखा अधिकारी, पुष्पराज, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष सीएच भद्र रेड्डी, सचिव जी. कृष्णा रेड्डी और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सर्जरी के बाद युवक की मौत

परिजनों ने मंचेरियल में डॉक्टरों के खिलाफ किया प्रदर्शन

मंचेरियल, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक युवक के परिजनों ने शनिवार को यहां एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों को उसकी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया। हाजीपुर मंडल के वेम्पल्ली गांव के धोनोजुला रवि तेजा (22) की जिला केंद्र के सन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसके शव को लेकर उसके परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने अस्पताल के सामने धरना दिया। उन्होंने उसकी मौत के लिए जिम्मेदार डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वे अस्पताल प्रबंधन से मुआवजे की मांग कर रहे थे।

रवि तेजा को दो दिन पहले हैदराबाद के एक अस्पताल में लगाए गए इंजेक्शन के कारण कूल्हे में संक्रमण हो जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सन हॉस्पिटल में संक्रमण के इलाज के लिए उनकी सर्जरी की गई थी। शुक्रवार रात हैदराबाद के एक अस्पताल में ले जाए जाने के दौरान उनकी सांसें थम गईं। मंचेरियल इंस्पेक्टर आर बंसीलाल ने कहा कि रवि तेजा के परिवार के सदस्यों से प्राप्त शिकायत के आधार पर अस्पताल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

गांजा तस्करी के आरोप में 4 गिरफ्तार

मंचेरियल, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामकृष्णपुर के कनकदुर्गा कॉलोनी में एससीसीएल के एक खाली पड़े रिहायशी क्वार्टर में प्रतिबंधित गांजा की तस्करी के आरोप में शनिवार को 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 335 ग्राम गांजा और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए।

बेल्लमपल्ली एसीपी ए रवि कुमार ने बताया कि पेद्दामपेट गांव से कोलीपाका अरविंद रेड्डी, पेद्दापल्ली जिले के अंतरगांव मंडल के मुरमुर गांव के जदी रवि किरण, मंदमर्री मंडल के आदिलपेट गांव के वेलपुला राकेश और रामकृष्णपुर निवासी मोहम्मद शफी को एक गुप्त सूचना के बाद प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन और व्यापार करते हुए गिरफ्तार किया गया। रवि कुमार ने तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए मंडामर्री इंस्पेक्टर शशिधर रेड्डी और रामकृष्णपुर सब-इंस्पेक्टर जी राजशेखर की सराहना की।

पूर्वोत्तर रेलवे

Website www.ner.indianrailways.gov.in Email-cos@ner.railnet.gov.in

निविदा सूचना संख्या-12 दिनांक 30.08.2024

ई प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं.	निविदा सं	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	28241357	07.10.24	प्री लॅमिनेटेड शेडेड कम्प्रेग (वन साइडेड) ईटीसी	MCF, ICF,RCF
2	29230187A	30.09.24	डीसी मोटर असेम्बली फार आईआरएसईपीएम ईटीसी	RDSO
3	22231809A	30.09.24	मेन्टेनेन्स किट 01 फार अर्थिंग इक्यूपमेंट ईटीसी	MCF, ICF,RCF
4	28230900A	30.09.24	डीआरडीओ एनेरियोबीक बैक्टिरिया फार बायो टायलेट ईटीसी	-
5	26245089	23.09.24	मैन्यूफैक्चर एण्ड सप्लाई आफ काम्बीनेशन ईटीसी	RDSO
6	29245136	23.09.24	सप्लाई आफ 5 वाट वीएचएफ डिजिटल वाकी टाकी ईटीसी	-
7	30230457A	23.09.24	वी - डीप ग्रुव एक्सल पुल्ली ईटीसी	-
8	24241196A	20.09.24	ट्वीन बीम एलईडी हेड लाईट फार इलेक्ट्रिक ईटीसी	RDSO
9	24245014	20.09.24	सप्लाई, इन्स्टालेशन एण्ड कमीशनिंग ईटीसी	-
10	29245093	18.09.24	सप्लाई आफ 6 क्यूएडी केबल अण्डरग्राउण्ड ईटीसी	RDSO
11	22230682A	18.09.24	क्नकल फार ट्रांजिशन एण्ड नान ट्रांजिशन ईटीसी	RDSO
12	22241724A	18.09.24	पुश टाईप फ्लशिंग वाल्ब फार कोचेज ईटीसी	-
13	22242048	17.09.24	एअर स्प्रिंग असेम्बली कैपेसिटी 160 केएन ईटीसी	RDSO

मुजाधि/एस-54 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक/गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आईआईटी बीएचयू में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को हाईकोर्ट मिली जमानत, एक सलाखों के पीछे

वाराणसी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। दोस्त के साथ टहलने निकली आईआईटी-बीएचयू की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। एक आरोपी की जमानत अर्जी पर अभी सुनवाई होनी है। जिन आरोपियों को जमानत मिली है, उनमें बृज इन्क्लेव कॉलोनी निवासी कुणाल पांडेय और आनंद उर्फ अभिषेक चौहान शामिल हैं। तीसरा आरोपी सक्षम पटेल अभी सलाखों के पीछे है। तीनों आरोपी 31 दिसंबर 2023 को लंका थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए थे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज को बड़ा झटका

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं मानी बात, जाना पड़ेगा मद्रास

प्रयागराज, 31 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शमीम अहमद के मद्रास हाईकोर्ट में तबादले पर पुनर्विचार की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दिया है।

इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनका तबादला बेहतर न्याय व्यवस्था के लिए किया गया है। 21 अगस्त को जस्टिस शमीम अहमद के ट्रांसफर की सिफारिश की गई थी। जिसे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने की थी।

इसमें जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हृषिकेश राय शामिल थे। जस्टिस शमीम अहमद ने 22 अगस्त 2024 को इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी और उनके तबादले को

रोकने की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराया अनुरोध

इस मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने कहा कि जस्टिस शमीम अहमद ने मद्रास हाईकोर्ट में अपने तबादले के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। जिसे लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट दोनों के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीशों से परामर्श किया गया है। जिसके बाद कोर्ट ने उनके अनुरोध को ठुकरा दिया है।

कॉलेजियम ने कहा कि जस्टिस अहमद के मद्रास हाईकोर्ट में तबादले के प्रस्ताव पर पुनर्विंचार करने का अनुरोध किया गया है लेकिन उनके इस अनुरोध में कोई ख़ास दम नहीं है। इसलिए उनके अनुरोध के आवेदन को ठुकराया जाता है और सुप्रीम कोर्ट उनके मद्रास हाईकोर्ट में स्थानांतरण की 21 अगस्त 2024 को की गई अनुशंसा को दोहराता है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब जस्टिस शमीम अहमद को मद्रास हाईकोर्ट में अपने पदभार को ग्रहण करना होगा।

जस्टिस शमीम अहमद को 12 दिसंबर 2019 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया, जिसके बाद 26 मार्च, 2021 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

उन्होंने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की पढ़ाई की और इसके बाद इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में ही क़ानून की पढ़ाई की है। 17 अप्रैल 1993 को वो बार कांउसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में एक वकील के रूप में नामांकित हुए थे।

भेड़िया गया नहीं, बाघ आ गया

लखीमपुर में लोगों की जान पर आफत,8 बाघों की तलाश तेज

लखीमपुर खीरी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में जंगली जानवरों के आतंक से दहशत फैली हुई है। बहराइच में भेड़ियों के आतंक बाद लखीमपुर खीरी में बाघ का खौफ देखने को मिल रहा है। लखीमपुर खीरी में 8 बाघों की तलाश की जा रही है। बाघ की तलाश 2 ड्रोन और 20 कैमरों से हो रही है। बाघ के हमले में एक महीने में 3 लोगों की मौत हुई थी। लखीमपुर खीरी में दो दिन पहले बाघ के हमले से मौत मामले में वन अधिकारी ड्रोन कैमरे से बाघ की तलाश कर रहे है।

थाना हैदराबाद इलाके के इमलियापुर गांव में घास काटने के दौरान 45 वर्षीय अमरीश की बाघ के हमले में मौत हो गई थी। डीएफओ संजय बिस्वाल ने कहा कि जल्द ही बाघ पकड़ा जाएगा। हम बाघ की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश में है। चूंकि बारिश हुई और पानी भरा। ऐसे में जानवर बाहर आ जाते हैं। बाघ एक दिन में 10 किलोमीटर तक मूव कर सकता है। हमने चार पिंजड़े लगाए हैं। बिस्वाल ने बताया कि हमारे साथ कुछ एनजीओ भी साथ है। हम लोग पूरी कोशिश में हैं कि जल्द ही लोगों को इस भय से मुक्त कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि 8 बाघों को पकड़ने के लिए वन मंत्री ने भी निर्देश दिए हैं

सीतामढ़ी में मुखिया को खोज रहे बदमाशों ने युवती को मारी गोली

सीतामढ़ी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सीतामढ़ी के सुरसंड थाना क्षेत्र के रधाउर गांव में देर रात पंचायत के मुखिया रविशंकर को खोजने आए बदमाशों ने एक युवती को गोली मार दी। जख्मी युवती की पहचान रधाउर उतरी टोला वार्ड नंबर 8 निवासी अरविंद तिवारी की 18 वर्षीया पुत्री रिमझिम कुमारी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि दो गोली बदमाशों के द्वारा चलाई गई है। जिसमें एक गोली दहशत फैलाने के लिए हवा में फायरिंग की गई थी। जबकि एक गोली उस युवती को पेट में जा लगी। जख्मी युवती का इलाज सीतामढ़ी शहर के निजी क्लीनिक में चल रहा है। युवती का कहना है कि वह अपने कमरे में अकेले सो रही थी। उसके माता-पिता इलाज के लिए बाहर गए हुए हैं।

डीजीपी ने परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण, बोले-सबसे बड़ी पुलिस परीक्षा कराने में सफल रहे

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का आज अंतिम दिन है। पहली पाली की परीक्षा हो रही है। पूरी परीक्षा के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह चाक चौबंद नजर आया। यूपी डीजीपी ने शनिवार को लखनऊ के तेलीबाग में राम भरोसे मैकू लाल इंटर कालेज में खुद भी निरीक्षण किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि देश और विश्व की सबसे बड़ी पुलिस की परीक्षा है जिसको सकुशल संपन्न कराने में हम लोग सफल हुए हैं। जैसा की सरकार का संकल्प है कि भर्ती सुचितापूर्ण तरीके से संपन्न हो और सिर्फ मेधावी छात्र ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के बाद नौकरियों में लिए जाएं। जो बच्चे अभी पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आ रहे हैं वो जनता और विभाग की सेवा अगले 40 साल तक करेंगे। अभी की भर्ती 60 हजार से कुछ अधिक की है। आने वाले एक साल में हम कुल एक लाख लोग विभाग में लेंगे। सिपाही के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के चौथे दिन 21.80 फीसद अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। शुक्रवार को परीक्षा में 6,91,936 अभ्यर्थी शामिल हुए, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। वहीं परीक्षा में सेंध लगाने का प्रयास करने वाले 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 3 सॉल्वर हैं।

राहुल गांधी की चिट्ठी के बाद एक्शन में योगी सरकार

अर्जुन पासी हत्याकांड में थाना प्रभारी सस्पेंड

रायबरेली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रायबरेली नसीराबाद के पिछवरिया गांव में 11 अगस्त को युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले ने जिले के साथ प्रदेश की सियासत को भी गर्म कर दिया है। सपा और कांग्रेस मिलकर सरकार को कानून व्यवस्था के मुददे पर घेर रही हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी ने 20 अगस्त को गांव का दौरा कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी और फिर मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के साथ मामले की जांच को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजा था। इस पर शासन ने उन्नाव सीओ को जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं, एसपी ने नसीराबाद थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया है। 11 अगस्त की रात को अर्जुन पासी की घर के बाहर बुलाकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में सात

आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। छह आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया लेकिन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल सिंह की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। मृतक युवक की मां ने विशाल सिंह की संलिप्तता की बात कही थी। मामले को लेकर 17 अगस्त को सपा और 18 अगस्त को कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा था और पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। इसके बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने रिपोर्ट नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दी जिस पर 20 अगस्त को राहुल गांधी ने गांव का दौरा कर पीड़ित परिवार से 17 मिनट बात की थी। साफ कहा था कि अन्याय हुआ है और एसपी मास्टरमाइंड को गिरफ्तार नहीं कर सके हैं। उन्होंने इस पर डीएम हर्षिता माथुर और एसपी अभिषेक अग्रवाल को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। यह मामला इस समय उपचुनाव के चलते खासा गर्म है। उधर, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर सांसद राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। दो दिन पहले लखनऊ में मुख्यमंत्री कार्यालय पर विधायक आराधना मिश्रा, अमेठी सांसद केएल शर्मा, कांग्रेस के पूर्व सांसद पीएल पुनिया, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी मुख्यमंत्री से मिलने गए थे लेकिन मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इस पर अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार को सांसद राहुल गांधी का मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र सौंपा गया था। इस पर शासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पहले एसपी अभिषेक अग्रवाल ने नसीराबाद थानाध्यक्ष जितेंद्र मोहन सरोज को निलंबित कर दिया तो वहीं उन्नाव सीओ को मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

कोलकाता रेप मर्डर की घटना के बाद यूपी में अलर्ट

अस्पताल में अब बिना पहचान पत्र नहीं रुक सकेंगे तीमारदार

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप मर्डर की घटना के बाद अब यूपी के अस्पताल भी अलर्ट मोड पर हैं। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के अस्पतालों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अस्पतालों के प्रबंधन को निर्देश दिए हैं। अब बिना पहचान पत्र के अस्पतालों में लोग नहीं रुक सकेंगे। अस्पताल में रुकने के लिए प्रवेश पत्र या पहचान पत्र जरूरी होगा। डिप्टी सीएम का कहना है कि अस्पताल के स्टाफ की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में अमूमन ऐसे लोगों को देखा जाता है, जिनका रोगी अस्पताल में भर्ती नहीं है, वे सिर्फ रात्रि विश्राम के लिए अस्पतालों में रुक जाते हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। वार्ड, आईसीयू, रेस्टिंग रूम, इमरजेंसी वार्ड, आईपीडी विभाग में रात्रि प्रवेश के लिए तीमारदारों को प्रवेश पत्र निर्गत किए जाएं।

उन्होंने कहा कि यदि अस्पताल परिसर में डॉक्टर अथवा चिकित्सा कर्मचारियों के साथ हिंसा होती है, तो अस्पताल के इंचार्ज या उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा एफआईआर कराई जाएगी। इसे संस्थागत एफआईआर कहा जाएगा। इसकी रिपोर्टिंग का कार्य अस्पताल द्वारा किया जाएगा न कि प्रभावित व्यक्ति द्वारा। उन्होंने बताया कि रात्रि ड्यूटी में महिला चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों को रोगियों को देखने के लिए अन्य ब्लॉक एवं वार्ड में जाना पड़ता है।

'योगी का चाइनीज वर्जन' बनना चाहते हैं असम के सीएम

तेजस्वी यादव ने हिमंत बिस्वा सरमा पर कसा तंज

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए एक पोस्ट में लिखा है कि असम के मुख्यमंत्री सस्ती लोकप्रियता हासिल करने और योगी का चाइनीज वर्जन बनने के लिए मुसलमानों को परेशान करने वाला काम कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने भाजपा पर मुसलमानों को टारगेट करने का आरोप लगाया और कहा कि हम लोग जब तक है तब तक कोई माई का लाल उनका बाल बांका नहीं कर सकता। भाजपा के अलावा उन्होंने आरएसएस पर भी निशाना साधा।

मुसलमान भाइयों को बना लिया सॉफ्ट टारगेट

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में तेजस्वी यादव ने लिखा है, 'असम के मुख्यमंत्री सस्ती लोकप्रियता हासिल करने एवं "योगी का चाइनीज वर्जन" बनने के प्रयास में जानबुझकर मुसलमानों को परेशान करने वाले कृत्य करते रहते हैं। बीजेपी के लोगों ने नफरत फैलाने, मोदी-शाह का ध्यान आकृष्ट करने एवं समाज में ध्रुवीकरण करने के लिए मुसलमान भाइयों को सॉफ्ट टारगेट बना लिया है। देश की आजादी में आरएसएस छोड़ सभी धर्मों के लोगों का हाथ है हमारे मुसलमान भाइयों ने देश को आजादी दिलाने में कुर्बानियां दी हैं और हम लोग जब तक हैं तब तक कोई माई का लाल उनका बाल बांका नहीं कर सकता।'

अल्पसंख्यकों को कर रहे परेशान

इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। वीडियो में उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग अल्पसंख्यकों को परेशान कर रहे हैं। देश में संविधान के अनुसार सभी धर्म के लोगों को समान अधिकार मिले हैं, लेकिन भाजपा के लोग सिर्फ परेशान करने का काम कर रहे हैं। भाजपा का एक मंत्री या विधायक बंदर की तरह कूद रहा था और बोल रहा था विधानसभा में कि हम मुसलमानों का वोटिंग का अधिकार छीन लेंगे, लेकिन हम एक बार खड़ा हुए तो फिर वो ठंडा हो गया।

सोना तस्करी का 'सेफ जोन

बना लखनऊ एयरपोर्ट:63 लाख रुपए का 850 ग्राम गोल्ड पकड़ा गया

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 63 लाख रुपए का सोना पकड़ा गया। स्मगलिंग करके यह गोल्ड मस्कट से लाया जा रहा था। चोरी को छिपाने के लिए तस्कर ने सोने को क्रीम के डिब्बे में छिपा दिया था। पैसेंजर मस्कट से फ्लाइट संख्या डब्लू वाई 0261 से लखनऊ पहुंचा था। एयरपोर्ट की स्पेशल टीम ने यात्री पर शक किया और जब जांच की गई तो उसके पास से 850 ग्राम सोना जब्त किया गया। भारतीय बाजार में इस सोने की कीमत करीब 63 लाख रुपए आंकी गई है। वहीं, एयरपोर्ट अधिकारियों का मानना है कि मैन पॉवर की कमी के कारण हम सभी संदिग्धों को ट्रैस नहीं कर पा रहे हैं।

यही वजह है कि मिडिल ईस्ट से तस्करी का सोना बाया लखनऊ रूट आसानी से स्मगल किया जा रहा है। एयरपोर्ट चार दिन के अंदर यह दूसरी घटना है जब सोना पकड़ा गया है। चार दिन के अंदर करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपए का माल पकड़ा जा चुका है। इससे पहले बैंकॉक से आए यात्री के पास से 68 लाख का सोना पकड़ा गया था। जब चेकिंग की गई तो यात्री के जींस के बेल्ट से सोना बरामद हुआ था। यात्री गोरखपुर का रहने वाला था। फ्लाइट नंबर एफडी146 बैंकॉक से यात्री आया था। यात्री अपनी जींस के अंदर गोल्ड का पेस्ट छिपाकर बैंकॉक से लखनऊ पहुंचा था। यात्री ने जींस के बेल्ट में नीले रंग के कपड़े में पेस्ट के रूप में सोना छिपाया था।

लालू की पार्टी आज करेगी आंदोलन

तेजस्वी बोले- भाजपा वाले आरक्षण खत्म करना चाहते हैं

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एक सिंतबर से आंदोलन करेगी। इस एलान नेता प्रतिपक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता का हक किसी को छीनने नहीं दे सकते हैं। इसलिए हमारी पार्टी 2023 में हुए जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों को संविधान की अनुसूची 9 के तहत शामिल करने की मांग को लेकर एक सितंबर को आंदोलन करेगी। इतना ही नहीं अगर नीतीश सरकार ने 65 प्रतिशत आरक्षण अपना पक्ष सही से नहीं रखा तो राजद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा और अपनी बात रखेगा। हम कोर्ट जाकर अपना पक्ष अच्छे से रखेंगे। इसलिए हमने एक सितंबर को बिहार में आंदोलन की घोषणा की है।

भाजपा वाले आरक्षण खत्म करना चाहते हैं

तेजस्वी ने कहा कि वह बिहार में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ओबीसी, एससी और एसटी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था। हमने इसे अनुसूची नौ के तहत शामिल करने की मांग केंद्र सरकार से की थी। अब यह मामला कोर्ट में है। तेजस्वी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हम जानते थे कि भाजपा ने ऐसा नहीं चाहती है। भाजपा वाले आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने इसे अनुसूची 9 में शामिल नहीं किया।

बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

बता दें कि जून में पटना हाईकोर्ट ने पदों और सेवाओं में रिक्तियों के लिए बिहार आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 और बिहार (शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 को रद्द कर दिया था। इसके बाद बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामला कोर्ट में लंबित है।

बिहार में मंकी पॉक्स को लेकर अलर्ट 3 एयरपोर्ट पर होगी स्क्रीनिंग

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। स्वास्थ्य विभाग ने देश में मंकी पॉक्स के अलर्ट के बाद राज्य में भी अलर्ट जारी किया है। एलर्ट में कहा गया है कि पटना, दरभंगा और गया हवाई अड्डे पर आनेवाले यात्रियों पर विशेष नजर रखी जाए। तीनों एयरपोर्ट पर संदिग्ध मरीजों की स्क्रीनिंग की जाए। विभाग ने एहतियातन कदम उठाया है। हालांकि, बिहार में मंकी पॉक्स का कोई मरीज नहीं पाया गया है। मंकी पॉक्स एक संक्रामक रोग है, जो संक्रमित व्यक्ति या जानवर के संपर्क में आने से होती है। मंकीपॉक्स का संबंध ऑर्थोपॉक्सवायरस परिवार से है, जो चेचक की तरह दिखाई देती है। इसमें वैरियोला वायरस भी शामिल है। इस वायरस के चलते स्मॉल पॉक्स होती है। जानवरों में मंकी पॉक्स पहली बार साल 1958 में दिखाई दी थी। जब बंदरों में मंकीपॉक्स का संक्रमण पाया गया था। वहीं, साल 1970 में पहली बार इंसान में मंकीपॉक्स कॉन्गो के एक बच्चे में पाया गया था। जबकि, साल 1980 में चेचक उन्मूलन के बाद यह गंभीर समस्या बनकर उभरा है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके साथ ही डेंगू मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी जिला वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी को सतर्क किया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक सह मलेरिया के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डा अशोक कुमार ने सभी जिला वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी को मच्छर का लार्वा सैंपल संग्रह कर जांच कराने के लिए कहा है। साथ ही जिलों के सिविल सर्जनों को जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश भी जारी किए गए है। इस बीच शुक्रवार को डा अशोक के नेतृत्व में मुजफ्फरपुर में सौ से अधिक घरों में मच्छर का लार्वा संग्रह किया गया।

सिविल लाइंस में मसाज पार्लर की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट, विदेशी युवती भी शामिल, 13 हिरासत में

प्रयागराज, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सिविल लाइंस में रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित मॉल में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट की सूचना पर शाम छापा मारा गया। एक वीडियो वायरल होने के बाद मारे गए छापे में चार स्पा सेंटरों से 13 महिलाओं व युवतियों समेत 20 लोग हिरासत में लिए गए। इनमें से एक महिला संचालक व दो मैनेजर भी शामिल हैं। तीन स्पा सेंटरों के संचालकों की देर रात तक तलाश चलती रही। वहीं चारों स्पा सेंटरों को सील कर दिया गया है। शाम साढ़े तीन बजे के करीब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रयागराज पुलिस को टैग करते हुए एक यूजर ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि सिविल लाइंस में स्पा सेंटर की आड़ में

सेक्स रैकेट चलाए जा रहे हैं। इनमें विदेशी मूल की महिलाओं को भी रखा गया है। ट्वीट में एक वीडियो भी पोस्ट किया गया जिसे स्पा सेंटर का बताया गया। इसमें वीडियो बनाने वाले युवक की कुछ लोगों से नोकझोंक की बात सुनाई देती है और एक विदेशी समेत कुछ महिलाएं भी दिखती हैं। ट्वीट की जानकारी अफसरों तक पहुंची तो हड़कंप मच गया और इसके बाद देर शाम रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित पी स्क्वॉयर मॉल में छापा मारा गया। यहां चार स्पा सेंटरों में पुलिस के पहुंचते ही अफरातफरी मच गई। इस दौरान अन्य लोग भाग निकले जबकि 13 महिलाओं व युवतियों समेत 20 लोग हिरासत में ले लिए गए। इनमें से एक नाइजीरियन मूल की भी महिला शामिल है। पकड़ी गई महिलाओं में से एक ने खुद को स्पा सेंटर संचालक बताया जबकि पुरुषों में से दो ने बताया कि वह अलग-अलग स्पा सेंटरों के मैनेजर हैं। चारों स्पा सेंटर सील करते हुए हिरासत में लिए गए लोगों को थाने लाया गया। महिलाओं व युवतियों को महिला थाने जबकि पुरुषों को सिविल लाइंस थाने में रखकर देर रात तक पूछताछ चलती रही। एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ चल रही है।

असली नाम कुछ और फर्जी नाम से कर रही थीं काम

सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि पकड़ी गई महिलाओं व युवतियों में से एक को छोड़कर अन्य सभी स्पा सेंटरों में काम करती हैं। यह अलग-अलग शहरों की हैं और प्रयागराज में किराये के कमरे लेकर रहती हैं। खास बात यह कि स्पा सेंटरों में वह फर्जी नाम से काम करती हैं जबकि इनके असली नाम कुछ और हैं। अफसरों ने बताया कि वह यहां कैसे पहुंचीं, विस्तृत पूछताछ के बाद ही पता चलेगा।

पुलिस की नाक के नीचे कैसे चल रहा था खेल?

पूरे मामले में स्थानीय पुलिस पर भी सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह है कि पुलिस की नाक के नीचे स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे खेल की भनक कैसे नहीं लगी। मॉल रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित है। 500 मीटर की दूरी पर दो पुलिस चौकियां व एक किमी की दूरी पर थाना स्थित है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि पुलिस को इसकी जानकारी कैसे नहीं हो पाई।

कौन है अतीक का करीबी समीर?

जिस ट्वीट पर पुलिस के एक्शन में आने के बाद इस पूरे खेल का भंडाफोड़ हुआ, उसमें लिखा एक नाम भी इस पूरे प्रकरण में बड़ा रहस्य है। दरअसल ट्वीट में यह भी आरोप लगाया गया कि सिविल लाइंस में अलग-अलग स्पा सेंटरों की आड़ में अनैतिक कार्य के धंधे का सरगना समीर है जो माफिया अतीक अहमद का करीबी रहा है। सवाल यह है कि आखिर यह समीर कौन है, क्या इसका वाकई अतीक से कोई संबंध है और अगर ऐसा है तो वह कैसे बेख़ौफ होकर इस धंधे को संचालित कर रहा था।

इंडिगो की फ्लाइट का बीच आसमान फेल हुआ इंजन कोलकाता एयरपोर्ट पर कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)। देश की मशहूर एयरलाइन कंपनी इंडिगो की एक फ्लाइट का अचानक आसमान में इंजन फेल हो जाने की वजह से बीती रात कोलकाता एयरपोर्ट पर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कोलकाता एयर कंट्रोल को जब एयर लाइन के इंजन फेल होने की सूचना मिली तो आपातकालीन सेवाओं को तुरंत एक्शन के लिए तैनात कर दिया गया। इंडिगो का ये विमान बेंगलुरु जा रहा था, लेकिन बीच हवा में इंजन फेल हो जाने के बाद शुक्रवार रात कोलकाता हवाई अड्डे के रनवे पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, विमान में 173 यात्री और क्रू मेंबर सवार था, सभी को सुरक्षित विमान से बाहर निकाल लिया गया था. बताया जा रहा है कि विमान में एक यात्री ने इंजन में आग लगने का दावा किया, लेकिन एयरलाइन या हवाई अड्डे के अधिकारियों की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई. रिपोर्ट के अनुसार, नीलांजन दास नाम के एक यात्री ने बताया कि उड़ान भरने के तुरंत बाद, उन्होंने एक असामान्य आवाज सुनी और विमान के वापस कोलकाता की ओर मुड़ने से पहले एक इंजन से आग की लपटें निकलती देखीं. दूसरी ओर हवाईअड्डे के एक अधिकारी के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6E 0573 के पायलट ने उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद आपातकालीन इंजन विफलता की सूचना दी, जिसके बाद रात 10:39 बजे पूर्ण आपातकालीन घोषणा की गई. रनवे का तुरंत खाली कराया गया और विमान के इमरजेंसी लैंडिंग के लिए उसे तैयार किया गया, जिससे विमान को किसी भी दिशा से उतरने की अनुमति मिल सके. शुक्रवार रात 11:05 बजे विमान को एक एक्टिव इंजन के सहारे सुरक्षित लैंड कराया गया. एक अधिकारी ने कहा, बीच हवा में इंजन फेल होना एक खतरनाक स्थिति है,

भाजपा बोली- एनसीपी को महायुति छोड़ देना चाहिए

अजित पवार का जवाब- हम पीएम और शाह से बात करते हैं, बाकी से लेना-देना नहीं

नागपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव पहले महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, एनसीपी) के नेता एक दूसरे के खिलाफ बयान दे रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता गणेश हेक ने कहा था कि एनसीपी को महायुति छोड़ देना चाहिए। इस पर शनिवार सुबह डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा- मुझे ऐसे कार्यकर्ताओं की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। हम पीएम मोदी, अमित शाह और फडणवीस से बात करते हैं। इसके अलावा 29 अगस्त को महाराष्ट्र स्वास्थ्य मंत्री और शिवसेना नेता तानाजी सावंत ने कहा था कि मुझे कैबिनेट में अजित के बगल में बैठने से उल्टी आती है। एनसीपी के साथ हमारी कभी नहीं बनी। इसके जवाब में अजित पवार ने कहा- कोई मेरी आलोचना करता है तो करता रहे। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ काम पर ध्यान देता हूं और काम करने पर विश्वास करता हूं।

एनसीपी अजित गुट के नेता बोले- महायुति में या तो तानाजी रहेंगे या एनसीपी

एनसीपी के प्रवक्ता उमेश पाटिल ने तानाजी सावंत के बर्खास्त किए जाने की मांग की थी। उन्होंने कहा- महायुति के मंत्रिमंडल में या तो तानाजी बने रहें या एनसीपी । अगर तानाजी को बर्खास्त नहीं किया जाता है, तो हमें महायुति मंत्रिमंडल से हट जाना चाहिए। पाटिल ने कहा- सावंत को बर्खास्त किए जाने तक अजित पवार को किसी भी कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं होना चाहिए। हमारे मंत्रियों को भी सावंत को बर्खास्त किए जाने तक कैबिनेट बैठकों का बहिष्कार करना चाहिए। हम सावंत की माफी या उनके बयान को स्वीकार नहीं करेंगे।

नवंबर 2024 को सरकार का कार्यकाल खत्म होगा

महाराष्ट्र में इस वक्त बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) की सरकार है। इसका कार्यकाल नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। अक्टूबर 2024 में चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 2019 में चुनाव हुए थे। बीजेपी 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी।

मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और बीजेपी गठबंधन में बात नहीं बन पाई। 56 विधायकों वाली शिवसेना ने 44 विधायकों वाली कांग्रेस और 53 विधायकों वाली एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी बनाकर सरकार बनाई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने।

मई 2022 महाराष्ट्र सरकार में नगर विकास मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 39 विधायकों के साथ बगावत कर दी। वह बीजेपी के साथ मिल गए। 30 जून 2022 को एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

इसके साथ ही शिवसेना पार्टी दो गुटों में बंट गई। एक धड़ा शिंदे गुट और दूसरा उद्धव गुट का बना। 17 फरवरी, 2023 को चुनाव आयोग ने आदेश दिया कि पार्टी का नाम 'शिवसेना' और पार्टी का चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर' एकनाथ शिंदे गुट के पास रहेगा।

बड़वानी में पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई तीन ट्रकों से 110 मवेशी बरामद, 11 तस्कर गिरफ्तार

बड़वानी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मवेशी तस्करों का मंसूबा नाकाम हो गया। बड़वानी पुलिस ने पशुओं से भरे 6 मिनी ट्रक को जब्त किया है। मवेशी तस्करी के लिए महाराष्ट्र ले जाये जा रहे थे। जांच के दौरान 110 मवेशी मिनी ट्रकों पर ट्रकों पर ठूंस ठूंसकर भरे हुए पाये गये। पुलिस ने 11 तस्करों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोद ने बताया कि थाना नागलवाडी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वाहनों पर वध के लिए सेंधवा की तरफ से महाराष्ट्र मवेशियों को ले जाया जा रहा है। पुलिस ने सूचना के आधार पर नाकेबंदी कर दी।

मुखबिर से मिली जानकारी के बाद लोकेशन पर पुलिस की टीम को भेजा गया। संदेह के आधार पर वाहन एमपी 09 जीजी 6655, एमएच 18 बीजी 8936, एमएच 18 बीजेड 8884, एमएच 18 बीजी 2625, एमएच 18 बीजी 6772, एमएच 18 बीजी 9812 की तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान वाहनों में 110 पशु पाए गए। एसपी ने बताया कि पकड़े गए लोग पूछताछ के दौरान मवेशियों की संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने मवेशियों से भरे तीन ट्रक समेत 93 लाख रुपये का माल भी जब्त कर लिया।

गुजरात में मिड-डे मील के नए मेनू पर भड़की कांग्रेस 'सरकार के इस फैसले से बच्चों में बढ़ेगा कुपोषण'

सूरत, 31 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात की बीजेपी सरकार ने सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों के लिए मिड-डे मील योजना में बदलाव किया है। सरकार ने मिड-डे मील का नया मेनू जारी किया है, जिसके अनुसार अब बच्चों को सिर्फ दिन में एक बार भोजन दिया जाएगा। वहीं इस मेनू की आलोचना करते हुए कांग्रेस ने कहा कि छात्रों को अब शाम को नाश्ता नहीं दिया जाएगा। इससे छात्रों में कुपोषण बढ़ सकता है। हालांकि, राज्य सरकार के अधिकारियों ने नए मेनू को लेकर दावा किया कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम-पोषण) योजना के तहत परोसे जाने वाले भोजन की मात्रा में कोई कमी नहीं की गई है।

बता दें राज्य शिक्षा विभाग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड की गई नई अधिसूचना में छात्रों के लिए एक नए और अपडेट मेनू की घोषणा की है, जिसका सितंबर से सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों को पालन करना होगा। इस नए मेनू में हर दिन के भोजन में सब्जी पुलाव और पकी हुई दालें शामिल हैं। हालांकि, अभी स्कूलों में दिन में दो बार बच्चों को भोजन दिया जाता है, लेकिन नए मेनू में सिर्फ एक बार के भोजन का जिक्र किया गया है। इस नए नोटिफिकेशन के अनुसार, सरकार ने मेनू से स्नैक्स को हटा दिया है। ऐसे में अब बच्चों को सिर्फ एक बार भोजन मिलेगा।

कांग्रेस ने बोला सरकार पर हमला

गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि इससे लाखों छात्र गुणवत्तापूर्ण भोजन पाने से वंचित होंगे। सरकार का यह फैसला केवल बच्चों में कुपोषण को बढ़ाएगा। सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। वहीं गुजरात मिड-डे मील योजना के संयुक्त आयुक्त केएन चावड़ा ने कहा कि नए मेनू के अनुसार छात्रों को दिए जाने वाले भोजन की कुल मात्रा में कोई कमी नहीं की गई है। अब तक छात्रों को इस योजना के तहत दोपहर 2 बजे भोजन और शाम 4 बजे नाश्ता मिलता था।

अगर हम भोजन में सब्जी पुलाव परोसते हैं, तो हम नाश्ते के रूप में शाम 4 बजे लगभग 20 ग्राम चना देते हैं। अब योजना के बेहतर कार्यान्वयन के लिए हम ये दोनों चीजें दोपहर दो बजे देंगे।

शातिर गिरोह का खुलासाः एआई सॉफ्टवेयर से कमाई का झांसा देकर 500 लोगों से ठगी, फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नोएडा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित शेयर ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर से मोटी कमाई का झांसा देकर 500 से ज्यादा लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। आरोपी दो माह से सेक्टर-63 में फर्जी कॉल सेंटर खोलकर वारदात कर रहे थे। कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने दिल्ली निवासी एकता समेत सेक्टर-72 निवासी अमर सिंह, सर्फाबाद निवासी पुरुषोत्तम, खोड़ा निवासी प्रमोद और मोरना निवासी दीपक कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं कॉल सेंटर के दो निदेशक रोबिन चंदेल व रूपाली अग्रवाल समेत वीआर शरण, शिवम अग्रवाल और प्रेरणा मौर्या फरार हैं। पुलिस ने मौके से 33 लैपटॉप, 23 कीपैड मोबाइल, 11 फोन समेत अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा मामले में पीएम मोदी ने मांगी माफी तो संजय राउत बोले

राजनीतिक माफी से शिवाजी के अपमान की भरपाई नहीं होगी

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की घटना पर माफी मांगी है। इस पर शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने राजनीतिक माफी मांगी है। माफी मांगने से शिवाजी के अपमान की भरपाई नहीं होगी। पुलवामा हमले के लिए भी पीएम मोदी को माफी मांगनी चाहिए। संजय राउत ने कहा, "माफी मांगो छूट जाएंगे। यही है उनका फलसफा। अगर सच्चे मन से पीएम माफी मांगते हैं तो 5 साल पहले 40 जवानों की हत्या हुई थी। देश दुखी हुआ था तो उस वक्त देश से माफी मांगनी चाहिए थी। आपकी नाकामी से यह घटना हुई। जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से घटनाएं हुई हैं। कश्मीरी पंडितों की घर वापसी का वादा पूरा नहीं हुआ है। आपने इतना झूठ बोला है तो आपको हर दिन माफी मांगनी होगी। यह महाराष्ट्र है और यह किसी को माफ नहीं करता।" संजय राउत ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को मुंबई की जनता ने काला झंडा दिखाकर स्वागत किया। बता दें कि सिंधुदुर्ग की घटना के बाद पीएम मोदी ने कहा था, "मैं आज सर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं। हालांकि शिवसेना नेत्री प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह स्टैच्यू पीएम मोदी के प्रचार के लिए बनाया गया था।

यह चुनाव को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था। यह माफी केवल राजनीतिक हताशा का एक कृत्य है। वहीं, कांग्रेस की ओर कहा गया कि पीएम मोदी सशर्त माफी मांग रहे हैं जबकि उन्हें जवाबदेही तय करनी होगी। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, "सीएम नेवी को सवालों के कटघरे में खड़ा कर रहे हैं तो राजनाथ सिंह को जवाबदेही तय करनी चाहिए।" पृथ्वीराज चव्हाण ने यह भी आरोप लगाया कि कॉन्ट्रैक्ट देने में भाई-भतीजावाद हुई है। सीएम शिंदे के करीबी को प्रतिमा बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था।

ठीक से न लिख पाने पर शिक्षिका ने छात्रा को स्केल से जमकर पीटा, मामला दर्ज

ठाणे, 31 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में ट्यूशन पढ़ने वाली शिक्षिका ने छह वर्षीय एक छात्रा के ठीक से नहीं लिख पाने पर कथित तौर से 'स्केल' से उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे सागांव गांव में हुई। मानपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, "शिक्षिका सारिका घाग ने बच्ची को ठीक से पढ़ाई नहीं करने और अच्छी तरह से लिख नहीं पाने के कारण 'स्केल' से पीटा और उसके कानों पर भी मारा। घर लौटने पर बच्ची ने अपनी मां से शिक्षिका की शिकायत की। इसके बाद उसके माता-पिता ने पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई।" शिक्षका के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118(1) (खतरनाक हथियारों या साधनों से जानबूझकर चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना) और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएम के खिलाफ फैसला सुनाने पर कांग्रेस का राज्यपाल पर भड़का गुस्सा, 'राजभवन चलो' अभियान चलाया

बेंगलूरु, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी। इसके खिलाफ पूरे राज्य में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। आज सत्ता में मौजूद मंत्रियों ने मुदा मामले में राज्यपाल के फैसले के विरोध में 'राजभवन चलो' अभियान चलाया।

कौन-कौन रहा मौजूद?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्य मंत्रिमंडल के अन्य मंत्रियों के साथ-साथ कांग्रेस विधायकों ने राजभवन चलो में भाग लिया। कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन 'राजभवन चलो' पर गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा, 'आज हम कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ मामला चलाए जाने की अनुमति देने का विरोध कर रहे हैं। उनके सामने अन्य मामले भी हैं, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। हमारी मांग है कि राज्यपाल उन पर विचार क्यों नहीं कर रहे हैं और उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों नहीं दे रहे हैं।

केवल सिद्धारमैया के खिलाफ ही फैसला क्यों लिया गया?: खरगे

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा, 'हम बस यही पूछ रहे हैं कि केवल सिद्धारमैया के खिलाफ ही फैसला क्यों लिया गया? सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की इतनी जल्दबाजी क्यों है। सिद्धारमैया के मामले में मुकदमा चलाने के लिए किसने कहा? एक आरटीआई कार्यकर्ता ने? क्या जांच पूरी हो गई है? क्या किसी अन्य एजेंसी द्वारा इसका समर्थन किया गया है? नहीं। लेकिन कुमारस्वामी, जनार्दन रेड्डी के मामले में जांच एजेंसियों ने अभियोजन के लिए कहा है। मगर इन मामलों की फाइलें राज्यपाल के पास सड़ रही हैं। राज्यपाल इन 4-5 लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने या जारी करने में दिलचस्पी क्यों नहीं ले रहे हैं?

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, 'हम उनसे निष्पक्ष होने की मांग कर रहे हैं। यह (एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ मामला) एक ऐसा मामला है, जहां पूरी जांच हो चुकी है। इसलिए, अभियोजन को मंजूरी दें और संविधान के अनुसार कानूनी रूप से कार्रवाई करें। उन्हें यह करना होगा। हालांकि बहुत दबाव हो सकता है, लेकिन हमें विश्वास है कि कुछ अच्छी समझ उन पर हावी होगी।'

यह है पूरा मामला

दरअसल, कर्नाटक में मुदा जमीन आवंटन घोटाले में सीएम सिद्धारमैया को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उनके खिलाफ जांच शुरू करने और मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। राज्यपाल के आदेश को सीएम सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट को 29 अगस्त को मामले पर सुनवाई करनी है। गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा था कि हमने राज्यपाल के आचरण के संबंध में कुछ निर्णय लिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने राज्य में पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है। इसके बाद एक साथ सभी विधायक और सांसद राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे।

भारत के जेएमआई ने विकसित किया एआई ओरल कैंसर डेटाबेस, ऐसा करने वाला दुनिया पहला देश

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के मल्टीडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड स्टडीज (एमसीएआरएस) की शोध टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल पैथोलॉजी के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है. दरअसल, जेएमआई-एमसीएआरएस की पीएचडी छात्रा निशा चौधरी ने एआई संचालित ओरल कैंसर डेटाबेस तैयार किया है. इसकी मदद से ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस (ओएसएमएफ) और ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) के निदान की सटीकता एवं दक्षता को बढ़ाने में मदद मिलेगी. डॉ. तनवीर अहमद के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्रा निशा चौधरी के इस स्टडी को प्रतिष्ठित नेचर पब्लिशिंग ग्रुप के अंतर्गत साइंटिफिक डेटा में प्रकाशित किया जाएगा.

मध्य प्रदेश से राजस्थान तक बनेगा चीता कॉरिडोर एमपी और राजस्थान सरकार की संयुक्त घोषणा

श्योपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से लेकर राजस्थान तक चीता कॉरिडोर बनने जा रहा है। इसे लेकर दोनों सरकारों के बीच सैद्धांतिक सहमति बन गई है। जल्द अनुबंध भी हो जाएगा। बारिश के बाद कुछ चीतों को खुले में छोड़े जाने की प्लानिंग की जा रही है। अक्सर कूनो के चीता से राजस्थान बॉर्डर में प्रवेश कर जाते हैं। इस कॉरिडोर के निर्माण से चीतों की सुरक्षा के साथ टेरिटरी का दायरा भी बढ़ेगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कूनो नेशनल पार्क से राजस्थान के हाड़ौती संभाग के जंगलों को टाइगर रिजर्व को जोड़ने के लिए कॉरिडोर की घोषणा की है। ऐसे में प्रदेश के जंगलों में और यहां के टाइगर रिजर्व में बाघों के साथ-साथ यहां पर आने वाले समय में चीते भी देखे जाएंगे। कई बार एमपी के चीता और राजस्थान के बाघ एक दूसरे के राज्यों में पहुंच चुके हैं आपको बता दें, मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में भारत सरकार ने चीते बसाए थे, जो पिछले 6 महीने में राजस्थान के बारां जिले के केलवाड़ा में अग्नि और करौली जिले की रणकपुर रेंज में चीता ओमान आ गए थे। कई बार राजस्थान के रणथंभौर टाइगर रिजर्व से निकलकर बाग मध्य प्रदेश आ जा चुके हैं। ऐसे में वन्यजीव की सुरक्षा को लेकर एक कॉरिडोर विकसित करना बेहद जरूरी था। भजन सरकार ने प्रदेश के बजट में मध्यप्रदेश के गांधीसागर और राजस्थान के भैंसरोडगढ़, चंबल घड़ियाल को उन्होंने नेशनल पार्क से जोड़ते हुए चीते के विचरण का कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। इस कॉरिडोर में राजस्थान और मध्यप्रदेश के 8 सेंचुरी गांधीसागर, मुकंदरा टाइगर रिजर्व, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व, रणथंभौर टाइगर रिजर्व, भैंसरोडगढ़ सेंचुरी, चंबल घड़ियाल सेंचुरी, शेरगढ़ सेंचुरी, कूनो नेशनल पार्क को आपस में कनेक्ट किया जाएगा।

धार्मिक बिरादरी से जुड़े लोग ही करें मंदिर का प्रबंधन बाहरी करेंगे तो लोगों की आस्था घटेगीः हाईकोर्ट

प्रयागराज, 31 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंदिरों से जुड़े मुकदमों के काफी समय से लंबित रहने पर दुख जताते हुए कहा है कि अधिवक्ताओं और जिला प्रशासन से जुड़े लोगों को मंदिरों के प्रबंधन और नियंत्रण से दूर रखा जाना चाहिए। अदालत ने यह टिप्पणी मथुरा के एक मंदिर से जुड़े विवाद में एक 'रिसीवर' की नियुक्ति के संबंध में अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत को बताया गया कि मथुरा में मंदिरों से जुड़े 197 दीवानी मुकदमे लंबित हैं। मथुरा जिले के देवेंद्र कुमार शर्मा और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर अवमानना याचिका का निपटारा करते हुए न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने कहा, "यदि मंदिरों और धर्मार्थ ट्रस्ट का प्रबंधन और संचालन धार्मिक बिरादरी से जुड़े लोगों द्वारा न करके बाहरी लोगों द्वारा किया जाता है, तो लोगों की आस्था घटेगी। इस तरह के कार्यों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए।" अदालत ने कहा, "अब समय आ गया है कि इन सभी मंदिरों को मथुरा में वकालत कर रहे अधिवक्ताओं के चंगुल से मुक्त किया जाए और अदालतों को यदि आवश्यक हो, तभी 'रिसीवर' नियुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। नियुक्त किया जाने वाला 'रिसीवर' मंदिर के प्रबंधन से जुड़ा होना चाहिए और उसका देवता के प्रति कुछ झुकाव होना चाहिए।" उच्च न्यायालय ने कहा, "अमुक 'रिसीवर' को वेदों और शास्त्रों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। अधिवक्ताओं और जिला प्रशासन से जुड़े लोगों को इन प्राचीन मंदिरों के प्रबंधन और संचालन से दूर रखा जाना चाहिए। मंदिर से जुड़े इस मुकदमे को जितना जल्द हो सके, निपटाने का प्रयास होना चाहिए। मामले को दशकों तक लटकाकर नहीं रखा जाना चाहिए।" अदालत ने इन मंदिरों के प्रबंधन के लिए मथुरा में वकालत कर रहे अधिवक्ताओं की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था पर भारी नाराजगी जाहिर की और कहा कि इस रुख से अक्सर मुकदमे की प्रक्रिया लंबी खिंचती है।

फिर आने वाला है कोविड! दुनिया में बढ़ते मामलों के बीच भारत को किया गया अलर्ट

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में एक बार फिर कोविड-19 दस्तक देने वाला है, जिसके संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। देश ने 2020-21 तक कोविड महामारी का सामना किया था, जिसके बाद अब एक बार फिर कोविड-19 की आहट सुनाई दे रही है। दरअसल, पूरी दुनिया में अमेरिका से लेकर साउथ कोरिया तक कोविड के केस सामने आने शुरू हो गए हैं। इसी बीच नोएडा में शिव नाडर यूनिवर्सिटी के वायरोलॉजिस्ट प्रोफेसर दीपक सहगल ने बताया है कि भारत में भी एक बार फिर कोविड-19 दाखिल हो सकता है, जिसके लिए अभी से सावधानी बरतनी शुरू कर देनी चाहिए। अमेरिका में कोविड केस की तादाद में इजाफा हो रहा है, यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुमान के मुताबिक,

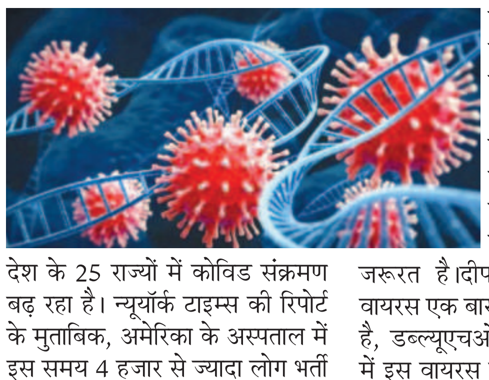

देश के 25 राज्यों में कोविड संक्रमण बढ़ रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के अस्पताल में इस समय 4 हजार से ज्यादा लोग भर्ती हैं। साथ ही साउथ कोरिया में भी बड़ी संख्या में कोविड के केस देखे जा रहे हैं। भारत में फिलहाल कितने एक्टिव केस सामने आए हैं, इस पर डब्ल्यूएचओ ने रिपोर्ट पेश की है, जिसके मुताबिक, भारत में जून से जुलाई के बीच 908 कोविड के मामले सामने आए, साथ ही इस बीच 2 लोगों की मौत भी दर्ज की गई। प्रोफेसर दीपक सहगल ने बताया, भारत में हालात अन्य देशों की तरह गंभीर नहीं है, लेकिन हमें कोविड-19 के कहर के लिए तैयार रहने की जरूरत है।दीपक सहगल ने कहा, वायरस एक बार फिर से सामने आ रहा है, डब्ल्यूएचओ ने बताया कि दुनिया में इस वायरस से लगभग 26 प्रतिशत मौतें हुई हैं और 11 प्रतिशत की कोविड केस में बढ़ोतरी हुई। इस बार जिस कोविड का कहर सामने आया है वो केपी वेरिएंट से संचालित होता है – जो ओमिक्रॉन से संबंधित है। जनवरी में ओमिक्रॉन पहली बार विश्व स्तर पर पहचाना गया। भारत में, केपी2 का पहली बार दिसंबर 2023 में ओडिशा में पता चला था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड से पता चला कि भारत के कई राज्यों में 279 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं, साथ ही कोविड मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। असम, नई दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कोविड संक्रमण में इजाफा देखा जा रहा है। हालांकि, कोविड के एक बार फिर दस्तक देने के बाद भी हालात सामान्य है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने जुलाई में संसद में बताया कि देश में हालात सामान्य है और अभी अस्पताल में कोविड केस की बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। सहगल ने कहा, "सरकार ने निगरानी बढ़ा दी है। साथ ही देश में आबादी के हिसाब से उचित मात्रा में कोविड-19 के टीके भी मौजूद हैं। सहगल ने कहा, बूस्टर वैक्सीन की खुराक इसमें मदद करेगी।

महिला निशानेबाज़ी की सरताज : मनु भाकर

अतुल कुमार

ओलंपिक खेलों में महिला शूटिंग में छाये सन्नाटे को पेरिस ओलंपिक 24 में मनु भाकर ने तोडा .बीते कुछ सालों से इन खेलों में पदक जीतने का उनका सपना पूरा हुआ. टोक्यो ओलंपिक में किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया.

खेल के दौरान अचानक पिस्टल खराब होने के कारण मायूसी का सामना करना पडा. उन बेचैन लम्हों को भुला नहीं पायी और लौट कर दुगने उत्साह से प्रैक्टिस में जुट गयीं. एकाग्रचित्त हो पूरा ध्यान खेल को मांझने में लगाया.कडे अभ्यास के परिणाम के डिविडेंट के रूप में इस बार उनको छप्पर फाड सफलता मिली . पेरिस ओलंपिक में भारत के लिये पहला कांस्य पदक जीत इतिहास लिखा. सरबजीत सिंह के साथ मिक्स टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन कर सुनहरा इतिहास लिखा.

इस जीत की बदौलत ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली महिला निशाने बाज़ बनीं. इसी साल फरवरी में वर्लड कप शूटिंग के लिये स्पेन में पिस्टल शूटर ने कांस्य पदक जीता खेल और लाइफ कभी एक से नहीं रहते उसमें उतार चढाव आते हैं. उतार आता है तो अपने से कहतीं चलो छोडो नेक्स्ट में बेहतर करो. मनु भाकर के अनुसार खेल स्थिरता की मांग रखता है अपने खेल जीवन के सबसे बुरे समय में एक ऐसे व्यक्ति से इंस्पिरेशन पायी जो कभी भी स्थिर नहीं रहा .वह दौडा और इतना तेज़ दौडा कि आज तक कोई भी उसे दौड में पकड नहीं पाया उसका नाम है उसैन बोल्ट . मनु ने जब इस स्टार धावक की आत्म कथा पढी तो एहसास हुआ कि ओलंपिक पोडियम तक पहुंचने के पहले एक एथलीट को किन परेशानियों से गुज़रना पडता है.

मनु भाकर ने देखा हर एथलीट के लिये कुछ चीज़ें समान होती हैं मैं स्थिर रहती हूं वह स्पीड में रहते हैं खेल अलग अलग होते हैं लेकिन सफर एक जैसे होते हैं .इससे निशानेबाज़ की उम्मीद जगी और प्रेरित हो पेरिस ओलंपिक को अलग नज़रिये से देखा .सन 2018 में कामन वेल्थ गेम्स में महिलाओं के लिये 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता तभी से उनसे बहुत आगे जाने की उम्मीदें जगीं.

एशियाई खेलों में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में ईशा सिंह और रिद्म सांगवान के साथ मिल कर भारत के लिये गोल्ड मेडल जीता .एक उद्धरण के अनुसार “ मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे “ मनु भाकर ने अपने खेल प्रदर्शन से यही किया और पेरिस ओलंपिक में इसे सार्थक कर दिखाया . उ न की सक्सेस स्टोरी भी बडी दिलचस्प है श्रीमदभगवत गीता को पढने वाली इस खिलाडी के अनुसार जब वह पेरिस ओलंपिक में खेल रही थीं तब उनके दिमाग और मन में भगवत गीता चल रही थी जिससे शक्ति तथा प्रेरणा मिली . विशेष कर उसकी यह पंक्ति “ कर्मण्ये वाधिका रस्ते मा फलेषु कदाचन / मा कर्मफल हेतु भूर्मा ते संगोक्स्तव्कर्मिणी // अर्थात तुम्हारा काम केवल कर्म ही करना है कर्मों के फल पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं “ अत; तुम निरंतर फल पर मनन मत करो बस अपने कर्म पर ध्यान दो “ पेरिस में मेडल जीतने के बाद इस श्लोक का उल्लेख किया.

विश्व की 75 से अधिक भाषाओं में श्रीमद भगवत गीता का अनुवाद हो चुका है जिसे दुनिया के कई नामी लोग इसको पढ मनचाही सफलता व उंचाइयों को पा चुके है. यह ग्रंथ अपने कर्म और लक्ष्य पर फोकस करना सिखाता है . मनु भाकर ने इसे अपनी आदर्श प्रेरणा माना. युवा वस्था में ही शूटिंग स्टार बन गयीं.

शुरुआती दिनों में टेनिस, स्केटिंग़, और मुक्केबाज़ी में भाग लिया . 14 साल की उम्र में शूटिंग में अपना कैरीयर बनाने का फैसला किया और अपने पिता से शूटिंग पिस्टल ला कर देने की ज़िद करने लगीं इस ज़िद को पिता राम किशन भाकर ने पूरा किया और लगातार इसके अभ्यास में जुट गयीं .पिस्टल खरीदने के बाद एक ही सपना देखा कि कैसे देश की नंबर एक शूटर बनना है .नियमित ट्रेनिंग के दौरान बार बार पिस्टल के झटकों से हाथ छिल गये. कुछ दिनों की छुट्टी ली. इस दौरान भरत नाट्यम , वायलिन , स्केटिंग और घुड सवारी इयादि को चुन उनका अभ्यास किया.

जानकारों के अनुसार यह छुट्टी नहीं होगी अपनी नियमित प्रैक्टिस को जारी रखेंगी भरत नाट्यम की कक्षाओं में बडी रुचि पूर्वक भाग लेती हैं. सुबह जल्दी उठ योग करती हैं चोटिल हाथों को ठीक करने के लिये ध्यान भी देती हैं. 22 साला इस युवा विजेता ने अपने इरादों और हौंसलों के बूते गोल्डन सक्सेस को हासिल किया . किसी शायर ने खूब कहा “जो मंज़िलों को पाने की चाहत रखते हैं. वो समंदरों पर भी पत्थरों के पुल बना देते हैं. मधु भाकर ने यही किया और महिला खेलों की माइल स्टोन बनीं. उनके कोच जसपाल राणा के अनुसार इस जीत से वह रोमांचित हैं. मनु ने इस बडी जीत को हासिल कर इतिहास लिखा जिससे देश गौरान्वित हुआ.

मधु का जन्म हरियाणा के झज्जर ज़िले के गोरिया गांव के ग्रामीण परिवार में 18 फरवरी 2002 को हुआ इनके पिता मरीन इंजीनीयर और मां स्कूल में प्रिंसिपल हैं .

पिता ने ट्रेनिंग सेंटर तक मधु को लाने ले जाने के लिये अपनी नौकरी छोड डी. सन 2017 में केरल में नैशनल चैंपियन शिप में 9 स्वर्ण पदक जीत कर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया .कहा कि “ विफलता के बाद सफलता का स्वाद मिलता है खेलों की यही खूबसूरती है लेकिन ऐसा तभी होगा जब आप लगातार कडी मेहनत करना जारी रखेंगे . बडे सपने और कडी मेहनत के कांबिनेशन से ही ज़िंदगी में सक्सेस मिलती है . यह फार्मूला जीवन के सभी क्षेत्रों पर लागू होता है. मनु के अनुसार बडे सपने देखेंगे तभी आपका मनोबल और उत्साह बढेगा. वर्ना कैसे! .अपनी सफलता का सारा श्रेय माता पिता को देते हुए कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूं उन्हीं की वजह से हूं क्यों कि उन्होंने मुझे वैसा बनाया माता पिता के समर्थन के बिना एक बच्चा बहुत कुछ नहीं कर सकता .इसलिये उनकी सलाह को मानो आपकी अभिलाषा में पेरेंट्स साथ होंगे तो आधी जीत वहीं मिल जाती है.

क्रिकेट के जुनून में जब अन्य खेलों को महत्व नहीं मिल रहा हो तब सारी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अपने प्रयासों से ओलंपिक खेलों में पदकों को जीत मनु भाकर युवा आइकान बन गयी हैं .रचनाकारों चित्रकारों और फिल्म कारों आदि के लिये यह स्ट्रांग मोटिवेशनल सबजेक्ट है जिसने महिला खेलों की दुनिया में नयी ज़मीन को तोड स्वर्णिम इतिहास लिखा. इसलिये उनको निशानेबाज़ी की सरताज कह सकते हैं .

काव्य कुंज

बर्बर युग की ओर लौटता इंसान

इंसान अब दो पाया नहीं
चौपाया जानवर सा हो गया है।
बुद्धि नहीं केवल और केवल
ताकत,बल और हुकूमत
के दम पर बर्बर हिंसक हो गया है।
कहीं बारूद की गंध
कहीं गोलियों कीआवाज,
कहीं बम के धमाके
हर तरफ केवल जंग ही जंग।
अबोध बच्चों का क्रंदन
अबला स्त्रियों का रुदन
चीत्कार करता मानव मन
हर तरफ दमन ही दमन।
हर तरफ बर्बादी, हर तरफ विनाश
युद्ध की धधकती ज्वाला में
इसराइल,पिलिस्तीन में सिर्फ
बूढ़े,बच्चों,स्त्रियों की हर तरफ लाश ।
साम्राज्य और सत्ता के
मोहपाश में अंधे होते देश
क्या देश और क्या विदेश
मन में लालच का समावेश।
रूस को साम्राज्य चाहिए
अंधी हवस का विकृत मोह पास
विस्तार की अनावश्यक आस
यूक्रेन को दे दिया महाविनाश ।
क्या इंसान अब लौट रहा है
उस अंधे बर्बर युग की तरफ
जहां अमन नहीं, चैन शांति भी नही
कहीं संवेदना की गुंजाइश भी नहीं।
आओ मिलकर शांति का पैगाम लोगों तक पहुंचाएं,
मिलकर जहां शांति से रह पाएं
और सपनों सा सुंदर संसार बनाएं।।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

दानव कौन??

वो दानव जो सुरक्षा कवच दे
स्त्री का सम्मान किया,
छल से लाकर भी उनको,
स्वयं से कोसों दूर किया।
स्त्री रक्षिणी ,स्त्री पालिका,
पुरुष प्रवेश निषेध किया।
वीर, ज्ञानी दानव ने हमेशा
धर्म का अनुपालन किया ।
पत्नी के ही संग हमेशा
वाटिका में प्रवेश किया ।
दानव नहीं देवो सा उसने अपना व्यवहार किया।
दानव समूह के बीच रहकर भी अस्मिता अक्षुण रहा।
मनुजो के देश में आकर मर्यादा कलंकित हुआ।
क्या घर में क्या बाहर क्या शिक्षण- संस्थान,
चील दृष्टि, विकृत मानस के घेरे में
वनिताओं पर चौतरफा वार हुआ ।
आधुनिकता का चोला पहना,
सारे व्यसनो में लिप्त हुआ ।
तन भी गंदा मन भी गंदा, सर्वांगीण कलुषित हुआ ।
कलम पूछती है मेरी,
कौन दनुज है कौन मनुज ??
किसका काम मर्यादित है?
किसका काम घिनौना है ??
किसने सम्मान दिया स्त्रियों को??
किसने उनसे खिलवाड़ किया ??
किसने मानवता को शर्मसार किया ??
कौन दानव के रुप में भी दानव -सा काम किया ??
फिर दानव कौन ??

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

संघर्षमय पथ

संघर्षमय पथ
घर्षणमय अभिमत।
पल पल कलकल,
उथल पुथल शिथिल,
विचलित विकल मन,
व्याकुल अनिश्चित चैन।
ना कहीं कोई ठौर,
ना ही कहीं है स्थिर,
अस्थिर तितर-बितर,
ऊबड़-खाबड़ सफर,
कभी इधर तो कभी उधर,
ना इधर के रहें ना उधर के हुएं,
चलो चलें चंचल बीच अधर रहें।
तकरार नहीं इकरार कर बढ़े कदम,
चलता चल, चलता चल ना हो थम,
परेशानी को भी शान से स्वीकार कर,
दम भरता चल आगे-आगे मिटे सारे ग़म।
गलती तो किसी से होई गई हो,
भुगते तो कहीं कोई और ही हो,
नीति अनीति रीति कुरीति कुछ भी हो,
नियति नियमित अनियमित कुछ भी हो,
जो होना हो जाने-अनजानें में हो न हो,
जो होना हो वह होगा ही ठोकर क्यों न हो,
नेकी के राह पर,आहत हो या राहत ही हो ।

जे गंगाधर 'गंध'
जियागुडा,हैदराबाद

जीवन और जुगनू

तिमिर भरे जीवन वन में
क्रूर पशुओं सी स्थितियां
सोच को कुंद कर जाती हैं
घने कानन में गूंजती
कर्कश उलूकों से लोगों के दुर्विचार
बुझा जाते हैं मन के दीपक को
गहन अंधकार में
चीख पुकार कीटकों के विचारों सी
तोड़ जाती है साहस को
किंतु घोर तिमिर भयावह वन में
आत्मविश्वास को रखती हैं जीवित
टिमटिमाते जुगुनुओं सी
अनुभूतियां और भावनाएं
अल्प प्रकाश ही सही
जुगुनूओं का प्रकाशपुंज
भर देता है जीवनवन में
असीम संतोष और जीवनरस।।

डॉ टी महादेव राव

शिक्षक

सूर्य सा हो प्रदीप्यमान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक
विद्यार्थियों के लिये , सुरक्षित उसका ज्ञान
प्रमाणित कई तत्व की , कसौटी पर विज्ञान
रखते अधरों पर , ज्ञानियों सी दिव्य मुस्कान
धन्य ऐसे शिक्षक जिनमें , यह गुण वर्तमान
हरे सब के गम बन दिनमान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक
अनुभवों की धरा पर , रचते वे इतिहास
स्वानुभूति के अक्षरों से , निखरते सुवास
कर ज्ञान का मंथन , रहते तैयार मंचन को
बिठाते मस्तिष्क में बात कर , हास-परिहास
बिखराये फूलों सा ज्ञान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक
पुस्तकों से रखता जो , ब्रम्हचर्य सा नाता
भक्ति रख भगवान पे , परमानंद है पाता
हैं भगवान हमारे अपने , माता - पिता
यह जीवन सत्य,एक शिक्षक ही है बतलाता
हो बुद्धिमान पर चरित्रवान , वह है शिक्षक
सूर्य सा हो प्रदीप्यमान , वह है शिक्षक
स्वयं के ज्ञानसमुद्र में , जो गोते लगवाता
दर्पण में जो स्वयं मुख , देखने को कहता
अच्छे गुणों की जो , खुली बोली लगवाता
लोगों के लिये सपनों को , फिर दिखलाता
कुर्बानी - आन - बान - शान , वह है शिक्षक
सूर्य सा हो प्रदीप्यमान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक।।

कुमुद बाला,
हैदराबाद

रिश्तों को मोल दो

क्या? तुम्हारी नज़र में
रिश्तों की क़द्र,
यहीं रह गई बाकी.
साथी का मिला साथ,
बाकी सभी रह गए
तुमसे खाली हाथ.
कब ये समझ पाओगे,
कि अभिभावकों को
तुम्हारे ही कारण, नज़रे झुकाना पड़ती होंगी.
उन्हें भी रिश्तों के टूटने का मलाल,
होता ही होगा.
अभी-भी संभल जाओ, अति हुई नहीं हैं,
मति से काम लो कि क्षति हुई नहीं हैं.
देखों डोर हाथ में है, परिवार भी साथ में हैं.
रह जाए ना कसक, परे रखो अकड़ व ठसक.
बस, लबों को खोल दो,
थाम लो सबका हाथ, रिश्तों को ऱमोलऱ दो।।

संजय एम.
तराणेकर

प्रकृति जगा रही है

प्रकृति जगा रही है
हर दिन हमें
प्रातः प्रातः चिड़ियां
चहक चहक कर
उमंग भरे स्वर में
नए गीत गाकर
जगा रही हैं हमें
अंजाने
पेड़ पौधे अपने
पत्तों की आवाज
हमारे कानों तक पहुंचाकर
जगा रही हमें वन उपवन
फूल खिलकर सुगंध व्याप्त कर
जगा रही हैं हमें सरिता की सर सर झरने की
कल कल नाद लहरें अपने तट के
किनारे छूकर जगा रही हैं हमें
अंधेरों को दूर कर सूरज अपने
नव किरणों को अवतरित कर जगा रहे हैं हमें।।

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

वक्त

आज मेरा वक्त खराब है।
साथ नहीं दे रहा ।
इसलिए चुप हूँ ।
तुम बोलते रहना –
दिल दहलाने वाले शब्द,
कुचल देना मेरी हर ख्वाहिश
टूट के बिखर जाने दे ।
टस से मस नहीं करूंगा,
तुम हर टोटका आजमा लेना ।
डांट -डपट कर, या कर दे गाली-गलौच ।
तुझे हक है।
मैं सब सहता रहूँगा ।
तुम ढ़ाती रहना हर वो सितम,
तुझे डरने की जरूरत नहीं ।
डरते वो हैं, जिन्हें खोने का डर हो,
मेरी तरह........... ।
मैं तो तुम्हारा आँगन
छोड़ नहीं जाऊँगा ।
हर पल का हिसाब होगा,
हर घड़ी तुमसे जवाब माँगेगी
बीते पलों का हिसाब माँगेगी ।
तब तुम निशब्द होगी,
आंखों से शब्द बहने लगेंगे ।
आज वक्त तुम्हारा है -तब वक्त मेरा होगा ।

डॉ डी डी देसाई

मनुष्य जीवन में शिक्षक जरूरी

मनुष्य जीवन में शिक्षक जरूरी
अन्यथा जीवन यात्रा न हो सके पूरी,
शिक्षक मां,बहन हो या हो छोटा,बड़ा भाई
पिता , मित्र या हो पुस्तक विद्या दाई,
शिक्षक का कहा माने ,बिन सोच विचार
शिक्षक का चुनाव हो, सत्य का आधार ,
एक लक्ष्य साधकर भी जाने गुरु महिमा
एकलव्य जैसा शिष्य,अभ्यास का दौना,
गुरु दक्षिणा में सर्वस्व लुटाने को तैयार
उनका होता असल में,स्वयं से साक्षात्कार,
प्रथम गुरु मां होती ,न कोई कर सके इंकार
ममता आँचल सिखाए , प्रेम बेशुमार,
पिता शिक्षा से जीवन खिलता जाए
विद्यालय शिक्षक,जीवन योग्य बनाए,
मित्र मित्रताई भी,जाने अनजाने सीख सिखाए
कृष्ण - सुदामा दोस्ती से समभाव आ जाए,
जीवन साथी आने से नया पाठ समझ आए
धैर्य त्याग भावना , वैवाहिक जीवन सिखाए,
जन्म से मृत्यू तक,शिक्षक प्रशिक्षण जरुरी
अन्यथा जीवन यात्रा हो न सके पूरी ।
मनुष्य जीवन में शिक्षक जरूरी ।।

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

सपने

सपने तो काँच से भी नाजुक होते
टूट जाते बिखर जाते तो
दिल टूट सा जाता कुछ ही पलो मे
सपने देखते दुनिया देखते
पर सच कुछ भी ना होये
सपने तो हसा देते रूला देते
चाहते कभी भी पूरी ना करते
दुनिया भरी पडी है चाहतो से
इन्सान भागता रहता चाहतो के पिछे
सपने है दिल की, आंखो की तस्सली
खुले आंखो से सपने कभी ना देखना
ये तो कभी भी सच नही होते ।।

टी तारासिंह
हैदराबाद

सज़ल

रफ़्ता रफ़्ता उमर बड़ रही है।
अब क्यों जवानी चढ़ रही है।
किसने कहा ज़माना अच्छा है
देश भर में साजिशें गढ़ रही है।
जनता दिल मे सुकूँ पाले हुए है
सरकार तो छाती पे चढ़ रही है।
ज़मीन को बेशक़ साफ़ करवा लो
दिलों मे राजनीति सड़ रही है।
गुनाह करते नेता के चमचे सारे
ये ख़बर रोज़ नज़र मे पड़ रही है।
सज़ा बेक़सूर को मिलती है यहाँ
दौलत गुनाहगार को मिल रही है।
सच्चाई सकते में चुप बैठी है
झूठी खुशी से सर पे चढ़ रही है।
मां बाप जवानी खो चुके हैं।
बच्चों की आदतें बिगड़ रही है।
पित्जा बर्गर चाउमिन चाहिये
जिस्म मे बीमारी पल रही है।
कलियुग नाम से बदनाम है
लोगों की नियत अकड़ रही है।
रेणू नहीं समझेगा ये ज़माना
तू सपने क्यों गढ़ रही है।

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

उज्जवल मुस्कान की झलक

जब विस्मृति छा जाती है,
शाश्वतता नजर कहाँ आती है,
फैलता है जब अँधेरा घना,
आँखें भी धोखा दे जाती हैं।
जिन पथों पर कोई चला नहीं,
अनजानी वही कहलाती है ,
जो साहसों की आभा संग हो तो,
हर पथ गंतव्य तक पहुंचाती है।
प्रश्नों से भय करना क्यों,
वही तो उत्तरों की नदी बहाती है,
जो स्वयं के आरम्भ से मिलो तो,
वो रक्तरंजित चित्त कहाँ दिखाती है।
भय तो मूलतः एक प्रतिच्छाया सी,
जिसे विचारों की अपरिपक्वता बनाती है,
वो अन्तर्निहित ज्ञान की जागृति, संशयों से ऊपर उठाती है।
अवरुद्धता जब जमीं पर आये,
आकाश की विशालता विकल्प बताती है,
निराशाएं जब सूरज को डुबाये,
आशाएं दीपों के मेले लगाती है।
कानों में असत्य की गुनगुनाहट,
अन्धकार की अधीनता से मिलाती है ,
पर मृत शब्दों की गरिमा हीं क्या,
जो सत्य की निःशब्दिता से टकराती है।
आस्था स्वयं में संचित हो तो,
समय नवआयामों के द्वार खुलवाती है ,
एक उज्जवल मुस्कान की झलक,
असंख्य कष्टों की नींव मिटाती है।

मनीषा मंजरी
दरभंगा

उम्र बिना रुके...

भोर जी भर के देखी नहीं, संध्या हो गई
जिंदगी नीली,पीली,
भूरी पत्तियों में उलझ कर रह गई
संभलने का इशारा मिलता रहा,
किनारे कर दिया
झूमता,नाचता, गाता गड्ढों में धस गया
जान कर अनजान वींगा वींगा,राहों में पड़े हैं
उम्र बिना रुके सफर कर रही है
और हम ख्वाहिशें लेकर वहीं खड़े हैं
सारे जहां को मुट्ठी में कैद कर लेना चाहते हैं
पलक झपकते आंचल में समेट लेना चाहते हैं
पौ फटी,नाक सीध में दौड़ते चले जाते हैं
विश्राम का वक्त नहीं,सारी धरा नापते चले जाते हैं
मुंगेरी सपने धवस्त, अंधेरों में फसे हैं
उम्र बिना रुके...
अपने से ऊपर किसी को समझता नहीं है
आगे कुआं पीछे खाई,धैर्य रखता नहीं है
नित्य नई नवेली रेस में शामिल हो जाता है
था तो भिज्ञ लेकिन पगला,
छींके से लटक जाता है
यूं ही चले,समझो तूफानों से घिरे हैं
उम्र बिना रुके...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

बारिश कहां पे रहती हैं

यूं गरजे यूं बरसे बादल
हवा भी ज़ोर से चलती है,
मुझे बता ऐ काले बादल
बारिश कहां पे रहती है?
क्यों पहले तू आता बृगुल बजाता
फिर पिछे से बारिश आती है,
मुझे बता ऐ काले बादल बारिश कहां पे रहती हैं?
बादल घिर आए, गीत की बेला लाएं
आज गगन की सूनी छाती , भावों से भर आई है,
मुझे बता ऐ काले बादल बारिश कहां से आई है।
बिजली की अलकों ने,अंबर के कंधों को घेरा है
मन बरबस यह पूछ उठा है,
मुझे बता ऐ काले बादल
कौन, कहां पर मेरा है?
जब-जब बारिश आती हैनये पत्ते -फूल खिलाती है,
धरणि के आंसू ,सावन के मोती बन बहुराती है
मुझे बता ऐ काले बादल बारिश कहां से आती है?
यूं गीली मिट्टी में भी हम,खेल - कूद मचाते थे
बचपन की वो बारिश की यादें,
आज भी हमें सताती है
मुझे बता ऐ काले बादल
बारिश कहां से आती है?
ये बारिश बनती बादल से ही सो बादल पहले आते हैं,
इन बारिश की बूंदों से ही सबका मन हर्षाते हैं।।

अमृता (मोना)
आसनसोल

मैं कौन हूँ

तुम कौन हो?
फिर से खोजो आपके दिमाग मे
तो फिर तुम कौन हो?
आपसे फिर से पूछना ...
इतने सारे जवाब
आपके मन में आया आप क्या ?
सोचें कि यह हमेशा सही है
लेकिन ... अपने मन की खोज करो
तो फिर तुम कौन हो?
समझना तुम नहीं समझे
आपका शरीर और मन
तुम्हारे साथ मना कर दिया
कुछ मिस समझने की ...
ठीक तुम कौन हो?

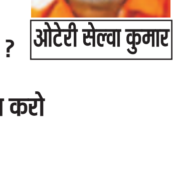

ओटेरी सेल्वा कुमार

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

असम के नये मुस्लिम मैरिज बिल पर बवाल

मौलवी के पास शादी का रजिस्ट्रेशन जरूरी नहीं

29 अगस्त को असम विधानसभा ने 'असम मुस्लिम मैरिज बिल' पारित कर दिया। ये कानून बनते ही असम में मुस्लिमों को मौलवी के पास शादी का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी नहीं होगा। साथ ही नाबालिग से शादी पर 6 महीने की जेल भी हो सकती है। मुस्लिम समुदाय इसका विरोध कर रहा है। क्या है असम का मुस्लिम मैरिज लॉ, क्या ये मुसलमानों के पर्सनल लॉ के खिलाफ है; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

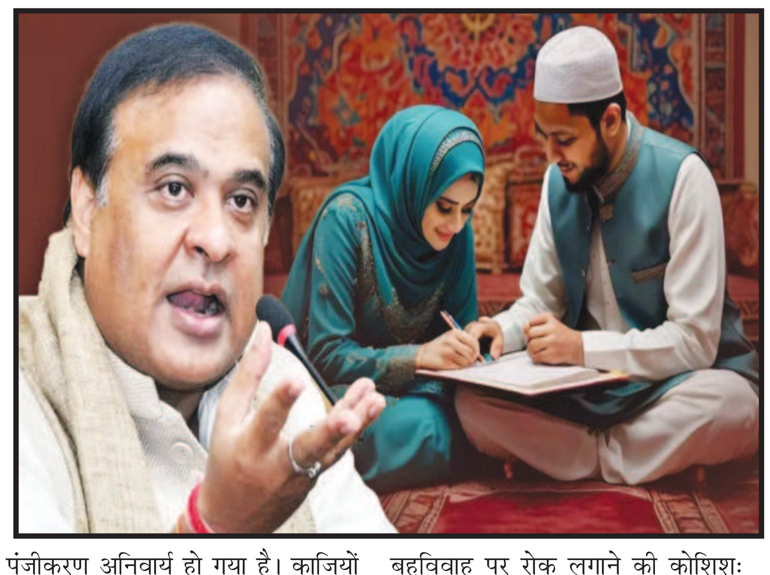

आमतौर पर किसी भी देश में दो तरह के कानून होते हैं। क्रिमिनल कानून और सिविल कानून।

क्रिमिनल कानूनः इसमें चोरी, लूट, मार-पीट, हत्या जैसे आपराधिक मामलों की सुनवाई की जाती है। इसमें सभी धर्मों या समुदायों के लिए एक ही तरह के कोर्ट, प्रोसेस और सजा का प्रावधान होता है। यानी कत्ल हिंदू ने किया है या मुसलमान ने या इस अपराध में जान गंवाने वाला हिंदू था या मुसलमान, इस बात से एफआईआर, सुनवाई और सजा में कोई अंतर नहीं होता।

सिविल कानूनः शादी-ब्याह और संपत्ति से जुड़ा मामला सिविल कानून के अंदर आता है। भारत में अलग-अलग धर्मों में शादी, परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में रीति-रिवाज, संस्कृति और परंपराओं का खास महत्व है। इन्हीं के आधार पर धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग-अलग कानून भी हैं। जैसे- मुस्लिमों में शादी और संपत्ति का बंटवारा मुस्लिम पर्सनल लॉ के जरिए होता है। वहीं, हिंदुओं की शादी हिंदू मैरिज एक्ट के जरिए होती है। इसी तरह ईसाई और सिखों के लिए भी अलग पर्सनल लॉ हैं। असम सरकार ने मुस्लिम मैरिज एक्ट के जरिए शादी ब्याह के सिविल कानून को बदलने की कोशिश की है।

नए कानून के अनुसार मुस्लिमों के विवाह और तलाक का सरकारी तरीके से पंजीकरण अनिवार्य हो गया है। काजियों के जरिए किए गए पुराने रजिस्ट्रेशन वैध रहेंगे। नए विवाह और तलाक का रजिस्ट्रेशन अब नए कानून के अनुसार होगा। असम सरकार ने 5 महीने पहले पुराने कानून को खत्म करने के लिए अध्यादेश जारी किया था, जो नए कानून के बाद रद्द हो गया। इस कानून से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935 पूरी तरह से खत्म हो गया है। सरकार के अनुसार नए कानून से बाल-विवाह और बहुविवाह रोकने में मदद मिलेगी। अंग्रेजों के समय के 89 साल पुराने कानून को रद्द करने से 5 बड़े बदलाव आएंगे..।

सरकारी दफ्तर में रजिस्ट्रेशनः पुराने कानून में काजियों को निकाह के रजिस्ट्रेशन के लिए कानूनी अधिकार दिए गए थे। जिसके अनुसार सरकारी खर्च पर लगभग 95 काजियों की नियुक्ति की गई। अब रजिस्ट्रेशन का काम क्षेत्रीय सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में होगा।

बहुविवाह पर रोक लगाने की कोशिशः पुराने कानून में रजिस्ट्रेशन ऐच्छिक था, जिसे अब जरूरी कर दिया गया है। इससे बहु-विवाह पर रोक लगने के साथ महिलाओं के भरण-पोषण का कानूनी अधिकार सशक्त होगा।

नाबालिग से शादी के रजिस्ट्रेशन पर पाबंदीः पुराने कानून के अनुसार 15 साल से ज्यादा की नाबालिग लड़कियों की शादी का रजिस्ट्रेशन भी हो रहा था। नए कानून से बाल-विवाह और महिलाओं का शोषण रुकने के साथ विधवा महिलाओं को कानूनी अधिकार हासिल होंगे।

अवैध घुसपैठ पर रोकः रजिस्ट्रेशन की एप्लिकेशन 30 दिन पहले देनी होगी और उन दस्तावेजों का वैरिफिकेशन होगा। लड़की या लड़के के पक्ष में से एक का उस जिले में निवास करना जरूरी है, इससे अवैध घुसपैठ पर रोक लगेगी। गलत रजिस्ट्रेशन करने वाले अधिकारी के खिलाफ क्रिमिनल मामला दर्ज होगा।

सभी धर्मों की लड़कियों के लिए समान उम्रः इस कानून से सभी धर्म की महिलाओं की लड़कियों की शादी की उम्र एक समान हो गई है। इसलिए यह कानून समान नागरिक संहिता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा सकता है।

22 अगस्त को असम के रेवेन्यू एंड डिजास्टर मिनिस्टर जोगन मोहन ने बिल विधानसभा में पेश किया था। इसे पेश करते हुए उन्होंने पुराने कानून की इन बातों पर आपत्तियां दर्ज कराई थीं...।

नाबालिगों का रजिस्ट्रेशन संभवः असम मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1935 में 21 साल से कम उम्र के पुरुष और 18 साल से कम उम्र की महिला की शादी का रजिस्ट्रेशन किए जाने की संभावना थी।

मॉनिटरिंग का अभावः पुराने कानून में ऐसा कोई प्रावधान भी नहीं था कि मॉनिटर किया जा सके कि पूरे राज्य में यह कानून लागू हो रहा है या नहीं।

रजिस्ट्रेशनः असम सरकार के मंत्री का कहना है कि इस कानून के तहत शादियों और तलाक का रजिस्ट्रेशन करवाना महज औपचारिक होता था। इसमें नियमों के उल्लंघन की गुंजाइश होती थी।

पुराना कानूनः यह आजादी के पहले का एक्ट है, जिसे तत्कालीन ब्रिटिश इंडिया सरकार ने असम प्रांत के मुस्लिमों के धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए लागू किया था। इसलिए इसमें बदलाव जरूरी है। नए कानून की मुखालफत कर रहे कुछ आलोचकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के अनेक फैसलों और अन्य कानूनों के अनुसार भारत में जन्म, मृत्यु, शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र संघ से जुड़े संगठन यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की कुल बालिका वधुओं में से आधी से ज्यादा 5 देशों में हैं, जिनमें भारत प्रमुख है। इसलिए असम के इस नए प्रगतिशील और संविधान सम्मत कानून का सभी को स्वागत करना चाहिए।

मुस्लिम पक्ष के अनुसार नया कानून बनाने की बजाय पुराने कानून की धारा-8 और 10 में बदलाव से ये मकसद हासिल हो सकता था। उनके अनुसार सभी शादियों का रजिस्ट्रेशन जरूरी करने से लोगों को असुविधा होगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार नाबालिग लड़कियों की शादी हो सकती है, जबकि नए कानून से इस पर रोक लग जाएगी। ऐसे में कई मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन नए कानून को पर्सनल लॉ विरोधी बताकर विरोध कर रहे हैं। उनके अनुसार नए कानून में स्पेशल मैरिज एक्ट के अनेक प्रावधानों को शामिल किया गया है। स्पेशल मैरिज एक्ट दो अलग-अलग धर्मों के लोगों की शादी के लिए बनाया गया था। ऐसे में इसे मुस्लिम समुदाय की शादी-ब्याह के लिए लागू करना सही नहीं है।

सरकार के अनुसार नए कानून से इस्लामी रीति-रिवाज से होने वाली शादियों में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। नए कानून में एकमात्र शर्त यह है कि इस्लाम द्वारा निषिद्ध शादियों का नए कानून में रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। बाल-विवाह को सही साबित करने के लिए मुस्लिम पर्सनल लॉ की आड़ में संसद द्वारा बनाए गए कानून को तोड़ा नहीं जा सकता। पिछले महीने केरल हाईकोर्ट के अहम फैसले के अनुसार बाल-विवाह उन्मूलन अधिनियम-2006 सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने साल-2006 में सीमा बनाम अश्विनी कुमार मामले में एक अहम फैसला दिया था। उसके अनुसार राज्यों और केन्द्र सरकार को शादी के रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी कानून बनाने थे। इसलिए असम का नया कानून संविधान सम्मत होने के साथ सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुरूप है।

माफी पॉलिटिक्स के मायने

देश में मूर्ति की राजनीति कोई नई बात नहीं। हालांकि महाराष्ट्र में इसके मायने थोड़े अलग हैं। बात कुछ साल पहले की है जब साल 2018 में महाराष्ट्र विधानसभा में छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक का मुद्दा उठा था। कांग्रेस ने अरब सागर में बनाए जाने वाले स्मारक में शिवाजी महाराज की प्रतिमा छोटी करने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल किया। स्मारक को लेकर कुछ और विवाद हुए और मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। वह प्रोजेक्ट अभी अटका है। हालांकि बाद बीते कुछ वर्षों में महाराष्ट्र की राजनीति काफी बदल चुकी है। कुछ दिनों बाद महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और इस चुनाव से पहले सिंधुदुर्ग में शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर जमकर राजनीति देखने को मिल रही है। विपक्ष के सवालों के बीच शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफी मांग ली।

पिछले साल चार दिसंबर को इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। मूर्ति के गिरने के बाद विपक्षी दल खासकर कांग्रेस की ओर से आरोप लगाया गया कि जल्दबाजी में मूर्ति का निर्माण कराया गया ताकि चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसका उद्घाटन किया जा सके। विपक्ष के सवालों के बीच महाराष्ट्र पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि शिवाजी हमारे लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं। शिवाजी हमारे अराध्य देव हैं। सिंधुदुर्ग में जो हुआ, उसके लिए मैं सिर झुकाकर माफी मांगता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2013 में जब बीजेपी ने उन्हें पीएम उम्मीदवार बनाया था तो सबसे पहले उन्होंने रायगढ़ में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर एक भक्त की तरह नई शुरुआत की थी। मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम नहीं हैं, बल्कि वो उनके लिए भगवान हैं।महाराष्ट्र में अब उद्धव ठाकरे और बीजेपी साथ नहीं हैं। आने वाले चुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) आमने-सामने होंगे।

मराठी मानुष के लिए कोई सबसे महत्वपूर्ण है या यूं कहें की बड़ा आइकॉन है तो वो हैं शिवाजी महाराज। महाराष्ट्र में जब तक बाला साहब ठाकरे जैसे नेता थे मराठी मानुष का झुकाव शिवसेना की ओर रहा। अब शिवसेना में भी दो गुट हैं। एक गुट बीजेपी के साथ है। 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद बीजेपी ने इस वोट बैंक में अच्छी खासी सेंध लगाई है। मोदी जैसे नेता का लाभ बीजेपी को महाराष्ट्र में मिला और उसका वोट प्रतिशत भी बढ़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी दोनों को पता है कि कुछ ही दिनों में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव उसके लिए आसान नहीं। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद चुनौती बढ़ी है। शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के बाद जो बवाल मचा है उसे नरेंद्र मोदी ने कहीं न कहीं माफी मांगकर शांत करने की कोशिश की है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना के लिए महाराष्ट्र के लोगों से माफी मांगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक दिन बाद गुरुवार को कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वह इस पराक्रमी शासक के 100 बार पैर छूने और घटना के लिए माफी मांगने में संकोच नहीं करेंगे।

रेवड़ी पॉलिटिक्स कितनी खतरनाक हिमाचल में दिखा ट्रेलर !

मुफ्त की रेवड़ियां कैसे पांव की बेड़ियां बन जाती हैं, इसका उदाहरण है हिमाचल प्रदेश। जब सत्ता में आने का शॉर्ट कट बन जाती हैं रेवड़ी पॉलिटिक्स तो संकट आएगा ही। आज नहीं तो कल। हिमाचल प्रदेश एक चेतावनी है। हिमाचल प्रदेश एक सबक है। अगर गैर-जिम्मेदार तरीके से, चुनावी फसल काटने के मकसद से मुफ्त की रेवड़ियों का चलन चलता रहा, लोकलुभावन वादों की आंच पर पॉलिटिक्स चमकाने की रेसिपी पकती रही तो हालत खराब होंगे। जनता मुफ्त की रेवड़ियों के चक्कर में पार्टियों की झोली वोट से तो भर देगी लेकिन उसकी कीमत भी उसे ही चुकानी पड़ेगी। अभी दो साल भी नहीं बीते जब ब्रिटेन में टैक्स कटौती जैसी मुफ्त की रेवड़ियों के वादों को पूरा नहीं कर पाने और उल्टे उसके चक्कर में अर्थतंत्र गड़बड़ा जाने के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने इस्तीफा दे दिया था। लेकिन भारत में तो इस तरह के इस्तीफे की बात कभी सपने में भी नहीं सोची जा सकती।

खैर, हिमाचल प्रदेश पर आते हैं। वह चर्चा में है। चर्चा में इसलिए कि सूबे की खस्ता-हाल आर्थिक स्थिति के मद्देनजर मुख्यमंत्री, मंत्री, बोर्डों को चेयरमैन और वाइस-चैयरमैन के साथ-साथ चीफ पार्लियामेंट सेक्रटरी दो महीने का वेतन-भत्ता नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के सभी विधायकों से भी 'जनहित' में दो महीने की सैलरी नहीं लेने की अपील की है। लेकिन मंत्रियों, विधायकों के 2 महीने की सैलरी नहीं लेने से होगा क्या? ये ऊंट के मुंह में जीरा भी तो नहीं है। इससे भले ही राज्य की खस्ताहाल इकॉनमी पर कोई असर नहीं पड़े लेकिन मुख्यमंत्री और कैबिनेट ये संदेश देने और हमदर्दी हासिल करने में जरूर कामयाब हो सकते हैं कि उनके लिए जनता की भलाई सबसे ऊपर है!

2022 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करके कांग्रेस ने बीजेपी को सत्ता से बेदखल किया। सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती चुनाव में जनता को लोकलुभावन वादों के रूप में दी गईं 'चुनावी गारंटियों' को पूरा करने की थी। नौकरी-रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर करने जैसे वादे बढ़-चढ़कर किए गए थे लेकिन कई वादे ऐसे थे जो पहली ही नजर में रेवड़ी कल्चर की चाशनी में डूबे दिख रहे थे। मसलन, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 19-60 उम्र की महिलाओं के लिए हर महीने 1500 रुपये, ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करना आदि। अब सरकार बनने के महज 2 साल के भीतर नौबत ये आ गई कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों को दो महीने की सैलरी नहीं लेने का ऐलान करना पड़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश का सालाना बजट 58,444 करोड़ रुपये है। इसमें से करीब 42 हजार करोड़ तो सिर्फ सैलरी, पेंशन और पुराने कर्ज चुकाने के मद में चला जा रहा है। अब आप खुद की कल्पना कीजिए कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बाकी विकास कार्य कैसे होंगे? महिलाओं के लिए डायरेक्ट कैश बेनिफिट के मद में सालाना 800 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। ओल्ड पेंशन स्कीम और मुफ्त बिजली का खर्च ऊपर से। सिर्फ महिलाओं के लिए 1500 रुपये महीने वाली योजना, मुफ्त बिजली और ओल्ड पेंशन स्कीम पर ही सरकार का तकरीबन 20 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहा है। ऊपर से राज्य कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। आलम ये है कि केंद्र सरकार को राज्य के कर्ज लेने की सीमा को घटाने पर मजबूर होना पड़ा है। मार्च 2024 तक हिमाचल प्रदेश पर 86,600 करोड़ रुपये का भारी-भरकम खर्च है। आरबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में सूबे में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के समय राज्य पर 68,896 करोड़ रुपये का कर्ज था। दो साल से भी कम समय में कर्ज का बोझ करीब 18 हजार करोड़ रुपये और बढ़ गया है। राज्य में आर्थिक संकट गहरा गया है। हालत ये है कि राज्य सरकार 28 हजार कर्मचारियों के पेंशन, ग्रैच्युटी और दूसरे मद के 1000 करोड़ रुपये दे ही नहीं पाई है। मुफ्त बिजली-पानी जैसी रेवड़ियों का रिवाज तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार फ्रीबी पॉलिटिक्स यानी मुफ्त की रेवड़ियों के कल्चर को लेकर चेता चुके हैं। रेवड़ी कल्चर पर समय-समय पर बहस भी छिड़ती है। राजनीतिक दल अक्सर मुफ्त की रेवड़ियों की अक्सर ये कहकर बचाव करते हैं कि ये जनता की भलाई के लिए है। ये भी सवाल उठाते हैं कि 'हमारी सौगात रेवड़ी, लेकिन आपकी सौगात स्कीम' क्यों? मुफ्त बिजली अगर मुफ्त की रेवड़ी है तो मुफ्त अनाज मास्टरस्ट्रोक क्यों? ये बहस चलती रहेगी लेकिन हकीकत यही है कि चादर से बाहर पैर पसारेंगे तो दिक्कत तो होगी ही। गरीब और वंचित तबके की भलाई वाली योजनाएं देश या राज्य के विकास के लिए जरूरी हैं और सरकारों का फर्ज भी हैं लेकिन इसमें और रेवड़ी वाले चुनावी हथियार में फर्क समझना होगा। सियासी फायदे जैसे शॉर्ट-टर्म उद्देश्यों के खातिर चलने वाली लोकलुभावन योजनाओं से जनहित नहीं होने वाला बल्कि ये आगे चलकर जनता पर ही बोझ बनेगा। मुफ्त की रेवड़ी बनाम जन-कल्याणकारी योजना की बहस चलती रहेगी लेकिन हिमाचल प्रदेश एक सबक की तरह है कि मुफ्त की रेवड़ी कल्चर किस तरह कंगाल बना सकती है। वैसे मुफ्त की रेवड़ियों की वजह से सिर्फ हिमाचल खस्ताहाल नहीं हुआ है। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ कांग्रेस ने मुफ्त की रेवड़ियों के वादे को चुनावी हथियार बनाया है। हमाम में सब नंगे हैं। कांग्रेस हो या बीजेपी, आम आदमी पार्टी हो या कोई और पार्टी। महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सरकार में शामिल है। उसने भी हाल में महिलाओं के लिए कैश बेनिफिट ट्रांसफर योजना का ऐलान किया है।

मध्य प्रदेश में इस तरह की योजना पहले से लागू है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार इस तरह की योजना पर काम कर रही है। उसके तो सत्ता में आने और बने रहने का श्रेय ही मुफ्त बिजली-पानी जैसे वादों और स्कीम को जाता है। पंजाब में भी यही हाल है। दक्षिण के कई राज्यों में तो टीवी, फ्रीज, साड़ी, आभूषण देने जैसे चुनावी वादे आम हैं। कुल मिलाकर, तकरीबन सभी पार्टियां मुफ्त की रेवड़ियों को सत्ता में आने की सीढ़ी के तौर पर इस्तेमाल कर रही हैं। उन सभी के लिए चेतने का समय है। जनता के लिए भी चेतने का समय है कि मुफ्त की रेवड़ियों के लालच में उनका बुरा हाल हो सकता है। चुनाव आयोग को भी सख्ती दिखानी पड़ेगी। उसने सख्त रुख अपनाने का संकेत दिए थे। अक्टूबर 2022 में आयोग ने राजनीतिक दलों को लेटर लिखा था कि सिर्फ वादों से काम नहीं चलेगा, ये भी बताना होगा कि वे आखिर पूरे कैसे होंगे? उनके लिए पैसे कहां से आएंगे? यानी पार्टियों को चुनावी वादों को पूरा करने का पूरा रोडमैप बताने को कह दिया था। कह दिया कि चुनाव में सिर्फ वैसे ही वादे किए जाएं जिन्हें पूरा करना मुमकिन हो। लेकिन आयोग के खत से कई पार्टियां ऐसे तिलमिला गईं कि उसे 'लोकतंत्र की ताबूत में कील' करार दे दिया।

मलयालम सिनेमा की निडर नायिकाओं की जीत

मालीवुड का घिनौना चेहरा आया सामने

इन दिनों मलयालम फिल्म उद्योग यानी मॉलीवुड चर्चा में है। मॉलीवुड की महिला कलाकरों के यौन उत्पीड़न के शिकायतों ने तहलका मचा दिया है। मीटू के आरोपों के चलते मलयालम फिल्म उद्योग की दो प्रमुख हस्तियों एक्टर सिद्दीकी और निर्देशक रंजीत ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। अब इस मामले की जांच के लिए केरल सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर दिया है। मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा हेमा समिति की रिपोर्ट में हुआ है। आइये जानते हैं कि हेमा समिति की रिपोर्ट में क्या है? मलयालम सिनेमा में कलाकरों के यौन उत्पीड़न का मामला क्या है? किन हस्तियों पर क्या आरोप लगे हैं? सरकार ने घटना को लेकर क्या कदम उठाया है?

मलयालम सिनेमा में यौन उत्पीड़न का मामला भले ही अभी चर्चा में आया हो लेकिन इसकी कहानी कई वर्ष पुरानी है। इस पूरे मामले की जड़ में फरवरी 2017 में एक लोकप्रिय मलयालम अभिनेत्री के साथ घटी घटना है। उस वक्त अभिनेत्री ने कोच्चि में अपने साथ हुए अपहरण और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसके बाद केरल पुलिस ने अभिनेता दिलीप पर यौन उत्पीड़न की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया।

इस घटना से इंडस्ट्री में हड़कंप मच गया। मई 2017 में मलयालम सिनेमा के महिला कलाकारों और तकनीशियनों का एक समूह पीड़ितों का समर्थन में उतर आया। इसके साथ ही मॉलीवुड में महिलाओं के साथ होने वाली लैंगिक असमानता, दुर्व्यवहार और अन्याय को उजागर करने के लिए वुमन इन सिनेमा कलेक्टिव (डब्ल्यूसीसी) नाम की एक संस्था बनाई गई। मई महीने में ही डब्ल्यूसीसी के सदस्यों ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से मुलाकात कर साजिश की जांच और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मलयालम सिनेमा में महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री को एक लिखित अपील भी सौंपी। इसी संस्था की अपील के आधार पर केरल सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति के. हेमा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। इस समिति में पूर्व अभिनेता शारदा और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी केबी वलसाला कुमारी भी शामिल की गईं।

फरवरी 2017 की घटना के बाद बनी हेमा समिति ने इसी 18 अगस्त को मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं पर अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की। हालांकि, यह रिपोर्ट सरकार को पांच साल पहले ही सौंपी जा चुकी थी। 18 अगस्त को सार्वजनिक हुई 235 पन्ने की रिपोर्ट में कई तरह के गंभीर मामले सामने आए। सिनेमा उद्योग में यौन शोषण, अवैध प्रतिबंध, भेदभाव, नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग, वेतन असमानता जैसे खतरनाक और गंभीर मामले उजागर हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मलयालम सिनेमा कुछ पुरुष निर्माताओं, निर्देशकों और अभिनेताओं के चंगुल में है।

हेमा कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद से कई महिला कलाकार यौन उत्पीड़न के अपने दर्दनाक अनुभवों को साझा करने के लिए आगे आई हैं। कई लोगों ने मलयालम सिनेमा के कुछ जाने-माने चेहरों पर आरोप लगाए हैं, जिनमें निर्देशक रंजीत और अभिनेता सिद्दीकी और मुकेश शामिल हैं। 22 अगस्त को केरल उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को समिति की पूरी रिपोर्ट की एक प्रति सीलबंद लिफाफे में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अगले दिन एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स (एएमएमए) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरे मसले पर प्रतिक्रिया दी। 23 अगस्त को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एएमएमए के महासचिव और अभिनेता सिद्दीकी ने इन आरोपों से इनकार किया कि एसोसिएशन ने रिपोर्ट के प्रकाशन को रोकने की कोशिश की थी। सिद्दीकी पर एक युवा अभिनेत्री ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। 25 अगस्त को हुए कई घटनाक्रमों से मामले ने और तूल पकड़ा। सिद्दीकी ने यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एएमएमए के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। इसी दिन केरल राज्य चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष रंजीत ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। 2009 में हुई एक घटना के संबंध में यह शिकायत पर दर्ज कराई गई थी। बंगाली अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा ने रंजीत पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया था। इन इस्तीफों के बीच 25 अगस्त को ही विपक्ष और फिल्म उद्योग के दबाव में केरल सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। सात सदस्यों वाली समिति को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 (1) के तहत प्रारंभिक जांच करने का काम सौंपा गया जिसमें वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया। 26 अगस्त को केरल में एर्नाकुलम उत्तर पुलिस ने एक अभिनेत्री द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर अभिनेता रंजीत के खिलाफ गैर-जमानती मामला दर्ज किया। अगले दिन अभिनेता मोहनलाल ने एएमएमए के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही कार्यकारी समिति के सभी सदस्यों ने अपना संयुक्त इस्तीफा सौंप दिया। पुलिस मामलों का सिलसिला यहीं थमा। 28 अगस्त को तिरुवनंतपुरम में पुलिस ने अभिनेता सिद्दीकी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। एक अभिनेत्री ने सिद्दीकी पर 2016 में तिरुवनंतपुरम के एक होटल में कथित तौर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। अगले दिन अभिनेता जयसूर्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जयसूर्या पर कई साल पहले एक फिल्म की शूटिंग के दौरान तिरुवनंतपुरम में राज्य सचिवालय में एक महिला कलाकार का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा। 29 अगस्त को ही केरल की कोच्चि सिटी पुलिस ने अभिनेता एम. मुकेश, अभिनेता मनियानपिला राजू, अभिनेता एडावेला बाबू, वी.एस. चंद्रशेखरन और प्रोडक्शन कंट्रोलर नोबल के खिलाफ पांच मामले दर्ज किए। ये मामले अभिनेत्री मीनू मुनीर द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दर्ज किए गए। एम. मुकेश कोल्लम से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के विधायक भी हैं। अगले दिन केरल पुलिस ने मलयालम फिल्म अभिनेता जयसूर्या के खिलाफ यौन उत्पीड़न का दूसरा मामला दर्ज किया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, तिरुवनंतपुरम में करमना पुलिस ने एक फिल्म सेट पर जयसूर्या के साथ काम करने वाली एक अभिनेत्री के बयान के आधार पर शुक्रवार (30 अगस्त) को एफआईआर दर्ज की। जयसूर्या पर एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्दों, इशारों और कृत्यों का इस्तेमाल करने जैसे आरोप लगे हैं।

भारत की प्राचीन धरोहरों में शामिल हैं उदयगिरि और खंडगिरि की गुफाएं

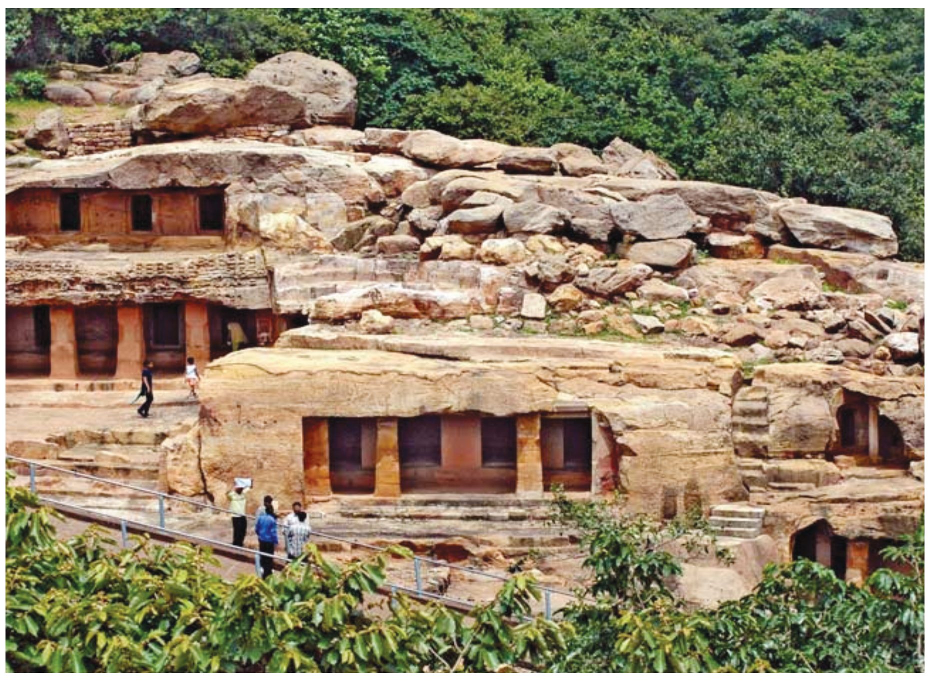

भारत का ओडिशा राज्य समुद्री तट और कई बेहतरीन दर्शनीय स्थलों के लिए समूचे विश्व में प्रसिद्ध हैं। लगभग पांच सौ किलोमीटर लंबे समुद्र तट भी है, जिनमें से कुछ दुनिया के सबसे सुंदर समुद्र तटों में शामिल हैं। एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की झील 'चिल्का झील' भी इसी राज्य में मौजूद है। इसके अलावा प्राचीन, ऐतिहासिक और पवित्र जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क सूर्य मंदिर भी इसी राज्य में मौजूद हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी की गुफाएं भी ओडिशा में ही मौजूद है। भारत की प्राचीन और ऐतिहासिक गुफाओं में शामिल यहां हर साल लाखों पर्यटक घूमने के लिए जाते रहते हैं। भुवनेश्वर शहर से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ियों पर स्थित ये गुफाएं 350 ईस्वी पूर्व से भी प्राचीन मानी जाती हैं। आज इस लेख में हम आपको इन गुफाओं के बारे में करीब से बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

उदयगिरि और खंडगिरि गुफाओं का इतिहास भुवनेश्वर शहर में मौजूद इन गुफाओं का इतिहास गुप्त काल से भी प्राचीन का है। इतिहास के पन्नों पर नज़र डालें तो यह प्रतीत होता है कि जैन भिक्षुओं के रहने के लिए इन गफओं का निर्माण किया गया था। एक तरह उदयगिरि गुफा के अंदर में 18 गुफाएं/गुम्फा हैं, तो दूसरी तरह खंडगिरि गुफा में लगभग 15 गुफाएं/गुम्फा हैं। आपको बता दें कि इन प्राचीन गुफाओं की खोज पहली बार 19वीं शताब्दी में एक ब्रिटिश अधिकारी एंड्रयू स्टर्लिंग ने की थी। आज ये गुफाएं और इसके आसपास की जगहें सैलानियों के लिए एक बेहतरीन पर्यटक स्थल के रूप में काम करती है।

उदयगिरि गुफा के बारे में

उदयगिरि गुफा पहाड़ी की दाईं ओर मौजूद है। ये गुफा खंडगिरि की तुलना में अधिक सुन्दर और बेहतर मानी जाती है। कहा जाता है कि उदयगिरि गुफा जैन भिक्षुओं के गुरु का निवास स्थल हुआ करता था। उदयगिरि गुफा में कुल 18 गुफाएं हैं, जिनमें से रानी गुम्फा और बाजघर गुम्फा सबसे सुन्दर पर पवित्र मानी जाती हैं। इसके अलावा छोटा हाथी गुम्फा, अलकापुरी गुम्फा, पनासा गुम्फा और गणेश गुम्फा आदि ही बेहद प्रसिद्ध हैं।(भारत की रहस्यमयी गुफाएं)

खंडगिरि गुफा के बारे में

खंडगिरि की गुफा पहाड़ी की बाईं ओर मौजूद है। इस गुफा के आसपास मौजूद हरियाली पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। खंडगिरि गुफा के बारे में कहा जाता है कि यहां जैन धर्म के शिष्य रहते थे। खंडगिरि गुफा में कुल 15 गुम्फा हैं, जिनमें तातोवा गुम्फा, अनंत गुम्फा, ध्यान गुम्फा, अंबिका गुम्फा और नव मुनि गुम्फा आदि प्रमुख हैं। इस गुफा में 24 जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां भी मौजूद हैं।

उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएं में पर्यटकों के घूमने के लिए प्रतिदिन सुबह से लेकर शाम तक खुली रहती है।

भारतीय पर्यटकों के लिए लगभग 15 रुपये, विदेशी पर्यटकों के लिए लगभग 300 रूपये हैं और 15 साल से छोटे बच्चों के लिए कोई भी टिकट नहीं है। यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर और मार्च के महीनों के बीच माना जाता है।

आपको ये भी बता दें कि धौली हिल, रामचंडी बीच और चौसठ योगिनी मंदिर जैसी खूबसूरत जगहों पर भी घूमने के लिए जा सकते हैं। अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

भीम ने तोड़ा था 60 हजार हाथियों के बल वाले जरासंध का घमंड

कृष्ण के रथपहिये का आज भी यहां निशान मौजूद

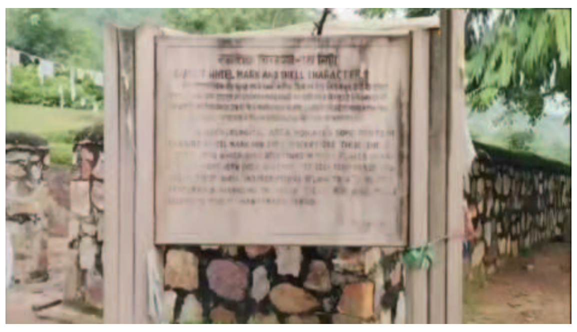

नालंदा जिले का ऐतिहासिक स्थल राजगीर अपने भीतर तीनों युगों की कहानियों और अद्भुत इतिहास को समेटे हुए है। महाभारत के कालखंड से जुड़े इस क्षेत्र की कई कहानियां आज भी जीवित हैं। उनमें से एक कहानी है उदयगिरी पर्वत के पास स्थित रथचक्र निशान की है, जिसे सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

उदयगिरी पर्वत और रथचक्र निशान की कहानी

मुख्य राजगीर से लगभग 3 किलोमीटर आगे बढ़ने पर, गया की ओर जाने वाले रास्ते में उदयगिरी पर्वत दिखाई देता है। सड़क के बाईं ओर एक बोर्ड पर "रथचक्र निशान" लिखा हुआ है, जो इस स्थान की ऐतिहासिकता को दर्शाता है। स्थानीय निवासी मुकुट राजवंशी और अखिलेश से जब हमने इस स्थान के बारे में जानकारी प्राप्त की। तो उन्होंने हमें 5000 वर्षों से भी अधिक पुरानी एक कहानी सुनाई। कहानी के अनुसार, भगवान कृष्ण ने महाभारत काल में भीम के साथ जरासंध का वध करने के लिए इस स्थान पर अपनी लीला रचाई थी। जरासंध, जो अपनी शक्ति और अभिमान के लिए प्रसिद्ध था। उसे हराने के लिए कृष्ण ने यहां आकर भीम का समर्थन किया। इस दौरान, कृष्ण का रथ पर्वत के पास आया, और उसकी तीव्र गति के कारण पत्थरों पर रथ के पहियों के निशान बन गए, जो आज भी देखे जा सकते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, यह वही स्थान है जहां जरासंध और भीम के बीच मल्लयुद्ध हुआ था, जो 28 दिनों तक चला था।

रथचक्र निशान की उत्पत्ति

स्थानीय लोगों के मतानुसार, जब जरासंध ने क्रोध में आकर पर्वत से पत्थरों की बारिश की, तो कृष्ण ने अपने रथ को तेज गति से पीछे की ओर दौड़ाया। इस दौरान, रथ की तीव्र गति के कारण पत्थरों पर निशान बन गए, जो आज भी स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। इसे ही रथचक्र निशान कहा जाता है।

कहानी का रोचक अंत

इस कहानी का अंत भी उतना ही रोचक है। भीम में 10,000 हाथियों की शक्ति के बराबर था। वहीं जरासंध 60,000 हाथियों की शक्ति रखता था। लेकिन भीम ने उसे हरा दिया। महाभारत में भी इस मल्लयुद्ध का उल्लेख मिलता है। जरासंध को अपनी शक्ति पर घमंड था, लेकिन उसकी हार ने इस घमंड को चूर-चूर कर दिया। जरासंध ने 86 राजाओं को अपने यहां कैद कर रखा था।

> जो व्यक्ति अहंकारी है, वह दूसरों के गुणों को देख नहीं पाता है। अहंकारी सिर्फ खुद को श्रेष्ठ मानता है। अहंकार किसी भी व्यक्ति का जीवन बर्बाद कर सकता है।

> जो लोग मुश्किल समय में धैर्य नहीं छोड़ते हैं, वे बड़े लक्ष्य भी आसानी से पूरे कर लेते हैं।

> सूर्य और चंद्र की तुलना नहीं की जा सकती है, ठीक इसी तरह अपनी तुलना दूसरों के साथ नहीं करनी चाहिए।

> अपने लिए बेहतर काम करना अच्छी बात है, लेकिन दूसरों का बेहतर हो, ऐसे काम करना बहुत बड़ी बात है।

> अधिकतर लोग आलस की वजह से असफल हो जाते हैं। आलस को तुरंत छोड़ दें, वर्ना लक्ष्य पूरे नहीं हो पाएंगे।

बच्चों के पढ़ाई वाले कमरे से इन चीजों को रखें दूर

माता-पिता कभी भी पढ़ाई वाले कमरे में ऐसी चीजें न रखें जिससे बच्चे का ध्यान भटके। जैसे- टीवी, रद्दी, मैगजीन आदि बच्चों के पढ़ाई वाले कमरे में आपको नहीं रखना चाहिए। जिस कमरे में बच्चे पढ़ाई करते हैं वो खुला हुआ हो, वहां पर सूर्य किरणें आएं और रोजना उसकी सफाई होनी चाहिए।

कमरे को दें ये रंग

बच्चे जिस कमरे में पढाई करते हैं उसका कलर भी आपको सोच-समझकर रखना चाहिए। बच्चों के कमरे को कभी भी डार्क कलर से न रंगें, वास्तु में इसे सही नहीं माना जाता। इसलिए गलती से भी आपको बच्चों के कमरे को कभी काले, नीले या लाल रंग से नहीं रंगना चाहिए। इससे शिक्षा के क्षेत्र में बच्चे को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पढ़ाई के कमरे के लिए ये दिशा सबसे शुभ

बच्चों के पढ़ाई के कमरे की दिशा उत्तर-पूर्व होगी तो इससे बच्चे का मन पढ़ाई में लगेगा। इसके साथ ही उसकी बुद्धि भी तेज होगी। अगर आप गलत दिशा में बच्चों के पढ़ने का कमरा बनाते हैं तो इससे भी उनकी एकाग्रता भंग हो सकती है।

इस तरह रखें टेबल

बच्चों की पढ़ने वाली टेबल को कभी भी दीवार पर चिपकाकर न रखें। इसके साथ ही टेबल पर घर का सामान या कोई ऐसी चीज न रखें जिससे बच्चे का ध्यान भटके, टेबल पर बच्चे की किताबें ही आपको रखनी चाहिए। इसके साथ ही टेबल पर आप माता सरस्वती की प्रतिमा या तस्वीर रख सकते हैं इससे भी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में लाभ प्राप्त होता है।

पढ़ाई वाले कमरे में न लाएं ये चीजें

जिस कमरे में बच्चे पढ़ाई करते हैं वहां ना ही आपको खाना खाना चाहिए और जूते चप्पल लेकर भी उस कमरे में नहीं आना चाहिए। पढ़ाई वाले कमरे में जितनी शुद्धता आप बरतेंगे उतना ही सकारात्मक वो कमरा बना रहेगा, इससे बच्चों की स्मरण शक्ति मजबूत होती है और शिक्षा जीवन में परेशानियों का सामना उनको नहीं करना पड़ता।

सितंबर में हुआ है आपका जन्म ?

सितंबर का महीना साल का नौवां महीना होता है, इस महीने में मौसम करवट बदलना शुरू कर देता है। चिलचिलाती धूप से आपको राहत मिलती है और ठंडी हवाओं के झोंके आपको सुकून देते हैं। इस खुशगवार मौसम का असर इस महीने में जन्म लेने वालों पर भी पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि सितंबर के महीने में जन्म लेने वाले लोग कैसे होते हैं, क्या खूबियां इनको औरों से अलग बनाती हैं और किन खामियों को दूर करने की इन्हें कोशिश करनी चाहिए।

व्यवस्थित और अनुशासित होते इस महीने जन्म लेने वाले लोग

सितंबर में जन्मे लोग अनुशासन के लिए जाने जाते हैं। योजनाबद्ध तरीके से हर काम को करना ये पसंद करते हैं और अपने जीवन में कभी भी अव्यवस्था को पसंद नहीं करते। इनके पास हर कार्य के लिए एक योजना होती है, और वे उस पर पूरी तरह से अमल करने की कोशिश भी करते हैं। अगर दूसरों की वजह से इनकी कोई योजना अटकती है तो प्लान बी भी इनके पास तैयार रहता है।

तार्किक और व्यावहारिक

इस महीने में जन्म लेने वाले लोग अपने तर्क से आपको चौंका सकते हैं। ये लोग किसी भी समस्या का हल तर्क और विवेक के साथ निकालने में भी माहिर माने जाते हैं। इनकी सोच व्यावहारिक होती है, इसलिए ये हर स्थिति का सही आकलन करने में भी सक्षम होते हैं। अक्सर इनके आसपास के लोग इनसे सलाह मशवरा लेते आपको दिख सकते हैं।

मेहनती होते हैं इस महीने जन्म लेने वाले लोग

सितंबर में जन्मे लोगों में मेहनत करने का गुण सबसे अलग होता है, इन लोगों को हमेशा ये लगता रहता है कि इनकी मेहनत में कुछ कमी है और इसलिए लगातार अपने प्रयासों को ये बढ़ाते रहते हैं। काम के प्रति समर्पण का भाव इन्हें करियर और कारोबार में शिखर पर ले जाता है। जीवन में सफलता पाने के लिए किसी भी तरह का शॉर्टकट ये नहीं लेते।

सितंबर में जन्म लेने वाले लोगों का स्वास्थ्य

सितंबर में जन्म लेने वाले लोग शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर हमेशा सजग रहते हैं। अपने खान पान का भी ख्याल ये रखते हैं। हालांकि एक उम्र के बात इनको जोड़ों में दर्द, मोटापे और अनिद्रा की समस्या हो सकती है। खुद को फिट रखने के लिए योग ध्यान का सहारा इन लोगों को लेना चाहिए।

इन अवगुणों को दूर करने की करें कोशिश

सितंबर में जन्म लेने वाले लोगों में कई खूबियां होती हैं लेकिन, इनमें कुछ अवगुण भी देखने को मिलते हैं। इस महीने में जन्म लेने वाले लोग अपने द्वारा किए गए कार्यों का गुणगान बहुत अधिक करते हैं, इसलिए कई बार लोग इनसे दूरी बना सकते हैं। इसके साथ ही दूसरों को खुद से कम आंकने की आदत भी इनमें होती है, इसकी वजह से सामाजिक स्तर पर ये दिक्कतों का सामना कर सकते हैं। अगर इन खामियों को ये अपने चरित्र से दूर कर दें तो जीवन में बड़ी सफलता ये प्राप्त कर सकते हैं।

सोमवती अमावस्या की कथा पढ़ने से सिद्ध होते हैं मनोरथ

बहुत वर्ष पहले की बात है गरीब ब्राह्मण परिवार में पति-पत्नी और उनकी एक पुत्री निवास करते थे। सारा परिवार प्रभु भक्ति में लीन रहता था। उनकी पुत्री सुंदर, संस्कारी और गुणवान थी। वह उसके लिए वर की तलाश कर रहे थे किंतु निर्धन होने के कारण उसके विवाह में अड़चने आ रही थी। प्रभु कृपा से उनके घर में एक महात्मा आए। उस कन्या की सेवा भावना से खुश होकर उन्होंने उसे आशीष दिया तो उस लड़की के पिता ने कहा, महात्मा जी बहुत समय से हम अपनी लड़की के लिए वर की तलाश कर रहे हैं मगर हमारी गरीबी की वजह से हर बार बात बनते-बनते रह जाती है। कृपया बताएं कब हमारी बेटी के हाथ पीले होंगे।

महात्मा जी के मुख से ऐसे वचन सुन कर ब्राह्मण दम्पति रोते-रोते महात्मा जी के चरणों में गिर गए और उन से इस समस्या का समाधान बताने के लिए विनती करने लगे। महात्मा जी ने उन्हें अपने चरणों से उठाया और बोले, पास के ही एक गांव में सोना नामक धोबिन जाति की एक पतिव्रता महिला अपने पति, बेटे और बहू के साथ निवास करती है। जोकि एक महान पतिव्रता स्त्री है। यदि आपकी लड़की उसे अपनी सेवा से प्रसन्न कर लेती है तो आशीष स्वरूप उस से उसकी मांग का सिंदूर ले ले तभी इस लड़की का विवाह संभव है। ऐसा करने से इसे अमोघ सुहाग भाग की प्राप्ति भी होगी। मगर याद रहे वह पतिव्रता महिला कहीं आती-जाती नहीं हैं।

महात्मा जी ब्राह्मण दम्पति के घर से विदा हो गए। ब्राह्मणी ने अपनी लड़की को अगले दिन भोर फटते ही धोबिन की सेवा करने भेज दिया। लड़की पूरे दिल से सोना धोबिन के घर की साफ-सफाई और अन्य सारे कार्य कर उनके उठने से पूर्व ही अपने घर लौट आती। यह क्रम बहुत दिन तक चलता रहा। एक दिन सोना धोबिन अपनी बहू को शाबाशी देते हुए बोली, तुम तो ब्रह्म मूर्हत में उठकर ही घर का सारा काम कर लेती हो और मुझे अभास तक नहीं होता।

अगले दिन भोर फटते ही सास-बहू उठ कर घर के एक कोने में छिप कर निगरानी करने लगी कि कौन है जो ब्रह्म मुहूर्त में ही घर का सारा काम करके चला जाता है। अपने निर्धारित समय पर ब्राह्मण की बेटी आई और मुख से भजन करते-करते घर का काम दिल से करने लगी। अपना काम पूरा होने पर जब वह जाने लगी तो सोना धोबिन ने उस से पूछा, तुम कौन हो बेटी और इस तरह छुप कर मेरे घर का काम क्यों करती हो?

ब्राह्मण की लड़की ने उन्हें महात्मा के द्वारा कही गई सारी बात बताई। सोना धोबिन पतिव्रता होने के साथ-साथ नेक दिल की थी वह उस लड़की की मदद के लिए तैयार हो गई। उस दिन सोमवती अमावस्या थी। वह उस लड़की के साथ बिना अन्न जल ग्रहण किए उसके घर की ओर चल पड़ी। उसने सोचा रास्ते में कहीं पीपल का पेड़ मिलेगा तो उसे भंवरी देकर और उसकी परिक्रमा करके ही जल ग्रहण करेगी। लड़की के घर पहुंचकर धोबिन ने जैसे ही अपनी मांग से सिन्दूर उस कन्या की मांग में लगाया तो उसके पति के प्राण पखेरू उड़ गए। उसे ज्ञात हो गया की उसके पति इस दुनियां में नहीं रहे।

वह ब्राह्मण परिवार से विदा लेकर चल पड़ी। रास्ते में पीपल का पेड़ देखकर उसने ईंट के टुकडों से 108 बार भंवरी देकर 108 बार पीपल के पेड़ की परिक्रमा की तत्पश्चात जल ग्रहण किया। तभी उसके पति की मृत देह में प्राण लौट आए। सोमवती अमावस्या के दिन अपने मनोरथों की पूर्ति के लिए धोबी परिवार को भेंट इत्यादि देने का भी विधान है।

सितंबर के पहले हफ्ते में सूर्य-बुध की होगी युति

बनेगा राजयोग, इन 4 राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

सितंबर के महीने में राशिचक्र की 4 राशियों को विशेष लाभ प्राप्त हो सकते हैं। सितंबर 4 तारीख को बुध ग्रह का गोचर सिंह राशि में होगा, जहां सूर्य पहले से ही विराजमान हैं। सूर्य-बुध की युति से बुधादित्य राजयोग का निर्माण होगा। यह योग 4 राशियों को करियर और कारोबार के क्षेत्र में विशेष लाभ दिला सकता है। इसके साथ ही सरकारी क्षेत्रों से भी ये राशियां लाभ पाएंगी।

मेष राशि

आपकी राशि से पंचम भाव में बुध और सूर्य युति करेंगे। इस युति के प्रभाव से आपको शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। इसके साथ ही जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है। आपके कई बिगड़ते काम भी इस दौरान बन जाएंगे। करियर के क्षेत्र में भी स्थितियां आपके अनुकूल होंगी, कुछ लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी भी इस दौरान मिल सकती है। प्रेम संबंधों में पड़े इस राशि के जातक अपने पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताते देखे जा सकते हैं।

मिथुन राशि

आपके तृतीय भाव में बुधादित्य योग बनेगा, इस योग के प्रभाव से आपके साहस पराक्रम में वृद्धि देखने को मिल सकती है। आपकी वाणी में स्पष्टता होगी जिससे लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। इस राशि के जो लोग मीडिया या फिल्म इंडस्ट्री में कार्यरत हैं उन्हें मनचाहे परिणाम मिल सकते हैं। अपने योग्यता का लोहा इस दौरान आप मनवा सकते हैं। पैसों को लेकर अगर आप परेशान थे तो आपको इसका हल सितंबर के माह में मिल सकता है। छोटी यात्राओं से इस राशि के लोगों को लाभ होगा।

तुला राशि

आपके लिए सितंबर का महीना लाभदायक सिद्धि हो सकता है। इस महीने आपके लाभ भाव में बुधादित्य योग बनेगा और साथ ही आपकी राशि के स्वामी भी इसी भाव में होंगे। ग्रहों की यह स्थिति आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ दिला सकती है। बस आपको मौके को पहचानना है। जो लोग जॉब में परिवर्तन करना चाहते थे उनके प्रयास सफल हो सकते हैं। इसके साथ ही आपको अपने बड़े भाई-बहनों का भी भरपूर सहयोग इस दौरान मिलेगा। सेहत में भी अच्छे बदलाव आपको देखने को मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशि

आपके कर्म भाव में सूर्य और बुध युति करेंगे। स्वाभाविक है कि इससे आपको कार्य क्षेत्र में अच्छे फल मिल सकते हैं। आपके कार्य को सराहना इस दौरान मिल सकती है। वहीं इस राशि के कुछ जातक अपना कार्य भी शुरू कर सकते हैं। आपका मन शांत होगा जिससे आप बड़े से बड़ा निर्णय आसानी से ले सकते हैं। इस दौरान कारोबारी अपने कारोबार का विस्तार भी करते दिखेंगे। आपकी कोई दबी ख्वाहिश भी इस अवधि में पूरी हो सकती है।

एक्ट्रेस राधिका बोलीं- तमिल-तेलुगु इंडस्ट्री में महिलाएं सेफ नहीं

एक्ट्रेस राधिका सरतकुमार ने कहा कि मलयालम इंडस्ट्री के जैसे ही तमिल और तेलुगु इंडस्ट्री भी महिलाओं के लिए सेफ नहीं है। वहां पर फिल्म की शूटिंग के दौरान जब एक्ट्रेसेस वैनिटी वैन में कपड़े चेंज करने जाती थीं, तो खुफिया कैमरे से उनके न्यूड वीडियो रिकॉर्ड कर लिए जाते थे। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मैं केरल में एक सेट पर थी, तब मैंने देखा कि लोग एक साथ इकट्ठा होकर किसी बात पर हंस रहे थे। जैसे ही मैं वहां से गुजरी, मैंने देखा कि वे एक वीडियो देख रहे थे। मैंने क्रू के एक मेंबर को बुलाया और पूछा कि वे लोग क्या देख रहे हैं? मुझे उसने बताया कि वैनिटी वैन में कैमरे थे और उसका इस्तेमाल करके महिलाओं के कपड़े बदलते हुए फुटेज कैप्चर किए गए थे। मुझसे कहा गया कि आप बस कलाकार का नाम टाइप करें और आपको उनकी ड्रेस बदलते हुए एक वीडियो मिल जाएगी।

मैंने भी वीडियो देखा।' हालांकि राधिका ने यह बताने से इनकार कर दिया कि यह घटना कहां और कब हुई थी।

उन्होंने कहा, 'अगर हम ऊपर की ओर देखकर थूकेंगे तो यह हमारे चेहरे पर ही गिरेगा। इस वजह से मैं आगे कुछ नहीं बताना चाहती।' राधिका ने बताया कि इस वजह से उनकी टीम से भी नोकझोंक भी हो गई थी।

उन्होंने कहा, 'मैंने वैन में महिलाओं के कपड़े बदलते हुए वीडियो देखे थे। इसके बाद मैंने टीम से कहा कि यह सही नहीं है। मैंने उनसे कहा कि अगर मुझे गाड़ी में कैमरा मिला तो मैं उन्हें चप्पलों से मारूंगी। मैं गुस्से में थी। मैंने जोर देकर कहा कि मैं सेफ रहना चाहती हूं।

इस घटना के बाद मैंने यह बात अपनी साथी कलाकारों को बताई थी। मुझे वैनिटि वैन में जाने से डर लगने लगा था। यह हमारा प्राइवेट स्पेस होता है, जहां पर कपड़े चेंज करते हैं, आराम करते हैं या खाना खाते हैं।

जब फेलियर से डील नहीं कर पाए राजेश खन्ना

डिंपल को लगा कि पागल हो गया हूं, शराब की लत लग गई थी

ऐसा माना जाता है कि अमिताभ बच्चन के बढ़ते स्टारडम के आगे राजेश खन्ना की चमक फीकी पड़ने लगी थी। नतीजतन वे बिग बी से बहुत ज्यादा जलने लगे थे। करियर के डाउनफॉल को संभालना उनके लिए मुश्किल हो गया था। इसका असर उनकी पर्सनल लाइफ पर भी पड़ा। शादी के चंद सालों के बाद पत्नी डिंपल कपाड़िया और उनके बीच दूरी आ गई थी।

राजेश खन्ना ने एक पुराने इंटरव्यू में डाउनफॉल और पर्सनल लाइफ पर बात की थी। उन्होंने कहा था, 'मुझे अभी भी वह पल याद है जब मुझे पहली बार सुपर-सफलता के बारे में पता चला। यह आपको पूरी तरह से परेशान कर देता है जैसे कि आप इंसान नहीं हैं।'

'मैं बिग बी के जैसे अपने फेलियर को संभाल नहीं पाया'

राजेश खन्ना ने आगे कहा था, 'यह बहुत सरप्राइज था कि फेलियर ने अमिताभ बच्चन को उतना इफेक्ट नहीं किया, जितना उसने मुझे किया था। इस फेलियर के बाद मुझे शराब की लत गई थी। मेरा मतलब है कि मैं कोई सुपर इंसान नहीं हूं। आप ईसा मसीह नहीं हैं और मैं महात्मा गांधी नहीं हूं।

एक के बाद एक लगातार 7 फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। एक दिन मैं बहुत जोश में था। बारिश हो रही थी, घुप अंधेरा था। छत पर अकेले होने पर मैंने अपना नियंत्रण खो दिया और चिल्लाने लगा- परवरदिगार, हम गरीबों का इतना इंतिहान क्यों लेते हो। क्या हम तेरे वजूद को इंकार कर दे?'

राजेश खन्ना ने आगे कहा, 'मैं फेलियर को बर्दाश्त नहीं कर सका क्योंकि मैं सक्सेस से बहुत प्रभावित था। जब डिंपल और मेरे स्टाफ ने मुझे चिल्लाते हुए सुना तो वे यह सोचकर दौड़े कि मैं पागल हो गया हूं।'

महज 15 साल की उम्र में डिंपल ने राजेश खन्ना से शादी कर ली थी। शादी के बाद वे दोनों दो बेटियों के पेरेंट्स बने। हालांकि, यह शादी लंबे समय तक नहीं टिकी और बिना तलाक लिए दोनों अलग-अलग रहने लगे। रिश्ते में मनमुटाव होने के बावजूद डिंपल ने राजेश खन्ना को सपोर्ट किया था क्योंकि वे अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले थे।

400 साल पुराने मंदिर में सिद्धार्थ से शादी करेंगी अदिति

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक है। दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इनकी शादी को लेकर फैंस को लग रहा है कि ये किसी बड़े डेस्टिनेशन वेडिंग पर करेंगे, लेकिन ये बड़ी जगह शादी के लिए नहीं जा रहे हैं। अभिनेत्री ने एक बातचीत में खुलासा किया कि शादी की तैयारियां चल रही हैं। हालांकि, उन्होंने शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी अनोखी शादी की जगह के बारे में कुछ जानकारी दी। अदिति राव हैदरी ने हाल ही में एक बातचीत में कहा कि उनकी और सिद्धार्थ की शादी 400 साल पुराने मंदिर के इर्द-गिर्द होगी। उन्होंने कहा, 'शादी वानापर्थी में 400 साल पुराने मंदिर के इर्द-गिर्द होगी, जो मेरे परिवार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।' अदिति और सिद्धार्थ की मुलाकात 2021 में तेलुगु फिल्म महा समुद्रम के सेट पर हुई थी। इसी दौरान अदिति ने सिद्धार्थ के मैरिज प्रपोजल के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा, 'मैं अपनी नानी के सबसे करीब थी, जिनका कुछ साल पहले निधन हो गया था। उन्होंने हैदराबाद में एक स्कूल शुरू किया था। एक दिन सिद्धार्थ ने मुझसे पूछा कि क्या वह इसे देख सकते हैं। क्योंकि वह अच्छी तरह से जानते थे कि मैं उनसे कितनी करीब थी।' वह मार्च में स्कूल देखने के लिए आए। उन्होंने अदिति से उसे अपने दिल के करीब एक खास जगह दिखाने के लिए कहा कि नर्सरी सेक्शन के ऊपर एक मंजिल।

कोलकाता रेप मामले से आहत हैं श्रेया घोषाल

आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर दुखी

अस्पताल में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। कोलकाता में इस मामले को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस शर्मनाक मामले पर मनोरंजन जगत की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। जॉन अब्राहम, कंगना, करीना, करण जौहर और ऋतिक रोशन समेत कई कलाकारों ने इस घटना पर दुख जताया। वहीं, अब मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने तो अपने कोलकाता में होने वाले शो को स्थगित कर दिया है।

श्रेया घोषाल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा करते हुए कहा कि वो कोलकाता में होने वाले कॉन्सर्ट में प्रस्तुति नहीं देंगी। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि बलात्कार के मामले से आहत हैं और एक महिला होने के नाते, डॉक्टर के साथ हुई क्रूरता के बारे में सोचना भी अकल्पनीय है।

श्रेया घोषाल ने लिखा कि गहरे दुख और दुखी दिल के साथ कॉन्सर्ट 'श्रेया घोषाल लाइव' को वो और उनके प्रमोटर किसी दूसरी तारीख पर करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वो इस वीभत्स और जघन्य घटना से बहुत आहत हैं। बता दें कि श्रेया का यह शो कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होना था और जिसे अब अक्तूबर महीने की किसी अन्य तारीख में किया जा सकता है।

उम्मीद है कि फैंस इस फैसले को स्वीकार करेंगे और समझेंगे

श्रेया ने लिखा कि उनके लिए जरूरी है कि वो एक स्टैंड लें और लोगों के साथ एकजुटता दिखाएं। उन्होंने उम्मीद जताते हुए लिखा कि उनके फैंस और दोस्त इस कॉन्सर्ट की तारीख में बदलाव के फैसले को स्वीकार करेंगे और उनकी बात को समझेंगे।

उन्होंने यह भी लिखा कि वो दुनिया में महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हैं, न कि केवल देश के लिए। श्रेया ने जानकारी देते हुए बताया कि लोगों के पास जो टिकट हैं, वे शो की नई तारीख के लिए भी मान्य होगी।

सलमान को कभी पांच हजार तो कभी पांच लाख में साइन करते थे ये निर्देशक

सलमान खान आज फिल्मों में काम करने के लिए करोड़ों रुपये की फीस लेते हैं, लेकिन एक समय ऐसा था, जब उन्हें पांच हजार रुपये में भी साइन किया गया था। एक निर्देशक उन्हें बार-बार साइन करते थे और फिल्म बन ही नहीं पाती थी। वो सलमान खान को पांच हजार देने से लेकर पांच लाख रुपये देने तक चले गए थे, लेकिन फिल्म नहीं बना पाए।

सलमान खान की फिल्म साजन का निर्देशन करने वाले लॉरेंस डिसूजा ने बताया कि एक बार एस रामनाथन ने सलमान को पांच रुपये में साइन कर लिया था। हालांकि, फिल्म नहीं बन पाई। ये उन दिनों की बात है, जब सलमान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' आई थी। इसमें सलमान को देखने के बाद ही निर्देशक ने उनके साथ काम करने का फैसला किया था। लॉरेंस डिसूजा ने फ्राइडे टॉकीज से हुई बातचीत में बताया कि जब एस रामनाथन का सलमान खान के साथ काम करने का पहला मौका अंजाम तक नहीं पहुंचा तो एक बार फिर से उन्होंने भाईजान को साइन किया, लेकिन इस बार पांच लाख रुपये दिए गए, लेकिन वो फिल्म भी नहीं बन पाई। बता दें कि एस रामनाथन ने देवता, रंगीला रत्न, महान, फैसला, बॉम्बे टू गोवा, दो फूल, फैसला और कहानी एक चोर की समेत कई फिल्में बनाई थी।

अपने साथ बार-बार ऐसा होता देख सलमान खान भी हैरान थे। लॉरेंस के मुताबिक, सलमान ने इस मामले पर कहा था कि रामनाथन कैसे इंसान हैं? वो मुझे रुपये दे देते हैं और फिर कुछ काम ही नहीं करते। लॉरेंस ने 'साजन' फिल्म में कलाकारों की फीस पर भी बात की। उन्होंने बताया कि सलमान खान और माधुरी दोनों को 11-11 लाख रुपए मिले थे। वहीं, संजय दत्त को 12 लाख रुपए की फीस दी गई थी और लॉरेंस को आठ रुपये मिले थे।

मैंने प्यार किया की बात करें तो यह एक रोमांटिक फिल्म है, जो दिसंबर 1989 में सिनेमाघरों में आई थी। इसका निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है।

हाल ही में, इस फिल्म को फिर से रिलीज किया गया है। इस फिल्म में सलमान खान, भाग्यश्री, आलोकनाथ, दिलीप जोशी, हरीश पटेल, मोहनिश बहल और राजीव वर्मा समेत कई कलाकारों ने काम किया है।

क्या टाइगर के करियर पर पड़ रहा फ्लॉप फिल्मों का असर?

शूटिंग शुरू होने के बाद बंद हो गई ये बड़ी पिक्चर

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'हीरोपंती' से अपने बॉलीवुड सफर का आगाज करने वाले टाइगर श्रॉफ अब लोगों के ऊपर अपना जादू नहीं चला पा रहे हैं। पिछले तीन सालों में लगातार उनकी तीन फिल्में फ्लॉप हुई हैं। उनकी इन फ्लॉप फिल्मों में इसी साल रिलीज हुई 'बड़े मियां छोटे मियां' भी शामिल है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी दिखे थे। हालांकि, ये पिक्चर लोगो को एंटरटेन करने में फेल हो गई थी और फ्लॉप हो गई थी। इस बीच अब खबर है कि टाइगर की एक अपकमिंग फिल्म डब्बा बंद हो गई है। टाइगर की जो फिल्म बंद हुई है वो है 'हीरो नंबर। 1', जिसे जगन शक्ति डायरेक्ट कर रहे थे और वाशु भगनानी प्रोड्यूसर थे। वाशु की प्रोडक्शन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले ही 'बड़े मियां छोटे मियां' बनी थी। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि 'हीरो नंबर। 1' की 20 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी थी। बचे हुए हिस्से की शूटिंग अप्रैल में 'बड़े मियां छोटे मियां' की रिलीज के बाद होनी थी। लेकिन इस फिल्म से वाशु की कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट को काफी नुकसान उठाना पड़ा और वो अभी कर्ज में हैं। वहीं वो अभी ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि 'हीरो नंबर। 1' पर पैसा लगाएं। इसलिए, इस पिक्चर को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

2025 तक मैटर्निटी लीव पर होंगी दीपिका पादुकोण!

एक्ट्रेस इसी महीने बनेंगी मां, डिलीवरी डेट का हुआ खुलासा

बॉलीवुड के गॉर्जियस कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने जनवरी में इस गुड न्यूज को शेयर किया था और अब वह दिन जल्द ही आने वाला है, जब दीपिका अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। एक्ट्रेस की डिलीवरी डेट कब है, इसकी एक अपडेट सामने आई है।

नजदीक है दीपिका की प्रेंग्नेंसी

दीपिका पादुकोण के चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो साफ दिखता है। एक्ट्रेस के कुछ मैटरनिटी फोटोशूट भी सामने आए हैं, जिसमें उनकी खुशी साफ तौर पर देखने को मिल रही थी। कपल के साथ-साथ उनके फैंस को भी इस बात का बेसब्री से इंतजार है कि कब दीपिका का बच्चा इस दुनिया में आएगा। वहीं, अब एक्ट्रेस की डिलीवरी डेट की जानकारी सामने आई है।

ये है दीपिका की डिलीवरी डेट

न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका और रणवीर अपने बच्चे के अराइवल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इसी कड़ी में उन्होंने बच्चे के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी है। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक हुआ, तो साउथ बॉम्बे में स्थित एक हॉस्पिटल में 28 सितंबर को बच्चा डिलीवर करेंगी।

हाल फिलहाल में दीपिका हर वो पल एन्जॉय कर रही हैं, जिसके लिए उन्होंने काम से ब्रेक लिया है।

इसके अलावा दीपिका की मैटरनिटी लीव की बात करें, तो एक्ट्रेस मार्च, 2025 तक ब्रेक पर रहेंगी। दीपिका ने काफी पहले ही इस ब्रेक के लिए अप्लाई कर लिया था, मगर इस दौरान वर्क कमिटमेंट्स के चलते उन्होंने 'सिंघम अगेन' की शूटिंग पूरी की।

दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्में

दीपिका की अपकमिंग फिल्म की बात करें, तो वह सिंघम अगेन ही होगी। वहीं, इस साल जनवरी में ऋतिक रोशन के साथ उनकी मूवी 'फाइटर' रिलीज हुई थी।

कंगना ने चिराग पासवान को अपना दोस्त बताया

हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से सांसद बनने के बाद जब कंगना रनोट पार्लियामेंट पहुंची थीं, तब उनकी मुलाकात केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से हुई थी। दोनों की साथ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। इन तस्वीरों के वायरल होने पर कंगना रनोट का कहना है, 'चिराग को मैं बहुत पहले से जानती हूं। वे मेरे अच्छे दोस्त हैं। बेचारे ने मेरे साथ एक दो बार हंस दिया, आप लोग तो पीछे ही पड़ गए। अब वे भी रास्ता बदलकर चले जाते हैं।'

जून में कंगना और चिराग पासवान का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दोनों संसद के ठीक बाहर दिखाई दे रहे थे। दोनों ने एक-दूसरे से मुलाकात भी की थी। वीडियो में कंगना को पीली साड़ी में देखा गया था, वहीं चिराग सफेद कुर्ता और नीली जींस में दिखाई दिए थे। जून में नई दिल्ली में एनडीए की संसदीय बैठक में भी कंगना और चिराग की मुलाकात हुई थी। दोनों ने हाथ मिलाया और साथ में हंसी-मजाक भी किया।

कुछ समय पहले स्मिता प्रकाश के साथ एक पॉडकास्ट में चिराग ने कंगना के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, 'मैं वास्तव में संसद में उनसे (कंगना) मिलने के लिए एक्साइटेड था। मैं पिछले 2-3 साल अपनी लाइफ में इतना बिजी था कि कॉन्टैक्ट टूट गया था।'

जब होस्ट ने चिराग से पूछा कि क्या वे कंगना को स्पीच के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे, तब उन्होंने कहा, 'हाहाहा, नहीं, नहीं। किसी टिप की जरूरत नहीं है।'

इससे पहले, चिराग ने कहा था कि वह कंगना से दोबारा मिलने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं उनसे मिलने के लिए उत्सुक हूं। हम अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। हमने साथ में एक फिल्म में काम किया है। हम संसद में मिलेंगे। मुझे लगता है कि वे एक स्ट्रॉन्ग महिला हैं। वे अपनी बात बहुत मुखरता से रखती हैं।

ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन संग अपने रिश्तों पर खुल कर बोले विक्रम

चियान विक्रम किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह तमिल फिल्मों के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। हाल में ही अभिनेता ने ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के साथ अपने रिश्ते पर खुल कर बात की है। विक्रम और ऐश्वर्या दो फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। उन्होंने अभिनेत्री संग अपनी बहुचर्चित ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में भी बात की। वह 'रावण' और 'पोन्नियिन सेलवन' में ऐश्वर्या संग काम कर चुके हैं। इसके अलावा अभिनेता ने अभिषेक बच्चन को भी अपना करीबी दोस्त बताया है।

सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत के दौरान विक्रम ने कहा, अभिषेक मेरे बहुत करीबी दोस्त हैं, इसलिए अपने आप ही उनका पूरा परिवार भी दोस्त बन जाता है। बात यह है कि ऐश्वर्या और मेरी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बहुत अच्छी है, जैसे कि रावण हो या पोन्नियिन सेलवन। अभिनेता ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, दोनों ही एकतरफा प्यार थे, दोनों ही किसी और की पत्नी थीं और मैं दोनों में ही मारा जाता हूं।

अभिनेता ने आगे कहा कि उन्होंने एक बार मशहूर निर्देशक मणिरत्नम से कहा था कि उन्हें उनके और ऐश्वर्या के किरदारों को कम से कम एक फिल्म में सुखद अंत देना चाहिए। अभिनेता ने कहा, मैंने मणि सर से कहा, कृपया एक फिल्म करें साथ में, कम से कम अपने फैंस के लिए। अभिनेता ने कहा कि ऐश्वर्या के साथ काम करना काफी शानदार अनुभव है। वह काफी प्रतिबद्ध और शानदार अभिनेत्री हैं और दोनों अच्छे दोस्त भी हैं, लेकिन अभिषेक उनके काफी करीबी दोस्त हैं।

इससे पहले भी एक बार अभिनेता ने एनडीटीवी से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था, इंटरनेट पर यह पागलपन है, बहुत से फैंस को यह कहते हुए देखते हैं कि हमें इन दोनों को एक साथ देखना है। क्यों नहीं कोई इन दोनों को ऐसी फिल्म देता है, जिसमें वे एक-दूसरे से प्यार करने लगें या वे खुशी-खुशी शादी कर लें। अभिनेता ने आगे कहा, फैंस को हमारे दृश्य देखना पसंद है, जो मुझे लगता है कि मणिरत्नम सर ने अपने फायदे के अनुसार हमें स्क्रीन पर दिखाया। पहले भाग में, मैं उन्हें केवल एक दृश्य में देखता हूं। मुझे नहीं पता अगले भाग में मैं उन्हें कितने दृश्यों में देखूंगा, लेकिन वह एक दृश्य दर्शकों में इतना प्यार, रोमांस और दर्द जगाने के लिए पर्याप्त था।

बात करें विक्रम के वर्क फ्रंट की, तो वह हालिया रिलीज फिल्म 'थंगालान' में नजर आए हैं। फिल्म को तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार भी कर रही है। इस फिल्म के दूसरे भाग को लेकर भी चर्चा हो रही है। वहीं, ऐश्वर्या ने आखिरी पर साल 2023 की 'पोन्नियिन सेलवन 2' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी अगली फिल्म का एलान नहीं किया है।

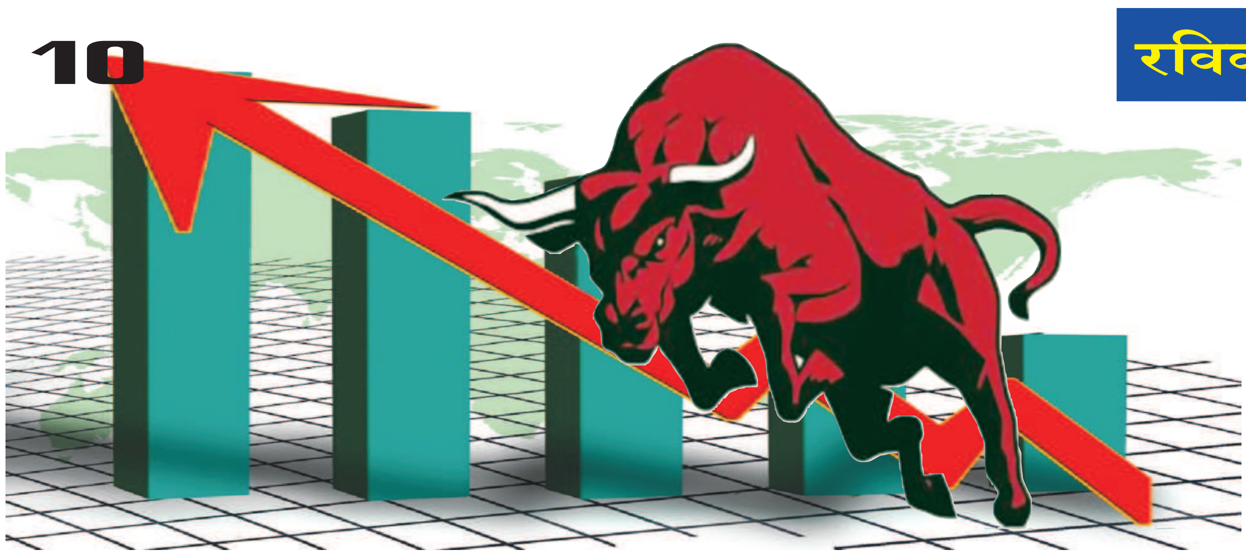

24 घंटे में दुनिया के टॉप 2 अमीरों पर जमकर बरसा पैसा

अंबानी और अडानी दूर-दूर तक नहीं, जानें कितनी की कमाई

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। अक्सर कहा जाता है कि दुनिया में अमीर और अमीर हो रहे हैं। हालांकि सभी के लिए यह बात लागू नहीं होती, लेकिन कुछ अमीर ऐसे हैं तो लगातार और अमीर होते जा रहे हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में शामिल दुनिया के टॉप-10 में से टॉप-2 अमीर की संपत्ति पिछले 24 घंटे में बेहताशा बढ़ गई है। यह इतनी हो गई है कि इसने टॉप-10 के बाकी 8 अमीरों की 24 घंटे की कमाई को पीछे छोड़ दिया है। यानी कह सकते हैं कि टॉप-2 की कमाई टॉप-10 के बाकी 8 अमीरों की कमाई पर भारी पड़ी है।

इतनी रही टॉप-2 अमीरों की कमाई

इस इंडेक्स में पहले नंबर पर टेस्ला के फाउंडर एलन मस्क और दूसरे पर ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस हैं। पिछले 24 घंटे में एलन ने 5.59 बिलियन डॉलर (करीब 47 हजार करोड़ रुपये) और जेफ बेजोस ने 5.95 बिलियन डॉलर (करीब 50 हजार करोड़ रुपये) की कमाई की है। ऐसे में देखा जाए तो इन दोनों टॉप अमीरों ने 24 घंटे में 11.54 बिलियन की कमाई की है।

टॉप-10 के बाकी 8 अमीरों की कमाई

अब बात इस इंडेक्स में शामिल टॉप-10 के बाकी 8 अमीरों की। इनमें बर्नार्ड आरनॉल्ट, मार्क जकरबर्ग, बिल गेट्स, लैरी एलिसन, वॉरेन बफे, लैरी पेज, स्टीव वॉल्मर और सर्गी ब्रिन शामिल हैं। इनमें से बर्नार्ड को छोड़कर बाकी सभी 7 अमीरों की दौलत में पिछले 24 घंटे में बढ़ोतरी हुई है। इन सभी 8 अमीरों की 24 घंटे में कुल कमाई 8.90 बिलियन डॉलर। ऐसे में देखा जाए तो यह टॉप-2 की कमाई के मुकाबले 2.64 बिलियन डॉलर कम है।

एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। इनकी नेटवर्थ 239 बिलियन डॉलर है। टेस्ला के शेयर में एक दिन 3.80 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस तेजी के साथ ही एलन मस्क की दौलत में भी इजाफा हुआ है। वहीं 202 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ जेफ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं ऐमजॉन के शेयर ने भी एक दिन में 3.71 फीसदी रिटर्न दिया है। इससे जेफ बेजोस की कमाई बढ़ गई।

अंबानी और अडानी की यह है स्थिति

इस लिस्ट में भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 113 बिलियन डॉलर के साथ 11वें और गौतम अडानी 101 बिलियन डॉलर के साथ 15वें नंबर पर हैं। 24 घंटे में अंबानी में 894 मिलियन डॉलर और अडानी को 164 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इस साल अंबानी की नेटवर्थ 16.8 बिलियन डॉलर और अडानी की नेटवर्थ 16.4 बिलियन डॉलर बढ़ी है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में एनवीडिया के फाउंडर जेनसन हुआंग पहले नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 60.7 बिलियन डॉलर की तेजी आई है। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में इस साल केवल तीन अमीरों की नेटवर्थ में गिरावट आई है।

त्यौहारों से पहले ग्राहकों को लुभाने की तैयारियों में ज्वेलर्स

मेकिंग चार्ज पर छूट की पेशकश

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। अगले महीने यानी सात सितंबर से शुरू होने वाले महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारियां जोरोशोर से चल रही हैं। इसके बाद नवरात्री, दशहरा, धनतेरस तथा दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों के साथ शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। इसके लिए ज्वेलर्स ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिसमें गणपत्ति उत्सव के लिए विशेष गहनों के कलेक्शन के साथ एक्सचेंज ऑफर और आभूषणों की बनवाई पर 10 से 15 प्रतिशत तक की छूट देने के लिए तैयार है। उद्योग का कहना है कि ज्वैलर्स ने त्योहारों और शादियों को लेकर अपने स्टॉक को 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाया है। शादियों के लिए पहले से ऑर्डर भी दिए जा रहे हैं, इसके लिए ज्वेलर्स ने पहले ही अपनी सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। रिटेल ज्वेलर्स के बात करें तो मालाबार गोल्ड कई तरह के नए कलेक्शन बाजार में पेश करेगा। वहीं त्यौहारी सीजन के बीच टाइटन की तनिष्क अपनी खुदरा उपस्थिति बढ़ाने, सोने के एक्सचेंज ऑफर, शादी के सीजन का लाभ उठाने और बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए नए कलेक्शन लॉन्च करने में बड़ा निवेश करने पर दांव लगा रही है।

बाजार में नए कलेक्शन

मुंबई झवेरी बाजार के , चिंतन शाह बताते हैं कि हमने त्योहारों के लिए आभूषणों के नए कलेक्शन पेश किए है। हम गणपति और नवरात्री पर आभूषणों की बनावाई यानी मैकिंग चार्ज पर 10 प्रतिशत तक की छूट देंगे। इसके अलावा शादी ब्याह के लिए हमारे पास 20 प्रतिशत से अधिक गहनों को बनवाने के ऑर्डर है। वहीं शादियों के मौसम के लिए नए आभूषण कलेक्शन पेश करने के साथ सोने में एक्सचेंज ऑफर की योजना है। शादियों के लिए ग्राहक अक्सर पुराने आभूषणों को बेंच कर नए आभूषणों को लेन पसंद करते हैं। वे बताते हैं कि हमें उम्मीद है कि इस साल त्योहार और शादी ब्याह में सोने की बिक्री काफी अच्छी होगी।

ग्राहकों को मिलेगी मैकिंग चार्ज पर छूट

अंबिका ज्वेलर्स के राहुल का कहना है कि हमने इसके लिए अपने स्टॉक में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है। क्योंकि इस साल हम अच्छी मांग देख रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बजट में आयात शुल्क 15 प्रतिशत से 6 प्रतिशत घटने के बाद से लोगों की सोने की अच्छी खरीदारी की है। आगामी दिनों में भारत में सोने की खरीदारी में तेजी आएगी और उम्मीद है कि मांग 30 प्रतिशत से अधिक होगी। शादी ब्याह के दौरान इसमें और वृद्धि होने की आशा हम करते हैं। उन्होंने बताया कि हम मैकिंग चार्ज पर 10 से 15 प्रतिशत की छूट के साथ हल्के गहनों पर भी कई तरह के ऑफर बाजार में पेश करेंगे।

सोने और चांदी में निवेश का मौका

ज्वेलरी उद्योग का कहना है कि ज्वेलर्स को इस बार आभूषणों अच्छी मांग और बिक्री होने की पूरी उम्मीद है। इब्जा के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता का कहना है कि सोना खरीदने का अच्छा समय है।

क्योंकि सोने के भाव इस साल के अंत तक 76,000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की उम्मीद है। सोने में यह निवेश का अच्छा मौका है। एंजेल वन के कमोडिटी विशेषज्ञ प्रथमेश माल्या बताते हैं कि सोने ने इस साल 30 प्रतिशत का रिटर्न निवेशकों को दिया है। यह सुरक्षित निवेश के साथ ही एक एसेट भी है। सोने में ही नहीं चांदी में निवेश करने का यह अच्छा अवसर है।

मुकेश अंबानी देंगे होम लोन, जानें एशिया के सबसे अमीर कारोबारी का प्लान

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी देश के लोगों को उनके सपनों का घर बनाने में मदद करेंगे। जी हां, उनकी एनबीएफसी कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेस जल्द आम लोगों को होम लोन देने का प्लान बना रही है। इसके लिए कंपनी की ओर काम भी शुरू हो गया है। मुकेश अंबानी ने पिछले साल ही अपनी एनबीएफसी कंपनी जियो फाइनेंशियल की शुरुआत की थी। शुक्रवार को जियो फाइनेंशियल कंपनी का शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुआ। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मुकेश अंबानी की कंपनी ने किस तरह का प्लान बनाया है।

कंपनी ने दी जानकारी

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह होम लोन सर्विस शुरू करने के फाइनल फेज में है। इसे टेस्टिंग के तौर पर (बीटा) शुरू किया गया है। इसके अलावा, कंपनी संपत्ति पर लोन और सिक्योरिटीज पर लोन जैसे दूसरे प्रोडक्ट भी पेश करने जा रही है। शुक्रवार को पहली वार्षिक आम बैठक (सूचीबद्धता के बाद) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हितेश सेठिया ने कहा कि हम होम लोन शुरू करने के अंतिम चरण में हैं, जिसे परीक्षण के तौर पर शुरू किया गया है।उन्होंने कहा कि संपत्ति पर लोन और सिक्योरिटीज पर लोन जैसे अन्य उत्पाद भी प्रक्रिया में हैं। उन्होंने कहा कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड ने पहले ही बाजार में आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण, म्यूचुअल फंड पर ऋण और उपकरण वित्तपोषण के लिए उद्यम समाधान जैसे सुरक्षित ऋण उत्पाद पेश किए हैं।

शेयरों में गिरावट

एक दिन पहले यानी शुक्रवार को जियो फाइनेंशियल के शेयरों में एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। बीएसई से आंकड़ों के अनुसार 1.21 फीसदी की गिरावट के साथ 321.75 रुपए पर बंद हुआ। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 320.50 रुपए के लोअर लेवल पर भी पहुंचे। कंपनी का शेयर 331.60 रुपए के दिन के हाई पर पहुंचा। वैसे जियो फाइनेंशियल का 52 हफ्तों का हाई 394.70 रुपए था। कंपनी का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का देखने को मिल रहा है।

सिर्फ एटीएम नहीं, बैंक की पूरी ब्रांच है ये मशीन!

एफडी से लेकर लोन तक करेगी सारे काम

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। हिताची पेमेंट सर्विसेज ने नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर एक अनूठा एटीएम बनाया है। यह देश का पहला एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाला एटीएम है। यह सिर्फ एटीएम ही नहीं बल्कि एक पूरी बैंक ब्रांच के बराबर काम करने में सक्षम है। अभी तक आप एटीएम का इस्तेमाल कैश निकालने और जमा करने के लिए ही करते रहे हैं। मगर, यह नया एटीएम आपको बैंक अकाउंट खोलने के साथ ही क्रेडिट कार्ड अप्लाई करने और लोन लेने के लिए भी काम आएगा। आइए समझ लेते हैं कि किस तरह से यह एंड्रॉइड पर आधारित एटीएम आपके बैंकिंग एक्सपीरियंस को बदलने वाला है।

ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में हुई लॉन्च

हिताची पेमेंट सर्विसेज ने यह एटीएम ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2024 के दौरान लॉन्च की है। इसके लिए कंपनी ने एनपीसीआई के साथ पार्टनरशिप की है। यह डिजिटल बैंकिंग यूनिट के तौर पर काम कर सकेगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, यह मशीन फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज को आसानी से लोगों तक पहुंचा सकेगी। लोगों को बैंक ब्रांच के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

बिना ब्रांच खोले ये सेवाएं दे सकते हैं बैंक

इस एटीएम के जरिए आपको बैंकिंग और नॉन बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। हिताची पेमेंट सर्विसेज ने बताया कि आप क्यूआर आधारित यूपीआई कैश डिपॉजिट और विड्रॉल कर सकेंगे। इसकी मदद से अकाउंट भी खोला जा सकेगा। साथ ही क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन, इंश्योरेंस, एमएसएमई लोन, लॉकर एप्लीकेशन, फास्टैग रीचार्ज और कई अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। चूंकि, यह एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर काम करती है। ऐसे में किसी नई सेवा को शुरू करने के लिए इसके हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में आसानी से बदलाव किए जा सकते हैं। यह एटीएम आपका जीवन आसान बना देगा। इसे ग्रामीण इलाकों में लगा दिया जाए तो आपको बैंक ब्रांच के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसकी मदद से कार्ड रखने का झंझट भी खत्म हो जाएगा।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 6.1 फीसदी, सीईए बोले- चुनावों के कारण रफ्तार धीमी

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट से जुलाई में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 6.1 फीसदी रह गई है। हालांकि, यह मासिक आधार पर जून के 5.1 फीसदी से ज्यादा है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई, 2023 में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट व बिजली क्षेत्र का उत्पादन 8.5 फीसदी की दर से बढ़ा था। आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में कच्चे तेल के उत्पादन में 2.9 फीसदी और प्राकृतिक गैस में 1.3 फीसदी गिरावट रही। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.1 फीसदी बढ़ा है।

चुनावों के कारण आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट: सीईए

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा, विकास की रफ्तार मजबूत है। पहली तिमाही में वृद्धि दर इसलिए घटी, क्योंकि लोकसभा चुनाव सात चरणों में चला था। जून तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण वास्तविक रूप से जीडीपी का 34.8 फीसदी रहा। यह दर्शाता है कि निजी निवेश अपनी भूमिका निभा रहा है। मानसून में अच्छी प्रगति हुई है। कॉरपोरेट और बैंकों का बही-खाता अच्छी स्थिति में हैं।

'आंकड़े हमारे अनुमान के मुताबिक हैं'

इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मनोरंजन शर्मा कहते हैं, ये आंकड़े पूरी तरह से हमारी उम्मीदों के अनुरूप हैं, हमने अपना ध्यान सार्वजनिक डोमेन में रखा है।

हमने 6.8% का पूर्वानुमान दिया था और ये आंकड़े 6.7% पर आ गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि भारत वार्षिक आधार पर लगातार 7% की जीडीपी वृद्धि दर्ज करने में सक्षम होगा तो देश मजबूत स्थिति में होगा।

आईटीआर फाइल करने के बाद अभी तक नहीं मिला रिफंड? जानें किन 5 वजहों से रुक सकता है

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख निकले हुए एक महीना हो गया है। ज्यादातर टैक्सपेयर्स ने अपनी रिटर्न फाइल कर दी है। अगर जिन टैक्सपेयर्स का रिफंड निकल रहा है, वे अपने रिफंड के इंतजार में हैं। कुछ लोगों को रिफंड मिलना शुरू भी हो गया है। आईटीआर फाइल करने के करीब एक महीने के भीतर रिफंड आ जाता है। अगर आपका भी रिफंड बन रहा है और अभी तक नहीं मिला, तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि आपने आईटीआर सही फाइल न किया हो। ध्यान रखें कि रिफंड तभी मिलता है जब इनकम टैक्स विभाग आपके आईटीआर को प्रोसेस करेगा और आपको इसकी पुष्टि करने वाला नोटिस भेजेगा। यह नोटिस आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 143(1) के तहत जारी किया जाता है।

सीधे अकाउंट में जमा होती है रकम

सारी प्रक्रिया सही और पूरी होने के बाद इनकम टैक्स विभाग जो रिफंड की जो रकम निकलती है, उसे टैक्सपेयर के बैंक अकाउंट में सीधे जमा कर दिया जाता है। हालांकि यह रकम उसी बैंक अकाउंट में जाती है जो इनकम टैक्स की वेबसाइट पर टैक्सपेयर के अकाउंट से जुड़ा होता है। ऐसे में यह जरूरी है कि बैंक अकाउंट नंबर और आईएफएस कोड (आईएफएससी) सही भरा हो। इनकम टैक्स विभाग की वेबसाइट पर जाकर अपना अकाउंट लॉनइन करें और चेक करें कि बैंक अकाउंट की डिटेल्स सही हैं या नहीं।

कितने दिन लगते हैं रिफंड मिलने में?

रिफंड पाने के लिए अपने टैक्स रिटर्न को ऑनलाइन वेरिफाई करना जरूरी होता है। आमतौर पर रिफंड आपके खाते में जमा होने में 4 से 5 हफ्ते लगते हैं। अगर आपको इतने समय में रिफंड नहीं मिला है तो इसके बारे में इनकम टैक्स को ईमेल करके जानकारी ले लें। इसके अलावा आप ई-फाइलिंग वेबसाइट पर जाकर भी अपने रिफंड की स्थिति ट्रैक कर सकते हैं।

दिवालिया होने की दहलीज पर खड़ा है हर भारतीय! नितिन कामथ ने बताया कैसे बच सकते हैं आप

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। बीमारियां लोगों को सिर्फ शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी उन्हें तोड़कर रख देती है। इलाज के लगातार बढ़ते खर्च ने बीमारियों को आर्थिक मुद्दा बना दिया है। एक बार बीमार पड़े और उसके इलाज में आपकी सालों की बचत स्वाहा हो गई। जीरोधा के नितिन कामथ ने भी अब इस संवेदनशील मुद्दे को उठाया है।जीरोधा के को-फाउंडर एवं सीईओ नितिन कामथ ने इस बारे में हाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट अपडेट किया। उस पोस्ट में कामथ बता रहे हैं कि यह कितना बड़ा मुद्दा बन गया है। उन्होंने लिखा- ज्यादातर भारतीय बैंकरप्ट होने से सिर्फ एक हॉस्पिटलाइजेशन भर की दूरी पर हैं। मतलब भारत के ज्यादातर लोग किसी कारण अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आने पर दिवालिया हो सकते हैं।कामथ बीमारियों और इलाज की आर्थिक लिहाज से गंभीरता बताते हुए कहते हैं कि आज के समय में हर किसी के लिए अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान जरूरी है। उन्होंने पोस्ट के साथ में यह भी बताया है कि हेल्थ इंश्योरेंस प्लान को कैसे चुना जाना चाहिए।

आरबीआई: 'यूपीआई के कई और देशों तक बढ़ने की संभावना'

जीडीपी पर क्या बोले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास?

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने जीडीपी वृद्धि दर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर दास ने कहा, इस साल की पहली तिमाही के लिए, रिजर्व बैंक का अनुमान 7.1% की वृद्धि दर का था। लेकिन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी वास्तविक संख्या 6.7% है। यह 7.1% से कम है। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे लगता है कि सभी क्षेत्रों में, पहली तिमाही में विकास दर 7% से अधिक है। दो पहलुओं ने इसे थोड़ा नीचे खींच दिया है, इसमें एक सरकारी व्यय है, जो केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों का व्यय है। चुनावी आचार संहिता जारी होने के कारण इसमें थोड़ी कमी दिखी। दूसरी चीज जो थोड़ी कम रही वह थी कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर, जो लगभग 2% या उससे कम की दर से बढ़ी...। दूसरी ओर यूपीआई पर बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा उन्हें उम्मीद है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) कई और देशों तक बढ़ेगा। ओडिशा के पांच दिवसीय दौरे पर आए दास ने कहा कि यूपीआई पहले ही क्यूआर कोड और फास्ट पेमेंट सिस्टम के जरिये कई देशों में मौजूद है और कई अन्य देशों के साथ इस पर चर्चा चल रही है। उन्होंने शुक्रवार शाम को यहां संवाददाताओं से कहा, "हमें उम्मीद है कि यह वैश्विक स्तर पर और बढ़ेगा और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंचेगा।"दास ने बुधवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि इस दिशा में पहले से ही भूटान, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नामीबिया, पेरू, फ्रांस और कुछ अन्य देशों के साथ उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से दुनिया भर में भारत की पहलों को अपनाने के लिए सकारात्मक रुख का पता चलता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह मे	सिंह-	05-06 बजे
चंद्र-	कर्क मे	कन्या-	07-12 बजे
मंगल	मिथुन मे	तुला-	09-16 बजे
बुध-	कर्क मे	वृश्चिक-	11-26 बजे
गुरु-	वृष मे	धनु-	13-40 बजे
शुक्र-	कन्या मे	मकर...	15-48 बजे
शनि-	कुंभ. मे	कुंभ-	17-36 बजे
राहु-	मीन मे	मीन-	19-16 बजे
केतु-	कन्या मे	मेष--	20-52 बजे
		वृष..	22-45 बजे
		मिथुन..	00-36 बजे
		कर्क..	03-36 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-05
सूर्यास्त. -18-28
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 05-22 तक उपरान्त अमावस्या
मास - भाद्रपद कृष्ण , रविवार 01 September
नक्षत्र - आश्लेषा 21-48 तक उपरान्त मघा
योग - परिघ 17-49 तक उप शिव
करण- विष्टी 16-28 तक उप शकुनि
विशेष:- मासिक शिवरात्री
व्रत -त्योहार - भद्राकाल -16-28 तक

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:55 से 18:28 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:05 - 07:36	अशुभ	शुभ	18:28 - 19:55	शुभ
चंचल.	07:36 - 09:10	शुभ	अमृत	19:55 - 21:22	शुभ
लाभ.	09:10 - 10:43	शुभ	चंचल	21:22 - 22:49	शुभ
अमृत	10:43 - 12:16	शुभ	रोग	22:49 - 00:16	अशुभ
काल	12:16 - 13:49	अशुभ	काल	00:16 - 01:43	अशुभ
शुभ	13:49 - 15:22	शुभ	लाभ.	01:43 - 03:10	शुभ
रोग	15:22 - 16:55	अशुभ	उत्पात	03:10 - 04:37	अशुभ
उत्पात	16:55 - 18:28	अशुभ	शुभ	04:37 - 06:05	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केनद्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा ।आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा ।आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें ।अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हेमंत सरकार के 'मंईयां सम्मान योजना' पर लग सकता है 'ग्रहण'

रोक लगाने के लिए हाई कोर्ट में याचिका

रांची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में चुनाव से पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। सिमडेगा के निवासी विष्णु साहू ने अपने वकील राजीव कुमार के जरिये जनहित याचिका दायर कर इस योजना पर रोक लगाने की मांग की है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि सरकार चुनाव नजदीक देखकर मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की योजनाएं बांट रही है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि मुफ्त में कुछ भी नहीं बांटा जा सकता। याचिकाकर्ता का तर्क है कि यह योजना पूरी तरह से चुनावी लाभ के लिए लाई गई है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करती है, इसलिए इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए।

'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' राज्य सरकार की एक

महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत, अगर किसी परिवार में तीन महिलाएं और बुजुर्ग सदस्य हैं, तो उन्हें सरकार सालाना 60 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देगी। इतना ही नहीं, अगली बार सरकार बनने पर इस राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति परिवार करने का भी वादा किया गया है। सरकार का दावा है कि इस योजना से अब तक 42 लाख से ज्यादा महिलाएं जुड़ चुकी हैं।

योजना के तहत, ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र और पंचायत भवन जबकि शहरी क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र या उपायुक्त द्वारा निर्धारित जगहों को आवेदन संग्रहण केंद्र बनाया गया है। महिलाएं इन केंद्रों पर जाकर योजना के लिए आवेदन जमा कर सकती हैं। आवेदन के साथ एक पासपोर्ट साइज़ फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और राशन कार्ड की छायाप्रति जमा करनी होगी। पहले इस योजना के लिए आवेदन सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जा रहे थे, लेकिन बाद में ऑफलाइन आवेदन का विकल्प भी दिया गया। आवेदन मिलने के बाद, जानकारी को जैप आईटी द्वारा विकसित पोर्टल पर डिजिटाइज़ किया जाता है। यह प्रक्रिया उपायुक्त की देखरेख में पूरी की जाती है। हाल ही में, महिला एवं बाल विकास विभाग ने योजना के क्रियान्वयन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत, अब महिलाओं के लिए मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य नहीं होगा।

चंपाई के बाद लोबिन हेम्ब्रम ने थामा भाजपा का दामन

बोले- जेएमएम में पुराने नेताओं की पूछ नहीं, संताल में बदल रही डेमोग्राफी

रांची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। चंपाई सोरेन के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा को दूसरा झटका लगा है। पार्टी से निलंबित लोबिन हेम्ब्रम ने आज भाजपा का दामन थाम लिया है। लोबिन के आने से संताल में भाजपा मजबूत हुई है।

संताल परगना के बोरियो से निर्वाचित लोबिन हेम्ब्रम ने हेमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, चंपाई सोरेन और सीतो सोरेन की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ली।

लोबिन हेम्ब्रम ने इस मौके पर कहा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से उनकी कोई नाराजगी नहीं है। पार्टी के नए नेताओं से है। उस पार्टी में पुराने नेताओं की कोई इज्जत पार्टी में नहीं रह गई है. धीरे-धीरे पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता झामुमो से किनारा कर रहे हैं। अभी और कई और नेता पार्टी छोड़ेंगे।

लोबिन ने आगे कहा, मैंने जेएमएम को सजाने और संवारने

का काम किया। आज भी मैं गुरुजी का भक्त हूं, उन्होंने मुझे राजनीति सिखाई है। चंपाई दा के साथ मिलकर जेएमएम को एक लक्ष्य तक पहुंचाने का संकल्प लिया था। गुरु जी के समय का झामुमो आज नहीं है वो पूरी तरह बदल गया है। शराब नीति का जिक्र करते हुए लोबिन ने कहा कि मैंने छत्तीसगढ़ शराब नीति का मैंने सदन के अंदर विरोध किया था। संथाल परगना की डेमोग्राफी पर भी उन्होंने अपनी बात रखी और कहा, बांग्लादेशियों की वजह से आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है।

रांची से मधेपुरा जा रहा था पार्सल कंटेनर

बॉर्डर पर पुलिस ने की जांच तो नशीले पदार्थों का खेप मिला

नवादा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में पुलिस ने एक पार्सल कंटेनर से भारी मात्रा में नशीला कफ सिरप पकड़ा है। यह घटना रजौली चेकपोस्ट पर हुई, जो नवादा जिले की सीमा पर है। कंटेनर ड्राइवर उमेश यादव जमुई जिले का रहने वाला है, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उमेश ने बताया कि वह यह कफ सिरप रांची से मधेपुरा ले जा रहा था। पुलिस को शक है कि यह खेप नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए लायी जा रही थी। दरअसल, मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि इस रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी हो सकती है। सूचना के आधार पर टीम रजौली चेकपोस्ट पर गाड़ियों की जांच कर रही थी।

टीम को चेकिंग के दौरान एक पार्सल कंटेनर को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी में कंटेनर से भारी मात्रा में नशीला कफ सिरप बरामद हुआ।

पूछताछ में कंटेनर ड्राइवर उमेश ने बताया कि उसने यह खेप रांची के लालपुर से लोड की थी और उसे मधेपुरा पहुंचाना था। उसने यह भी बताया कि वह जमुई जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के लुसिधानी गांव का रहने वाला है और प्रदीप यादव का बेटा है। फिलहाल, पुलिस उमेश से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। नवादा के मद्य निषेध अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि रजौली चेकपोस्ट के रास्ते मादक पदार्थ की खेप लाये जाने की सूचना पर चेकपोस्ट की टीम को अलर्ट किया गया था। 3450 लीटर प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की गई है। कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह पिछले एक महीने में जिले में नशीली कफ सिरप की बरामदगी का दूसरा मामला है।

इससे पहले 30 जुलाई को उत्पाद टीम ने गोविन्दपुर चेकपोस्ट पर पश्चिम बंगाल से लायी जा रही कफ सिरप की 2000 लीटर की खेप बरामद की थी, जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी गई थी।

पेट में सरिया घुसाकर कोटवार की हत्या

कोरबा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कोरबा में पसान थानांतर्गत लैंगा गांव में कोटवार का हत्या का एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात लोगों द्वारा लैंगी गांव में धारदार हथियार से गांव के कोटवार को मौत के घाट उतार दिया। पेट में चाकू से हमला किया गया है,जिससे उसकी सांसे उखड़ गई। मृतक का नाम रामदास महंत था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्यवाही शुरू की। बताया जा रहा कि मृतक कोटवार रामदास महंत लौंगा गांव का रहने वाला था गांव में उसका दो मकान है एक गांव के बस्ती में वही गांव के पास लगे सीमा में मकान बनाया हुआ है गुरुवार की शाम वह अपने विद्युत व्यवस्था बिगड़ने पर उसे ठीक करने गया हुआ था जहां घर से 200 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे खेत में उसकी लाश रक्त रंजिश हालत में मिली। इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते ग्रामीण की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना पसान थाना पुलिस को दी गई।

आंखों से लेकर लिवर और किड़नी तक करेंगे दान

छत्तीसगढ़ के पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंह देव ने लिया अंगदान का संकल्प

रायपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने नेत्र व अन्य अंगों का दान करने के लिए संकल्प पत्र भरा है। उन्होंने मृत्यु उपरांत अपने नेत्र एवं किडनी, लीवर व अन्य अंगों के दान का संकल्प लेते हुए भारत सरकार के अधिकारिक वेबसाइट पर अपना पंजीयन कराया है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने अंगदान का संकल्प पत्र भरने के बाद कहा कि मैंने भी महसूस किया है कि समाज के प्रति हम सभी की आवश्यक जवाबदेही अंगदान है, जो देश भर में अभी उतनी स्वीकार्य नहीं हो पाई है। अभी तक जो भी मृत्यु उपरांत दाह संस्कार इत्यादि की परंपरा रही है। अभी तक हमारी सोच में वह जगह नहीं बन पाई है कि मृत्यु के बाद हमारा अंग दूसरों के काम आ सकता है।

सिंह देव ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने नेत्रदान का संकल्प लिया था, लेकिन वह पंजीकृत

नहीं हो सका था। टीएस सिंह देव ने नेत्रदान सहित अपने किडनी, लीवर व टिस्यू के दान का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि मृत्यु के उपरांत ये अंग किसी के काम आ सकते हों तो आएं।

सिंह देव ने बताया कि पूर्व में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए प्रदेश में लीवर, किडनी ट्रांसप्लांट के लिए दिक्कत हो रही थी। अब राष्ट्रीय स्तर पर अंगदान की संस्थाएं छत्तीसगढ़ में स्थापित हैं और चल रही हैं। आज अंगदान का यह संकल्प पत्र भर कर मुझे गहरा संतोष हुआ है। टीएस सिंह देव के भतीजे आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने भी मृत्यु के बाद अपने नेत्र एवं अन्य अंगों के दान का संकल्प लिया। आदितेश्वर ने कहा कि दो साल पहले ही अंगदान का निर्णय लिया था। आज उसका रजिस्ट्रेशन किया।

छत्तीसगढ़ अंगदान के मामले में अंतिम पायदान पर था, अब वह बीसवें स्थान पर आया है। कई संस्थाएं इसमें अच्छा काम कर रही हैं, जिससे समाज मे जागरूकता बढ़ रही हैं।

झारखंड में गैंगस्टर हो गए बेखौफ

अमन साहू गिरोह ने अब झारखंड और छत्तीसगढ़ पुलिस को दी धमकी

रांची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में गैंगस्टर बेखौफ हो गए हैं। उनमें पुलिस का कोई डर नहीं है। चाईबासा जेल में बंद कुख्यात अपराधी अमन साहू के नाम से अब सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर झारखंड और छत्तीसगढ़ पुलिस को धमकी दी गई है। इसमें कहा गया है कि पुलिस को यह अंतिम वॉर्निंग है। जेल के अंदर या बाहर रहने वाले मेरे आदमी को परेशान करना बंद करो।

इसके बाद वॉर्निंग नहीं, सीधे लाश उठाओगे। रिजल्ट बहुत जल्द सामने आएगा। जो भी मेरे आदमी के करीब जाने का प्रयास करेगा, वह अपनी मौत का जिम्मेदार खुद होगा। इस पोस्ट का खुलासा होने के बाद पुलिस इस गिरोह के सदस्यों पर कड़ी नजर रख रही है।

पुलिस को पता चला है कि यह पोस्ट मलेशिया से किया गया है। अमन साहू के नाम से फेसबुक पर अकाउंट चल रहा है। इस पर लगातार हथियार आदि के पोस्ट किए जाते हैं। अब इसी आईडी से

पुलिस को धमकी दी गई है। इससे पहले भी इसी अकाउंट पर गोलीबारी या अन्य आपराधिक घटनाओं की जिम्मेदारी लेता रहा है। भूल तो नहीं गए मुझे, कैसे हो आप सभी लोग। पुलिस प्रशासन का मैं बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन जब मेरे साथियों और परिवार पर बात आएगी तो मैं या मेरे लोग उग्र तो जरूर होंगे। अमन साहू गैंग सिर्फ गैंग नहीं है, यह एक सोच है। जहां तक मुझे पता चला है कि मेरे साथियों को बहुत परेशान किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन से अनुरोध है कि जेल के अंदर या बाहर मेरे साथियों का ध्यान ठीक से रखा जाए। उन्हें परेशान करना बंद करें। वरना इसका गंभीर नतीजा भुगतना होगा। अमन का इतना आतंक है कि उसे एक जेल में ज्यादा दिन रखना जेल प्रशासन के लिए भी मुश्किल होता है। वह जिस जेल में जाता है, वहां अपना साम्राज्य खड़ा कर लेता है। यही वजह है कि उसे लगातार दूसरी जेलों में शिफ्ट किया जाता है। जेल में रहते हुए उसने कई अपराधियों को अपने गिरोह में शामिल कर लिया है, जो बाहर आते ही उसके लिए आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। तीन साल में वह आठ जेलों का चक्कर काट चुका है।

फिलहाल 21 जुलाई से वह चाईबासा जेल में बंद है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा- इसे मलेशिया से सुनील मीना उर्फ मयंक सिंह ने फेसबुक पर पोस्ट किया है। यह पोस्ट अमन साहू के भाई आकाश साहू की गिरफ्तारी के बाद की गई है। आकाश को एनआईए ने 6 अगस्त को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि एटीएस भी इस पर बारीकी से नजर रख रही है। रामगढ़, देवरिया पंचायत भवन के पास पीसीसी रोड बना रहे ठेकेदार से लेवी वसूलने आए पांडेय गिरोह के चार अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें बड़कागांव निवासी ओमप्रकाश साव, मुकेश साव, सागर कुमार और वाशरी कॉलोनी गिद्दी, हजारीबाग का सूरज सिंह शामिल है। ओमप्रकाश पर 15, मुकेश पर दो और सूरज पर एक केस दर्ज है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को लेवी वसूलने के लिए अपराधियों के जुटने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो दो बाइक पर सवार पांच लोग भागने लगे। पुलिस ने खदेड़कर चार लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने खुद को पांडेय गिरोह का आदमी बताया।

मंत्री राजवाड़े के जेठ पर एफआईआर, नशे में की थी बदसलूकी

बस कर्मचारी से गाली-गलौज, फिर धमकी दी, पुलिसकर्मी का नोचा था बैच

सरगुजा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के जेठ राजू राजवाड़े और साथी राजू सिंह के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। अंबिकापुर में दोनों ने नशे की हालत में पुलिसकर्मी और बस कर्मचारी से बदसलूकी की थी। बस कर्मचारी की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया है, जबकि पुलिसकर्मी की शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई है। बस कर्मचारी का आरोप है कि 25 अगस्त की रात राजू राजवाड़े और राजू सिंह अपनी कार को बस स्टैंड पर लगाकर शराब पी रहे थे, जिसकी वजह से जाम लग गई। कार नहीं हटाने से विवाद बढ़ गया। बस कर्मचारी ने कहा कि राजू राजवाड़े

और राजू सिंह ने गाली-गलौज और धमकी भी दी। विवाद के बाद पुलिसकर्मी राजू राजवाड़े और राजू सिंह को बस स्टैंड पुलिस चौकी ले आई थी। इस दौरान राजू राजवाड़े ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जेठ बताते हुए उनसे बात कराने कहा। पुलिस ने दोनों की जांच कराई और छोड़ दिया था। जांच रिपोर्ट में राजू राजवाड़े और राजू सिंह नशे की हालत में मिले थे। प्रधान आरक्षक देव नारायण नेताम ने राजू राजवाड़े के खिलाफ हुज्जत और गाली-गलौज करने के साथ ही वर्दी का बैच नोच लेने की शिकायत की थी।

पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक स्थल पर शराब सेवन, गाली-गलौज और धमकी देने की धारा 296, 351(2) और आबकारी एक्ट की धारा 36 (च) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

देवेंद्र यादव बिहार कांग्रेस के प्रभारी सचिव बने

कांग्रेस ने 25 राज्यों में किया फेरबदल

रायपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने 25 राज्यों में सचिव और संयुक्त सचिव की नियुक्तियां की हैं। एसए संपत कुमार और जारिता लैटफलांग को छत्तीसगढ़ का प्रभारी सचिव बनाया गया है। सप्तगिरि उल्का और चंदन यादव को हटाया गया है। इसके अलावा विजय जांगिड़ को छत्तीसगढ़ कांग्रेस का संयुक्त सचिव बनाए रखा है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव को बिहार का प्रभारी सचिव बनाया गया है। वहीं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय जिनके पास असम की जिम्मेदारी थी उन्हें हटाया गया है।

कांग्रेस के 2 नेताओं को अलग-अलग प्रदेश में जिम्मेदारी मिली है। इनमें भिलाई नगर से विधायक देवेंद्र यादव को बिहार

का प्रभारी सचिव बनाया गया है। वहीं राजेश तिवारी 4 और नेताओं के साथ उत्तरप्रदेश के सचिव बनाए गए हैं। छत्तीसगढ की भिलाई नगर विधानसभा सीट से 2018 और 2023 में चुनाव जीता है। 25 साल 10 महीने की उम्र में भिलाई नगर निगम के मेयर बने थे। 2017 से 2018 तक यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव।

2011 से 2014 तक एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष, 17 अगस्त को बलौदाबाजार हिंसा में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

उत्पाद सिपाही भर्ती की दौड़, 2 दिन में 4 मौत

4 दिन में 80 से ज्यादा बेहोश, एक घंटे में 10 किमी दौड़ना जरूरी

पलामू, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी नौकरी की चाहत ने पलामू में 4 युवकों की जान ले ली। पलामू में उत्पाद सिपाही की दौड़ में शामिल 4 कैंडिडेट की 2 दिन में मौत हो गई है। ये सभी दौड़ के दौरान बेहोश होकर गिर गए थे। इनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान मौत हुई। अब तक दौड़ते हुए 80 से ज्यादा लोग बेहोश हो गए हैं।

गुरुवार को एक कैंडिडेट अमरेश कुमार (19) की मौत हो गई थी। डॉक्टर का कहना है कि कार्डियेक अरेस्ट से उसकी मौत हुई। वहीं 3 युवाओं ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। गर्मी, डी-हाइड्रेशन के कारण मौत की बात कही जा रही है। इधर दौड़ में शामिल अभ्यर्थियों ने इसके लिए हवाई अड्डा मैदान के जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि गर्मी के मौसम में उन्हें अलकतरा वाली पट्टी पर दौड़ाया जा रहा है। अगर मिट्टी के मैदान में दौड़ाया जाता तो यह स्थिति नहीं होती। दौड़ने के दौरान बेहोश हो गए युवाओं के बेहतर इलाज की व्यवस्था भी नहीं है। झारखंड में तकरीबन 44 साल बाद उत्पाद सिपाही के पद के लिए भर्तियां शुरू की है। विभाग में सिपाही पद के लिए योग्यता केवल 10वीं पास है, लेकिन यह नौकरी हासिल करने के लिए मास्टर डिग्रीधारी युवा भी दौड़ में शामिल हैं। जेएसएससी आबकारी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा 2024 के माध्यम से उत्पाद सिपाही के 583 पदों पर भर्ती हो रही है। बिहार के गया जिले के बड़ेला थाना का रहने वाला 19 साल का अमरेश उत्पाद सिपाही की नियुक्ति की दौड़ में शामिल हुआ था। दौड़ने के दौरान वह बेहोश होकर गिरा तो उसकी सांस ही उखड़ गई। अमरेश के मौत के साथ ही उसके परिवार के कई सपने भी टूट गए। उसके घर वाले बताते हैं कि चार भाइयों में सबसे छोटा अमरेश काफी होनहार था। इंटर पास करने के बाद से ही पिछले दो साल से वह सरकारी नौकरी की तैयारी में लगा हुआ था। रोज सुबह उठकर दौड़ की प्रैक्टिस गांव के मैदान में करता था। अग्निवीर और अन्य नियुक्तियों में लगातार दौड़कर नौकरी लेने के प्रयास में लगा था। पिता धनंजय यादव खेती करते हैं।

अमरेश के घर की माली हालत ठीक नहीं है। उसके दो भाई बाहर मजदूरी करते हैं और एक भाई ऑटो चलाता है। अमरेश की मौत की खबर उसके घर वालों को गया के परहिया थाना के माध्यम से मिली। बड़ा भाई ओमप्रकाश और चाचा मंटू कुमार एमएमसीएच पहुंचे। शव को देखते ही दोनों फफक पड़े। पोस्टमॉर्टम के बाद शव लेकर घर लौटे। इस दौरान चाचा ने कहा कि भतीजे के सही समय पर इलाज मिलता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी।

बस में 50 साल की महिला से रेप

रायपुर में ड्राइवर ने नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई, बेहोश होने के बाद किया दुष्कर्म

रायपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर के भाटागांव स्थित बस स्टैंड पर खड़ी बस में एक 50 साल की महिला से रेप हुआ है। बस ड्राइवर ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया था। महिला जब बेसुध हो गई तो शुक्रवार रात करीब 11 बजे उसके साथ दुष्कर्म किया। इससे पहले आरोपी दिनभर महिला के साथ था। उसे खाना भी खिलाया।

आरोपी सोनी लाल झरिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। पीड़िता महासमुंद जिले की रहने वाली है। पारिवारिक विवाद की वजह से वह घर छोड़कर निकल गई थी। बीते तीन दिनों से वह बस स्टैंड के पास ही रह रही थी।

केंद्र-राज्य से जवाब न मिलने पर हाईकोर्ट नाराज

आदिवासियों के धर्मांतरण का चल रहा खेल, अब जुर्माना भी लग सकता है

रांची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को धर्मांतरण रोकने के लिए दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने इस मामले में केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों के धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसके बावजूद सरकार चुप्पी साधकर बैठी हुई है।

इस मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए कई मौके दिए गए लेकिन अब तक जवाब दाखिल नहीं हुआ।

केन्द्र सरकार भी उदासीन रवैया अपना रही है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर इतने संवेदनशील मुद्दे पर आम जनता को दिग्भ्रमित कर रही है। अदालत में जवाब दाखिल नहीं किया गया तो जुर्माना भी लगाया जा सकता है। अदालत ने केन्द्र और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका देते हुए मामले की सुनवाई पांच सितंबर को निर्धारित की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिलों में धर्मांतरण को लेकर डेटा एकत्र कर लिया गया है।

रांची की लचर ट्रैफिक व्यवस्था

हाईकोर्ट ने कहा- सिर्फ वीआईपी मूवमेंट में ही सक्रिय दिखती है ट्रैफिक पुलिस, बाकी समय करती है वसूली

रांची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने राजधानी रांची की लचर ट्रैफिक व्यवस्था पर फिर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने ट्रैफिक में सुधार के सारे दावों को खोखला बताते हुए कड़ी टिप्पणी की है।

हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने शुक्रवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से कहा कि ट्रैफिक सुधारने के लिए अदालत कई बार निर्देश दे रहा है, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है।

शहर की यातायात व्यवस्था संभालने वाली ट्रैफिक पुलिस सिर्फ वीआईपी मूवमेंट में ही सजग दिखती है। यातायात संभालने से अधिक वे अपनी व्यवस्था बनाने में लगे रहते हैं। उन्हें शिकार की तलाश रहती है, ताकि वसूली की जा सके। मंत्रियों और अधिकारियों के मूवमेंट को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर समय ट्रैफिक पुलिसकर्मी वसूली पर ही ध्यान देते हैं।

अदालत ने सड़कों को जाम मुक्त बनाने के लिए सब्जी विक्रेताओं को सड़क से हटाने का निर्देश दिया। अदालत ने निगम को कहा कि फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका प्रभावित न हो और शहर जाम भी न हो, इसलिए उन्हें सड़क से हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट करें।

अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि शहर में लगे सीसीटीवी कैमरा सिर्फ दिखावे के लिए लगाए गए हैं। इनमें से अधिकांश कैमरे खराब हो गए हैं। कैमरा लगने से न ट्रैफिक व्यवस्थित हो रहा, न अपराध रुक रहा है। ऐसे में सरकार-प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी, ताकि आम लोगों को इसका लाभ मिले।

अदालत ने कहा कि शहर की सड़कों को ऑटो और ई- रिक्शा चालकों ने स्टैंड और पार्किंग स्थल बना दिया है। आधी से अधिक सड़क पर ऑटो व ई-रिक्शा चालकों का ही कब्जा रहता है। इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस उन्हें नहीं हटाती है। मेन रोड में लोग जहां-तहां वाहन लगा देने से जाम लगता है।

आदमखोर तेंदुए का आतंक

3 साल की मासूम बच्ची को बनाया निवाला बुजुर्ग पर किया हमला, दहशत में ग्रामीण

धमतरी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक स्थित ग्राम धौराभाठा में आदमखोर तेंदुए की दहशत से ग्रामीण परेशान हैं। लगातार हो रहे तेंदुए के हमलों ने पूरे गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना दिया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्दी पकड़कर कहीं और छोड़ने की मांग की है। शुक्रवार की शाम को तेंदुए ने गावं धौराभाठा में 3 वर्षीय मासूम बच्ची नेहा कमार पर हमला कर उसकी जान ले ली। घटना के कुछ घंटे बाद, तेंदुए ने बुजुर्ग व्यक्ति बुधराम कमार पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बुजुर्ग व्यक्ति अपने घर में सो रहे थे जब तेंदुए ने उनके सिर पर हमला किया। तेंदुए की हमला करने की चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग जाग गए और तेंदुआ भाग गया। इस घटना के बाद, देर रात तेंदुए ने एक पालतू कुत्ते को भी उठा लिया। धौराभाठा गांव से लगभग 1 किलोमीटर दूर स्थित गांव खुदुरपानी में, बिरेंद्र नेताम के साथ उसकी पालतू कुत्ता था। जब वह लघुशंका के लिए बाहर निकला तेंदुए ने उसके सामने कुत्ते पर हमला किया और उसे जंगल में ले गया। मृत बच्ची के घर के पास सड़क पर भी तेंदुए को देखा गया। पिछले महीने, सिहवा थाना क्षेत्र के ग्राम कोरमूड में भी तेंदुए ने एक मासूम बच्ची ऋतिका मरकाम की जान ले ली थी।

रूस में उड़ान के बाद हेलीकॉप्टर हुआ लापता, 22 लोग हैं सवार

मॉस्को, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रूस में बड़े हादसे की खबर है। दरअसल रूस का एक हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान लापता हो गया है। हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। हेलीकॉप्टर जिस वक्त लापता हुआ, उस वक्त उसमें तीन क्रू के सदस्यों समेत कुल 22 लोग सवार थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के एमआई-8टी हेलीकॉप्टर ने शनिवार को रूस के पूर्वी इलाके में स्थित कामाचाटका पेनिसुला से उड़ान भरी थी। हेलीकॉप्टर में तीन क्रू सदस्यों समेत कुल 22 लोग सवार थे। रूस की संघीय हवाई यातायात एजेंसी ने बताया कि हेलीकॉप्टर वचकाझेट्स बेस से उड़ा था, लेकिन जब तय समय पर भी हेलीकॉप्टर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचा, इसके बाद खोज अभियान चलाया गया है। एमआई-8टी एक दो इंजन वाला हेलीकॉप्टर है, जिसे साल 1960 में डिजाइन किया गया था। रूस के अलावा कई अन्य देशों द्वारा भी इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इस हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का भी लंबा इतिहास है।

नॉर्वे की राजकुमारी की अमेरिकी तांत्रिक से शादी

कोरोना भगाने के लिए ताबीज बेच चुका, 28 की उम्र में मरकर जिंदा होने का दावा

वाशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नॉर्वे की राजकुमारी मार्था लुइस अमेरिका के तांत्रिक ड्युरेक वेरेट से शादी कर रही हैं। दोनों 31 अगस्त यानी कल नॉर्वे के ऐलेसंड शहर के एक चर्च में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। शादी के बाद मेहमानों के लिए नावों पर खाना परोसा जाएगा।

नॉर्वे की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों से कहा गया है कि वे इस दौरान मोबाइल फोन या कैमरे का इस्तेमाल न करें और सोशल मीडिया पर शादी से जुड़ा कुछ भी पोस्ट न करें।

52 साल की राजकुमारी की शादी में स्वीडेन के शाही परिवार के अलावा कई मीडिया इंफ्लुएंसर्स और टीवी सेलेब्रिटीज शामिल होंगे। ड्युरेक वेरेट को नॉर्वे की मीडिया में ठग कहा जाता है। दोनों ने शादी की स्पेशल कवरेज के लिए 'हेलो!' मैगजीन से करार किया है।

इसका मतलब है कि उनकी शादी को कवर करने के लिए बाकी मीडिया को इजाजत नहीं मिली है। दोनों ने नेटफ्लिक्स के साथ भी करार किया है जो पिछले 1 साल से उनकी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर रहा है। नेटफ्लिक्स मार्था की कहानी पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने वाला है। मार्था लुईस 2019 से 49 साल के वेरेट के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों ने 2022 में सगाई की थी। सगाई के बाद राजकुमारी ने शाही जिम्मेदारियों को छोड़ दिया था। हालांकि अपने पिता और नॉर्वे के राजा के कहने पर मार्था ने राजकुमारी का खिताब अपने पास ही रखा है। वे बिजनेस में 'राजकुमारी' टाइटल का इस्तेमाल नहीं करती हैं। 2017 में मार्था ने अपने पहले पति एरी बेहन से तलाक ले लिया था। इसके 2 सालों के बाद उनका देहांत हो गया। मार्था की पिछली शादी से 3 बच्चे हैं। चर्चित तांत्रिक वेरेट के साथ अपने रिलेशनशिप की वजह से मार्था लुईस कुछ सालों से काफी सुर्खियों में रही हैं।

राजकुमारी ने साल 2002 में दावा किया था कि वह भगवान के दूतों से बात कर सकती हैं। उन्होंने भविष्य बताने से जुड़ा बिजनेस भी स्टार्ट किया था। इसके लिए उन्होंने 'हर रॉयल हाइनेस' का खिताब भी छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने 2007 में एक स्कूल खोला। वे दावा करती थीं कि इसमें चमत्कार करना और देवताओं से बात करना सिखाया जाता है।

राजकुमारी मार्था राजा हैराल्ड की सबसे बड़ी संतान हैं। उनके छोटे भाई क्राउन प्रिंस हकोन, अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में राजा बनेंगे।

यूक्रेन की लड़ते रहने की क्षमता पुतिन की आक्रामकता पर काबू पाने में करेगी मदद

बोले रक्षा मंत्री ऑस्टिन

वॉशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से अधिक समय से जारी है। फिलहाल यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में, कीव का लगातार साथ दे रहे अमेरिका ने एक बार फिर अपने समर्थन की पुष्टि की है। विदेश रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन III का कहना है कि यूक्रेन की खड़े रहने की क्षमता से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आक्रामकता और अत्याचार पर काबू पाया जा सकेगा। बता दें, ऑस्टिन ने यह बयान उस समय दिया, जब उन्होंने आज पेंटागन में यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव से मुलाकात की। पेंटागन ने कहा कि ऑस्टिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेन के महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे पर रूस के हमले की निंदा की। साथ ही कहा कि अमेरिका यूक्रेन को अपनी आत्मरक्षा में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमताएं देने में सहयोगियों और साझेदारों का नेतृत्व करना जारी रखेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने आगे कहा, 'मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि नागरिकों को निशाना बनाना कभी स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। यूक्रेन की खड़े रहने की क्षमता पुतिन की आक्रामकता और अत्याचारों पर काबू पाने में मदद करेगा।'

उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेनी सेना लगातार दृढ़ बनी हुई है। वे क्रेमलिन के हमले को रोकना और रूसी सेना को बड़ा नुकसान पहुंचाना जारी रखे हुए है।

जर्मनी ने 28 अफगानियों को उनके देश वापस भेजा

मदद के लिए 1000 यूरो भी दिए, इन पर कई अपराधों में शामिल होने का आरोप

बर्लिन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। जर्मनी ने 28 अफगान नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया है। इन सभी लोगों को शुक्रवार सुबह कतर एयरवेज के चार्टर प्लेन से भेजा गया। रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी अपराधियों को 1000 यूरो (करीब 93 हजार रुपए) दिए गए। प्लेन में उनके साथ एक डॉक्टर भी भेजा गया। जर्मनी ने अफगानिस्तान में 3 साल पहले तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद इस तरह का पहला कदम उठाया है। जर्मनी के तालिबान के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं, इसलिए कतर ने इन अपराधियों को अफगानिस्तान भेजने में मीडिएटर का काम किया। बीबीसी के मुताबिक जर्मन चांसलर के प्रवक्ता ने कहा कि ये सभी लोग अपराध में लिप्त थे। हालांकि उनका अपराध क्या था इस बारे में नहीं बताया गया। गृह मंत्री नैन्सी फेजर ने इस कदम को जर्मनी के लिए सुरक्षा का मुद्दा बताया। जर्मन अखबार स्पीगेल के मुताबिक सरकार इसकी तैयारी 2 महीने से कर रही थी। लेकिन यह कदम सोलिंगन में चाकू से हमले की घटना के एक सप्ताह बाद उठाया गया। सोलिंगेन में 23 अगस्त को एक चाकूबाजी की घटना में 3 लोग मारे गए थे वहीं, 5 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। पुलिस ने एक दिन बाद हमलवार को पकड़ लिया था। संदिग्ध एक सीरियाई नागरिक है जिसने जर्मनी में शरण के लिए आवेदन किया था। उसे पिछले साल बुल्गारिया भेजा जाना था, लेकिन वह जाने से पहले गायब हो गया जिस वजह से उसे भेजा नहीं जा सका। इस्लामिक स्टेट ने सोलिंगन हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसने कहा कि फिलिस्तीन और बाकी दुनिया में मुसलमानों की मौत का बदला लेने के लिए ये हमला किया गया था। सोलिंगन में शुक्रवार को हुए हमले के ठीक एक दिन बाद जर्मनी में ही नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया में एक और चाकूबाजी की घटना हुई। एक बस में एक महिला ने चाकू से हमला करके पांच लोगों को घायल कर दिया। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक तीन लोगों की हालत गंभीर है। घटना के समय बस में कम से कम 40 अन्य यात्री सवार थे। आरोपी महिला के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है।

जर्मनी में चाकूबाजी की घटना में काफी बढ़ोतरी हुई है। वहां 2025 में आम चुनाव होने हैं। ऐसे में दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी ने शरणार्थियों के खिलाफ बयानबाजी तेज कर दी है। जर्मनी में इस साल 31 मई को जर्मनी के मैनहेम में भी एक अज्ञात हमलावर ने एक प्रदर्शन के दौरान चाकू से हमला किया था, जिसमें एक पुलिस अधिकारी सहित 7 लोग घायल हो गए थे।

भारतीय दूतावास ने साइबर स्कैम में फंसे 47 भारतीयों को बचाया

लाओस के गोल्डन ट्राइंगल एसईजड में फंसे थे सभी

विएंतियाने, 31 अगस्त (एजेंसियां)। लाओस में भारतीय दूतावास ने 47 भारतीयों को साइबर स्कैम केंद्र के चंगुल से बचा लिया है। दूतावास के अनुसार यह मिशन, जो विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए दूतावास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, लाओस में स्थानीय प्राधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में क्रियान्वित किया गया।

जानकारी के मुताबिक ये स्थिति तब सामने आई जब लाओस अधिकारियों ने गोल्डन ट्राइंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई के दौरान 29 भारतीयों को दूतावास को सौंपा। बाकी 18 व्यक्तियों ने खुद से दूतावास से संपर्क किया, संकट व्यक्त किया और अपनी दुर्दशा से बचने के लिए सहायता मांगी।

पुतिन जाएंगे मंगोलिया, सवाल- क्या उनकी गिरफ्तारी होगी

इंटरनेशनल कोर्ट ने कार्रवाई का आदेश दिया, रूस ने कहा- हमें फिक्र नहीं

उलानबटोर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 3 सितंबर को मंगोलिया दौरे पर जाने वाले हैं। इस बीच इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने कहा है कि अगर पुतिन मंगोलिया जाते हैं तो वहां के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें गिरफ्तार करें। कोर्ट के प्रवक्ता डॉ. फादी एल-अब्दल्लाह ने बीबीसी से कहा कि आईसीसी के आदेशों का पालन करना मंगोलिया का फर्ज है। उसे इसमें सहयोग करना चाहिए। मंगोलिया आईसीसी का सदस्य है। वह आईसीसी का आदेश मानने के लिए बाध्य नहीं है। हालांकि अगर वो पुतिन की गिरफ्तारी नहीं करता तो उसके खिलाफ प्रतीकात्मक कदम उठाए जा सकते हैं।

पिछले साल मार्च में आईसीसी ने पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। कोर्ट ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर पुतिन

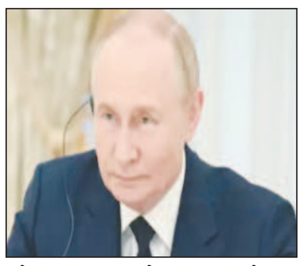

को वार क्राइम्स के लिए जिम्मेदार माना था। यह पहला मौका था जब आईसीसी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के किसी स्थायी सदस्य देश के टॉप लीडर के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। आईसीसी के पुतिन के नाम का वारंट जारी करने पर रूस ने 'अपमानजनक' बताया था। अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस यूएनएससी के स्थायी सदस्य हैं।

वारंट जारी होने के बाद रूसी राष्ट्रपति की किसी आईसीसी मेंबर देश की यह पहली यात्रा होगी। पुतिन वारंट जारी होने के बाद से अब तक 11 देशों की यात्राएं कर चुके हैं। इनमें चीन, नॉर्थ कोरिया, सउदी अरब और यूएई जैसे देश शामिल हैं। हालांकि, वे अब तक किसी भी ऐसे देश की यात्रा से बचते रहे हैं जो आईसीसी का मेंबर है। रूस पुतिन पर लगे आरोपों को खारिज करता रहा है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक मंगोलिया में गिरफ्तारी के सवाल पर राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन के दौरे को लेकर उन्हें 'कोई फिक्र नहीं है'।

पुतिन की यात्रा मंगोलियाई राष्ट्रपति उखना खुरेलसुख के निमंत्रण पर हो रही है। 1939 में सोवियत संघ और मंगोलिया की सेना ने मिलकर जापानी सेना को हराया था। 3 सितंबर को इसके 85 साल पूरे हो रहे हैं। पुतिन इसी समारोह का हिस्सा बनने राजधानी उलानबटोर जा रहे हैं।

मंगोलिया में गिरफ्तार होंगे पुतिन?

पूर्व अमेरिकी राजदूत और आईसीसी की स्थापना करने वालों में से एक डेविड शेफर ने कहा कि मंगोलिया में पुतिन की गिरफ्तारी की संभावना नहीं है। वे इस यात्रा का इस्तेमाल आईसीसी और यूक्रेन को ताना मारने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मंगोलिया पुतिन को बुलाकर जोखिम उठा रहा है। उसे आईसीसी और पश्चिमी देशों के दबाव का सामना करना पड़ सकता है। हो सकता है कि भविष्य में कुछ देश उस पर आर्थिक प्रतिबंध भी लगा दें।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर पुतिन मंगोलिया जाते हैं तो पहली बार नहीं होगा जब आईसीसी के आदेश का उल्लंघन होगा। कोर्ट ने सूडान के पूर्व राष्ट्रपति उमर हसन अल-बशीर के खिलाफ 2009 और 2010 में दो बार अरेस्ट वारंट जारी किया था।

भारतीय शख्स ने नेपाली स्टूडेंट की हत्या की

चोरी के इरादे से कमरे में घुसा था, पकड़ा गया तो गोली मार दी

वाशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतवंशी शख्स को नेपाली महिला की हत्या करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। शख्स की पहचान बॉबी सिंह शाह (52 साल) के रूप में हुई है। अमेरिका के ह्यूस्टन में एक नेपाली छात्रा की उसके फ्लैट में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका का नाम मुना पांडे (21 साल) है। उसके शरीर पर गोलियों के कई निशान मिले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी चोरी के इरादे से नेपाली छात्रा के फ्लैट में घुसा था, लेकिन पकड़े जाने पर उसने छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस को मुना का शव उसके फ्लैट पर सोमवार शाम को मिला। इससे पहले पुलिस को एक गुमनाम कॉल आया था जिसमें उसे इसके बारे में जानकारी दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि लड़की बिस्तर पर सिर नीचे करके लेटी है। उसे 3 गोलियां लगी थीं। पुलिस ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि उसकी मौत शनिवार को ही हो गई थी। इसमें आरोपी को मुना के अपार्टमेंट से निकलते हुए देखा गया था। पुलिस ने इसके आधार पर बॉबी की तस्वीर जारी की। फोटो जारी करने के एक दिन बाद एक शख्स पुलिस के पास आया। उसने बताया कि आरोपी का चेहरा बॉबी शाह से मिलता-जुलता है। वह उसके साथ एक रेस्टोरेंट में काम कर चुका है। उसने पुलिस को आरोपी का पता और नंबर भी दिया। पुलिस ने सोमवार को ही शाह को गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया गया। बॉबी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। वहां उसने माना कि उसने बंदूक की नोक पर मुना से दरवाजा खुलवाया था।

ऑयल टैंकर पर हूती विद्रोहियों के हमले का वीडियो वायरल

ग्रीस के टैंकर पर एक साथ 6 विस्फोट किए, समुद्र में तेल फैलने का खतरा

यरूशलम, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियो ने ग्रीस के झंडे वाले एक ऑयल टैंकर पर हमले की वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में हूती विद्रोही टैंकर पर चढ़ते नजर आ रहे हैं। टैंकर पर चढ़ने के बाद हूती विद्रोहियों ने विस्फोटक लगाकर एक साथ 6 जगह ब्लास्ट किया। इस ऑयल टैंकर का नाम सोनियन है। हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में 21 अगस्त को दो नाव पर सवार होकर सोनियन पर गोलीबारी की थी। गोलीबारी के कारण जहाज पर आग लग गई थी। आग लगने और हूती विद्रोहियों के बार-बार हमलों के कारण टैंकर पर सवार क्रू को रेस्क्यू कर लिया गया था। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने दोबारा जहाज पर हमला किया। इस बार जहाज पर चढ़कर उसमें विस्फोटक लगाकर ब्लास्ट किए। यमन में हूती समूह के प्रवक्ता ने हमले का वीडियो सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है।

ऑयल टैंकर पर हूती विद्रोहियों के हमले के बाद हुए ब्लास्ट से समुद्र में तेल के रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। इस टैंकर पर 1.5 लाख टन या 10 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल लदा हुआ है। हालांकि यूरोपियन यूनियन के कहा कि अभी तक सोनियन से कोई तेल रिसाव नहीं हुआ है। टैंकर पर फिलीपीन्स और रूस के 25 क्रू मेंबर्स मौजूद और 4 अन्य सुरक्षा गार्ड भी थे। इन्हें फ्रांस के एक युद्धपोत ने रेस्क्यू कर जिबूती में छोड़ दिया था। शनिवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में सोनियन पर हुए हमलों के बारे में चिंता व्यक्त की। साथ ही अमेरिका ने अब तक के सबसे बड़े तेल रिसाव की संभावना को लेकर चेतावनी दी है। इससे पहले 1989 में अलास्का की खाड़ी में एक्सॉन वाल्डेज जहाज से 2 लाख 57 हजार बैरल तेल का रिसाव हुआ था। बीते साल इजराइल-हमास जंग की शुरुआत के बाद से ही हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों को निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने अब तक 2 जहाजों को लाल सागर में डुबो दिया है। वहीं हूती हमलों में अब तक 2 क्रू मेंबर्स मारे गए हैं।

हालांकि हूती विद्रोही शुरुआत से दावा कर रहे हैं कि वे सिर्फ इजराइल, अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका ने सोनियन पर हुए हमले के बाद बताया था कि उन्होंने टैंकर को बचाने के लिए 2 जहाज रवाना किए थे लेकिन हूती विद्रोहियों ने उन पर भी हमला कर दिया था।

पाकिस्तान की तरफ बढ़ रहा चक्रवात आसना

65 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही हवाएं, कराची से 170 किमी दूर

कराची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के कच्छ से उठा तूफान, अरब सागर में पहुंचते ही चक्रवात आसना में तब्दील हो गया है। अब ये पाकिस्तान की तरफ बढ़ रहा है। पाकिस्तान मौसम विभाग (पीएमडी) ने आज यानी शुक्रवार सुबह ही इस तूफान के चक्रवात बनने को लेकर चेतावनी जारी की थी। बीते कई दिनों से कच्छ में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ था। इसके कारण तेज हवाओं के साथ पाकिस्तान के सिंध और भारत के गुजरात में भारी बारिश हो रही थी। सिंध में भारी बारिश के कारण स्कूल और कॉलेजों को बंद कर दिया गया था। पीएमडी ने अगले 24 घंटों में बिजली गिरने के साथ भारी बारिश की आशंका जताई है। चक्रवात आसना पाकिस्तान के तटीय इलाकों से गुजरता हुआ ओमान की तरफ बढ़ेगा।

कराची में 65 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही हवाएं

चक्रवात की वजह से पाकिस्तान के कोस्टल शहर कराची में 65 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। चक्रवात आसना फिलहाल कराची से 170 किमी दूर है। इसे आसना नाम पाकिस्तान ने दिया है।

मौसम विभाग ने कराची के अलावा थारपारकर, बादिन, थट्टा, सुजावल, हैदराबाद, तंदु मुहम्मद खान, तंदु अल्लाह यार, मटियारी, उमरकोट, मीरपुरखास, संघर, जमशोरो, दादू और शहीद बेनजीराबाद जिले में 31 अगस्त तक भारी बारिश की आशंका जताई है।

पाकिस्तान मौसम विभाग चक्रवात और भारी बारिश की आशंका के चलते सिंध और बलूचिस्तान प्रांत के मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है। उन्हें 1 सितंबर तक समुद्र में जाने से बचने की सलाह दी गई है। अरब सागर में 48 साल बाद अगस्त में चक्रवाती तूफान उठा है। इससे पहले अरब सागर में अगस्त 1976 में चक्रवाती तूफान उठा था। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज अगले 12 घंटों में इसके चक्रवात में बदलने की चेतावनी दी थी। तूफान के चलते राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, द्वारका में भी भारी बारिश का अलर्ट है। कच्छ और राजकोट में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। कच्छ में कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया है। अब तक सिर्फ तीन तूफान अगस्त में अरब सागर से उठे हैं। पहला 1944 में, दूसरा 1964 में और तीसरा 1976 में आया था। ये तीनों तट पर आते हुए कमजोर पड़ गए थे। हालांकि, बंगाल की खाड़ी में 132 सालों में अगस्त में 28 तूफान आ चुके हैं।

मासूम को प्लेन के टॉयलेट में बंद किया

चीनी महिलाएं बोलीं- वह रो रही थी, उसे सबक सिखाना था ताकि दूसरे यात्री परेशान न हों

शंघाई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। चीन की 2 महिलाओं ने किसी अनजान व्यक्ति के 3 साल की बच्ची को प्लेन के टॉयलेट में बंद कर दिया। दोनों ने इस घटना का वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने तर्क दिया है कि ऐसा उन्होंने बच्ची को सबक सिखाने के लिए किया था।

सीएनएन के मुताबिक, वीडियो में महिला बच्ची से कहती है कि उसे तब तक बाहर नहीं जाने दिया जाएगा, जब तक वह रोना बंद नहीं करती। मामला 24 अगस्त को जूनेयाओ एयरलाइंस का है, जिसका वीडियो अब सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची अपने दादा-दादी के साथ शंघाई जा रही थी। इस दौरान वह प्लेन में लगातार हो रही थी। इसे देखते हुए विमान में यात्रा कर रहीं 2 महिलाएं दादा-दादी से कहकर बच्ची को अपने साथ ले जाती हैं। वीडियो पोस्ट करने वाली महिला

ने लिखा कि उसने ऐसा इसलिए किया ताकि दूसरे पैसेंजर्स को यात्रा के दौरान कोई तकलीफ न हो। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महिलाओं की जमकर आलोचना हो रही है। 3 साल की बच्ची को परेशान करने के लिए लोग उन्हें बेरहम कह रहे हैं। दूसरी तरफ, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने महिलाओं का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने बच्ची को ले जाने से पहले उसके दादा-दादी से इजाजत ली थी। ऐसे में उनका कोई दोष नहीं है। वहीं एयरलाइंस ने भी इस मामले में बयान जारी किया है। एयरलाइंस के कस्टमर सर्विस डिपार्टमेंट ने क्रू की लापरवाही के लिए माफी मांगी। उन्होंने महिला पैसेंजर्स की आलोचना करते हुए आगे से सावधानी बरतने का वादा किया। चीन में लंबे समय से सार्वजनिक जगहों पर छोटे बच्चों को संभालने के तरीके पर बहस होती रही है। कुछ लोगों का मानना है कि कुछ बिगड़े हुए बच्चे अक्सर सार्वजनिक जगहों पर चीखते-चिल्लाते हैं या फिर सामानों को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में उन्हें संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है।

भारत ने शेख हसीना का बांग्लादेश प्रत्यर्पण नहीं किया तो

खालिदा जिया की पार्टी के नेता ने दी गीदड़भभकी

ढाका, 31 अगस्त (एजेंसियां)। खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करना महत्वपूर्ण है, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के साथ शुरू होना चाहिए, क्योंकि भारत में उनकी निरंतर उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों को और नुकसान पहुंचा सकती है। बीएनपी में दूसरे नंबर के नेता आलमगीर ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पार्टी भारत के साथ मजबूत संबंधों की इच्छुक है। उन्होंने कहा कि वह "पिछले मतभेदों को दूर करने और सहयोग करने के लिए" तैयार हैं। आलमगीर ने यह भी आश्वासन दिया कि बीएनपी बांग्लादेशी सरजमीं पर ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देगी, जिससे भारत की सुरक्षा के समक्ष खतरा पैदा हो। ढाका में अपने आवास पर दिए एक साक्षात्कार में आलमगीर ने कहा कि अगर बीएनपी सत्ता में आती है, तो वह आवामी लीग सरकार के दौरान हुए 'विवादित' अडाणी बिजली समझौते की समीक्षा और पुनः मूल्यांकन करेगी, क्योंकि इससे बांग्लादेश के लोगों पर 'भारी दबाव' पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह भारत की कूटनीतिक विफलता है कि वह बांग्लादेश के लोगों की मानसिकता को समझने में नाकाम रहा। आलमगीर ने कहा कि जन आक्रोश के बीच हसीना सरकार के पतन के बाद भी 'भारत सरकार ने अभी तक बीएनपी से बातचीत नहीं की है, जबकि चीन, अमेरिका, ब्रिटेन और पाकिस्तान पहले ही बात कर चुके हैं।'

कल्पना चावला की मौत को भुला नहीं पाया है नासा

सुनीता विलियम्स पर नहीं चाहता रिस्क, फरवरी तक बढ़ाई तारीख

वॉशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर दो महीने से ज्यादा समय से स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में फंसे हुए हैं। नासा ने उनकी वापसी के लिए अगले साल के फरवरी महीने तक का समय तय किया है। ऐसे में वह आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहेंगी। नासा के इस फैसले के पीछे कल्पना चावला की स्पेस में हुई मौत भी है। नासा प्रमुख बिल नेल्सन का कहना है कि अंतरिक्ष में हुए दो दुर्घटनाओं ने अंतरिक्ष यात्रियों के बिना बोइंग स्टारलाइनर को वापस लाने के फैसले को प्रभावित किया है। इसमें एक केस भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की मौत का है और दूसरा 1986 का हादसा है। फरवरी, 2003 को कल्पना चावला और छह अन्य

की मौत उस समय हो गई थी, जब उनका अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करते समय टूटकर जल गया था। इससे पहले जनवरी, 1986 को अंतरिक्ष यान चैलेंजर में विस्फोट हुआ था और सभी चालक दल मारे गए थे। इन दोनों दुर्घटनाओं का नासा के अधिकारियों के दिमाग में गहरा असर है। इसी असर ने उन्हें सुनीता के मामले में सतर्क किया है। नासा प्रमुख और अंतरिक्ष यात्री बिल नेल्सन ने कहा कि दो दुर्घटनाओं ने बोइंग स्टारलाइनर को अंतरिक्ष यात्रियों के बिना वापस लाने के निर्णय को बहुत प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने तब गलतियां कीं। नासा में उस समय की संस्कृति ऐसी थी कि जूनियर फ्लाइट इंजीनियरों की ओर से जोखिमों की चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। आज लोगों को अपने मन की बात कहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसे में जब इंजीनियरों ने वर्तमान स्थिति में अंतरिक्ष यान को उड़ाने में जोखिमों के बारे में बताया तो नासा ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को अब के बजाय फरवरी 2025 में स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन में लाने का निर्णय लिया। नासा के अधिकारियों ने कहा कि वापसी अंतरिक्ष यान को बदलने का निर्णय सर्वसम्मति से किया गया।

शाहाबाद जिले से टीएसपी क्षेत्र घोषित करने की उठी मांग

बारां, 31 अगस्त (एजेंसियां)। वैसे तो सभी क्षेत्र में शाहाबाद-किशनगंज विधानसभा क्षेत्र पिछड़ा हुआ माना जाता है। यहां सबसे अधिक सहरिया समुदाय के लोग निवास करते हैं। जो हर क्षेत्र में पिछड़े हैं। इनके साथ-साथ मध्यम वर्ग भी पिछड़ा है।

यहां कई प्रकार की निजी सेक्टर की योजनाओं में आर्थिक पिछड़ापन होने के कारण काम रुक जाते हैं। हम शाहाबाद के तलहटी क्षेत्र की बात करें तो यहां पर किसी भी बैंकिंग, फाइनेंस कंपनी निवेश करने से कतराती हैं। क्योंकि यहां सीबिल रिपोर्ट पिछड़ी हुई है। लोगों के पास रोजगार नहीं होने के कारण फाइनेंस कंपनियां सहरिया बहुल शाहाबाद में निवेश नहीं करती हैं। इसके चलते लोगों विकास कार्य रुक जाते हैं। जब से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शाहाबाद दौरा प्रस्तावित हुआ है। तब से युवाओं के संगठन सक्रिय हो गए हैं। जो लगातार शाहाबाद किशनगंज क्षेत्र को टीएसपी क्षेत्र घोषित करने की मांग उठा रहे हैं

बरसों पुरानी है मांग

यह पहली बार नहीं है कि यहां के युवा टीएसपी घोषित करने को लेकर मांग कर रहे हैं।

कई सालों से क्षेत्र को टीएसपी घोषित करने की मांग चलती आ रही है। यहां के विधायक डॉ. ललित मीणा को कई बार टीएसपी घोषित करने को लेकर ज्ञापन दे चुके हैं। वह भी विधानसभा में टीएसपी घोषित करने का मुद्दा उठते रहे हैं, लेकिन फिर भी स्थितियां वही बनी हुई हैं।

टीएसपी क्षेत्र का दर्जा मिलने से होगा लाभ

कई युवाओं द्वारा विधानसभा क्षेत्र को टीसी घोषित करने की मांग को लेकर अलग-अलग गांवों कस्बों में सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जोड़ा जा रहा है। उन्हें टीएसपी क्षेत्र मिलने के बाद होने वाले लाभ बताए जा रहे हैं। इसके चलते क्षेत्र के लोग जागरुक होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन देकर शाहाबाद किशनगंज क्षेत्र को टीएसपी क्षेत्र घोषित करने की मांग करेंगे।

क्या है टीएसपी

संविधान के 10 अनुच्छेद 244 में कुछ ऐसे क्षेत्र जिन्हें अनुसूचित क्षेत्र और जनजातीय क्षेत्र नामित किया गया है। यहां प्रशासन की विशेष परिकल्पना की गई है। संविधान की पांचवीं अनुसूची में राज्यों के अनुसूचित क्षेत्र में अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन में नियंत्रण के बारे में चर्चा की गई है। यहां दूसरे राज्यों की तुलना में अनुसूचित क्षेत्र के साथ भिन्न रूप से व्यवहार किया जाता है। क्योंकि वहां भी आदिम निवासी रहते हैं। वे सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछडे लोग होते हैं। उनके उत्थान के लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता होती है। राज्य में चलने वाली सामान प्रशासनिक व्यवस्था अनुसूचित क्षेत्रों में लागू नहीं होती। केंद्र सरकार की इन क्षेत्रों के प्रति अधिक जिम्मेदारी होती है। राष्ट्रपति और राज्य का राज्यपाल दोनों आपस में मिलकर किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का अधिकार रखते हैं। यह क्षेत्र को बढ़ा और घटा भी सकते हैं।

पढ़ना-खेलना सब साथ, चारों को मौत भी आई एकसाथ

एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में सहेलियों की मौत

चित्तौड़गढ़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिलोदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढने वाली छात्राएं नर्बदा (12) पुत्री गणेश मीणा, रवीना (15) पुत्री श्यामलाल मीणा, जसोदा (12) पुत्री सत्यनारायण मीणा तथा कोमल (13) पुत्री मोतीलाल मीणा विद्यालय से लौटने के बाद गांव के तालाब की ओर चली गईं। वहां पर एक बालिका का पांव फिसला तो अन्य ने हाथ पकड़ कर बचाने का प्रयास किया। एक-एक कर चारों छात्राएं पानी में डूबने लगीं।

इस दौरान उनके साथ एक और छात्रा धनु वहां मौजूद थी। उसके चिल्लाने पर पास ही काम कर रहा एक किशोर विक्रम मीणा दौड़ा और बालिकाओं को बचाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इस दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग भी दौड़ पड़े व बालिकाओं को तालाब से निकालने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने चारों बालिकाओं को तालाब से बाहर निकाला और उन्हें डूंगला सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टर ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

क्षेत्र के तालाबों में ग्रीष्मकालीन ऋतु में बड़ी मात्रा में अवैध खनन किया गया जिससे तालाबों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं हो पाता। इसी के चलते चार बालिकाओं की डूबने से मौत हो गई।

पहुंचे मंत्री और ग्रामीण

बिलोदा एवं डूंगला के ग्रामीण चिकित्सालय पहुंचे व परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान सहकारिता मंत्री गौतम दक, उपखंड अधिकारी ईश्वरलाल खटीक सहित बड़ी संख्या में लोग चिकित्सालय पहुंचे। चारों बालिकाओं का पोस्टमार्टम करा शव परिजन को सौंपा गया। परिजन को शव सौंपते समय माहौल बहुत ही गमगीन हो गया एवं हर किसी की रुलाई फूट पड़ी। देर शाम सभी छात्राओं का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। चार छात्राओं के पानी में डूबने की सूचना मिली। ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकाल कर सीएचसी पर पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिए गए हैं। सरकार की ओर से मृतकों के परिजन को सहायता दिलाई जाएगी। विद्यार्थी सुरक्षा बीमा योजना और आपदा प्रबंधन योजना से हरसंभव मदद दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

फिर एक्टिव होगा मानसून, अगले 3 दिन इन जिलों में होगी भारी बारिश

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में चार दिन ब्रेक के बाद मानसून एक बार फिर एक्टिव होने जा रहा है। ऐसे में 1 सितंबर से राजस्थान में भारी बारिश होगी। मौसम विभाग ने भी सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट जारी है। मौसम विभाग की मानें तो 20 जिलों में तीन दिन तक खूब बारिश होगी। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश में हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र के निम्न दबाव में परिवर्तित होने से प्रदेश में मानसून फिर रफ्तार पकड़ेगा।

पिछले 24 घंटे में राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में तेज हवा व बिजली की गड़गड़ाहट के साथ बारिश हुई। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक माउंट आबू में 44.4 और हनुमानगढ़ के ढाबा में 48.0 एमएम बारिश दर्ज की गई। वहीं, जयपुर-सीकर में 3-3,डबोक में 7.1, अजमेर में 10.2, डूंगरपुर में 12, जालौर में 5 और श्रीगंगानगर में 11.4 एमएम बारिश दर्ज की गई।

नए तंत्र के कारण रफ्तार पकड़ेगा मानसून

आंध्रप्रदेश, दक्षिणी उड़ीसा से लगे बंगाल की खाड़ी में आज एक डिप्रेशन तंत्र बना हुआ है। इसके आगामी 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ने की संभावना है। जिसके चलते राजस्थान में मानसून फिर से रफ्तार पकड़ेगा। ऐसे में प्रदेशभर में बारिश की गतिविधियों में एक सितंबर से बढ़ोतरी होगी। नए तंत्र के कारण प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां एक सप्ताह तक जारी रहने की प्रबल संभावना है।

अगले तीन दिन इन जिलों में होगी बारिश

1 सितंबरः राजस्थान में 22 जिलों में रविवार को होगी। जिनमें से 6 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक और उदयपुर में येलो अलर्ट जारी किया है।

2 सितंबरः प्रदेश के 24 जिलों में सोमवार को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिनमें अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक, उदयपुर, नागौर और पाली जिले शामिल है।

कुछ नए जिलों में संकट के बादल छाए हुए हैं

दो दिन में नए जिलों को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी ललित के पंवार ने 17 नए जिले और 3 नए संभागों के गठन की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रमुख राजस्व सचिव दिनेश कुमार को सौंप दी। इस रिपोर्ट को मंत्रिमंडलीय उपसमिति के सामने रखा जाएगा, जिसकी बैठक 2 सितम्बर को 3 बजे होने वाली है। उधर, नए जिले और संभागों की स्थिति में बदलाव के सवाल पर पंवार ने सिर्फ नो कमेंट ही कहा। राजस्थान के कुछ नए जिलों में संकट के बादल छाए हुए है। दो दिन बाद होने वाली मीटिंग में तस्वीर साफ होने की संभावना है कि कौनसा नया जिला रहेगा और कौनसा नहीं।

पिछले साल अशोक गहलोत सरकार ने प्रदेश में जिलों की संख्या 33 से बढ़ाकर 50 और संभाग 7 से बढ़ाकर 10 कर दी थी। इनका गठन भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी रामलुभाया की सिफारिश पर किया गया था।

भजनलाल सरकार ने इन जिलों व संभागों की समीक्षा के

लिए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के नेतृत्व में मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन किया है।

इस उपसमिति के सहयोग के लिए एक जुलाई को पूर्व आईएएस पंवार के नेतृत्व में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ कमेटी बनाई गई थी, जिसमें वित्त, ग्रामीण विकास-पंचायती राज और गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सदस्य और प्रमुख राजस्व सचिव को सदस्य सचिव बनाया गया था।

ये नहीं बन पाए जिले

मालपुरा, सुजानगढ़ व कुचामनसिटी को 6 अक्टूबर 23 को जिला बनाने की घोषणा की गई।

इसके बाद 7 अक्टूबर को सर्कुलेशन के माध्यम से इनके गठन को कैबिनेट ने मंजूरी दी, लेकिन इनके जिला बनने की अधिसूचना जारी नहीं हो पाई थी। इस कारण ये ये जिले नहीं बन पाए थे। इनके अलावा विराटनगर व सांभर आदि के जिला नहीं बनने पर भी सवाल उठा।

'कलक्टर से कह देना, दादागिरी बर्दाश्त नहीं, ढंग से रहे'

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दी हिदायत

झालावाड़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। निजी यात्रा पर झालावाड़ आए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर जिला कलक्टर पर नाराज दिखे। उन्होंने अपने पास खड़े अतिरिक्त जिला कलक्टर को हिदायत भरे लहजे में कहा कि अपने कलक्टर से कह देना कि दादागिरी नहीं चलेगी। वे ढंग से रहे, ऐसा नहीं चलेगा। दिलावर झालावाड़ में वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीकृष्ण पाटीदार के निधन पर उनके घर संवेदना व्यक्त करने आए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिलावर जब पाटीदार के घर से वापस आ रहे थे तो डाक बंगले के पास अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक लिया। कार्यकर्ताओं ने शहर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान पर लंबे समय से हो रहे अतिक्रमण के बारे शिकायत की और अतिक्रमण हटाने की शिकायत की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वे पूर्व में कई बार इस सम्बन्ध में जिला कलक्टर को ज्ञापन दे चुके है, लेकिन वे कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। ज्ञापन देने जाने पर वे अभद्रता करते है।

'साहब हमें यहां से निकालो' चोरी करने गए चोरों ने पुलिस को किया फोन

ग्रामीणों के डर से किया कॉल

बीकानेर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मामला जिले के कोलायत थाना क्षेत्र से जुड़ा है। जहां चोरों ने खुद को कमरे में बंद कर फोन कर पुलिस को अपनी लोकेशन बताकर बचाने के लिए गिरफ्तार करने की गुहार लगाई। दरअसल, बीती रात दो चोरों को गांव वालों ने चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। ग्रामीणों का गुस्सा देखकर डरे हुए चोरों ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया और चोरों ने पुलिस को फोन कर दिया। घटना बीती रात कोलायत में हुई। दो चोर चोरी की नियत से एक घर में घुसे थे, तभी गांव वालों ने शक होने पर उन्हें देख लिया और धर दबोचा। ग्रामीणों को आक्रामक देखकर घबराए हुए चोरों ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया और अपनी जान बचाने के लिए पुलिस को गुहार लगाई। गांव वालों ने भी पुलिस को चोरों के पकड़े जाने की सूचना दे दी। दोनों तरफ से सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और चोरों को कमरे से बाहर निकालकर कोलायत थाने लेकर आई। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए दोनों चोर शातिर किस्म के हैं। इनमें से एक चोर सरदारशहर का रहने वाला है, जबकि दूसरा पंजाब का है। दोनों पर चोरी और नकबजनी के कई मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों चोरों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

स्कूल में बच्चों के बीच हुआ झगड़ा

चाकू लेकर आया छात्र और दूसरे को घोंपा

उदयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में कुछ दिन पहले एक सरकारी स्कूल में दो छात्रों के बीच चाकू बाजी हुई थी जिसमें एक छात्र की मौत के बाद तनाव बढ़ गया था. यह तनाव कई दिनों तक जारी रहा था. सांप्रदायिक तनाव के बीच आगजनी और तोड़फोड़ जैसी घटनाएं भी सामने आई थीं. यह मामला फिलहाल पूरी तरह से शांत नहीं हुआ था कि अब एक और इसी तरह का मामला सामने आया है. उदयपुर के निजी स्कूल में एक छात्र पर फिर से चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है.

उदयपुर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के यूनिवर्सिटी रोड स्थित द स्टैंडवर्ड स्कूल में एक छात्र पर उसी के स्कूल में पढ़ने वाले तीन छात्रों ने चाकू से हमला कर दिया. एक दिन पहले एक छात्र की

उसके साथी के साथ स्कूल में धक्का-मुक्की और मामूली बात पर विवाद हो गया था. जिस छात्र से विवाद हुआ था वह स्कूल में चाकू लेकर पहुंचा और जब छात्र स्कूल से बाहर आया तो उसने अन्य साथियों के साथ उस पर चाकू से हमला कर दिया.

आरोपी छात्र ने पेट पर चाकू मारने की कोशिश की लेकिन छात्र ने हाथ आगे किया जिससे उसके पर हाथ पर चाकू लगा है. चिल्लाने पर स्कूल स्टाफ और छात्रों की भीड़ जमा हो गई और प्रिंसिपल ने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची प्रताप नगर पुलिस ने घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया. माहौल न बिगड़े इसलिए पुलिस ने आनन-फानन में कार्रवाई की और चाकूबाजी के आरोपी तीन छात्रों को डिटेन किया है जिनसे पूछताछ की जाएगी.

पूरी घटना की जानकारी देते हुए घायल छात्र ने बताया कि उसके स्कूल में पढ़ने वाले अन्य छात्र के साथ गुरुवार को किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. उस दौरान धक्का मुक्की भी हुई थी. स्कूल से बाहर आने पर जिस छात्र से विवाद हुआ था वह और उसके अन्य साथियों ने उस पर चाकू से हमला किया. उसने हाथ आगे कर दिया इस कारण चाकू हाथ पर लगा. फिलहाल छात्र का इलाज चल रहा है.

भगवान मिलने का दावा, आस्था के नाम पर ठगी का नया तरीका

कुछ कदम चलते ही लाखों के गहने हुए चोरी

झुंझुनू, 31 अगस्त (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के चिड़ावा में एक महिला को भगवान के दर्शन कराने का झांसा देकर लाखों के गहने ठगने का मामला सामने आया है। दो युवकों ने महिला को आध्यात्मिक बातें करके गहने उतारने के लिए मना लिया और फिर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। झुंझुनूं जिले के चिड़ावा में 30 अगस्त को अंधविश्वास का सहारा लेकर एक महिला से लाखों की ठगी की घटना सामने आई है। 55 वर्षीय सरोज देवी, जो चिड़ावा कस्बे की निवासी हैं, रोजाना की तरह सुबह साढ़े आठ बजे पूजा की थाली लेकर मंदिर जा रही थीं। जब वह पिलानी रोड पर दुर्गा टॉकिज के पास पहुंचीं, तो दो युवकों ने उनसे रास्ता पूछने के बहाने बात शुरू की। सरोज देवी ने बताया कि युवकों ने रास्ता पूछने के बाद आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा शुरू कर दी। उन्हें ऐसा प्रतीत हुआ कि युवकों को उनके और उनके परिवार के बारे में पहले से जानकारी थी, क्योंकि वे उनके बच्चों के बारे में भी बातें करने लगे। इस जानकारी से सरोज देवी को उन पर भरोसा हो गया।

पुलिया तोड़कर ट्रैक्टर पर गिरा कई टन वजनी ट्रेलर

चकनाचूर हुए ट्रैक्टर का चालक बोला मैं ठीक हूं, बालाजी ने बचाया

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में कल शाम जो भीषण सड़क हादसा हुआ उसमें दो बड़े वाहन नष्ट हो गए लेकिन जनहानि होने से बच गई। कार को टक्कर मारता हुआ ट्रेलर पानी के ट्रैक्टर पर गिरा। एक पल से भी कम समय में ट्रैक्टर चालक बाल बाल बच गया। हांलाकि पूरा ट्रैक्टर चकनाचूर हो गया। लेकिन चालक की जान बच गई। उसके हाथ में एक फ्रैक्चर है और चेहरे पर हल्की खरोंच है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद उसने कहा कि बालाजी ने बचा

लिया, मैं ठीक हूं। दरअसल करधनी इलाके में निवारू पुलिया के नजदीक कल शाम को सड़क हादसा हुआ। पुलिया से गुजर रहा एक ट्रेलर बेकाबू हो गया और उसने पहले तो एक कार को टक्कर मारी, उसके बाद डिवाइडर फांदता दूसरी लेन में आया और वहां से पुलिया की रेलिंग तोड़ता हुआ नीचे से गुजर रहे ट्रैक्टर पर आ गिरा। पानी के टैंकर वाले इसे ट्रैक्टर को चला रहे चालक चंदालाल सैनी घायल हो गए। उनको अस्पताल ले जाने वाले लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चंदालाल ने मौत को मात दी है। कुछ इंच आगे होते तो ट्रेलर इनके सिर पर ही गिरता। उधर चंदालाल को अस्पताल ले जाया गया तो उनके परिवार के लोग भी वहां पहुचंने लगे। उन्होंने कहा कि बालाजी के आर्शीवाद ने बचा लिया। नहीं तो मौत तय थी। इस हादसे का खतरनाक सीसीटीवी भी सामने आया है।

सभी विभागों के समन्वय से ग्रेटर हैदराबाद का विकास संभव : जीएचएमसी कमिश्नर

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने जीएचएमसी और सभी संबद्ध विभागों के अधिकारियों को हैदराबाद शहर के विकास के लिए समन्वय में काम करने को कहा है। शहर के विकास के लिए एक मंच के रूप में जीएचएमसी और संबद्ध विभागों के अधिकारियों के साथ आयुक्त आम्रपाली के निर्देशन में जीएचएमसी प्रधान कार्यालय में 66वीं सिटी कन्वर्जेंस बैठक आयोजित की गई। सबसे पहले, पिछले शहरी अभिसरण बैठक में लिए गए एजेंडा आइटम में किए गए कार्य, पूर्ण किए गए कार्य, यातायात समस्याएं, सड़क सुरक्षा, जल जमाव बिंदु, संकीर्ण सड़कों के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई और संबंधित सड़क पर किए जाने वाले कार्य शामिल हैं। विषय पर नियंत्रण के लिए जंक्शनों पर चर्चा की गई। इसी प्रकार वर्तमान बैठक में नये प्रस्ताव लिये जाने की योजना बनायी गयी। आयुक्त ने शहर के विकास में शामिल आरएंडबी, मेट्रो रेलवे, बिजली, राष्ट्रीय राजमार्ग, यातायात, जल कार्य, एचएमडीए, पुलिस, आरटीसी और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने जीएचएमसी की प्रगति के लिए संबंधित विभागों द्वारा संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर कई सुझाव दिए। जगह-जगह फ्लाईओवर का निर्माण, साइन बोर्ड लगाना, नई सड़कों का विकास, जंक्शन विकास, फ्री लेफ्ट या रैंप, अंडरपास का निर्माण, ट्रैफिक सिग्नल का रखरखाव, ब्लैक प्वाइंट की पहचान कर उचित उपाय करना, विभिन्न कार्यों के लिए प्रशासनिक मंजूरी, निर्माण विद्युत उपकेंद्रों आदि की योजना संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बनाई गई। इस मौके पर कमिश्नर आम्रपाली ने कहा कि सरकार की इच्छा है कि हैदराबाद की छवि बढ़े, बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराया जाए और बड़े पैमाने पर इसका विकास किया जाए ताकि यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उभर सके। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारियों के समन्वय से ग्रेटर हैदराबाद का विकास संभव है। उन्होंने सभी से शहर के सर्वांगीण विकास में योगदान देने को कहा है। आयुक्त आम्रपाली काटा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस बैठक में लिये गये एजेंडे के बिन्दुओं पर त्वरित समाधान के लिए कार्य करने को कहा है। इससे पहले, हैदराबाद, राचाकोंडा और साइबराबाद पुलिस आयुक्तों और ट्रैफिक सीपी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से शहर में सड़कों, जंक्शनों और यातायात की समस्याओं को समझाया और उठाए जाने वाले उपायों का सुझाव दिया। वाटर वर्क्स के एमडी अशोक रेड्डी, हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर के. श्रीनिवास रेड्डी, साइबराबाद, राचकोंडा के पुलिस कमिश्नर, एसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ अली, ट्रैफिक पुलिस के अतिरिक्त कमिश्नर ट्रैफिक विश्वनाथ प्रसाद, डेविड, ईएनसी जियाउद्दीन, जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, रवि किरण, उपेन्द्र रेड्डी, वेंकन्ना, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा शा बारिश, शिव कुमार नायडू, चंद्रकांत रेड्डी, सत्यनारायण, पंकजा, रघु प्रसाद, सीई देवानंद, कोटेश्वर राव, जॉन एस। ये हैं महेश्वर रेड्डी, अशोक रेड्डी, चिन्ना रेड्डी, शंकर, अनिल राज, रत्नाकर, सिंचाई एसई शंकर राव, संपदा अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी, एसी विज्ञापन वेणुगोपाल रेड्डी, एचआरडीसीएलएस ई. श्रीनिवास, वाटर वर्क्स ई.ए.एन. सी प्रवीण कुमार, राजस्व, आर एंड बी, आरटीसी, बिजली अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

मेदक में 8वीं सदी की पार्श्वनाथ मूर्ति चोरी

मेदक, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ अज्ञात बदमाशों ने टेकमल मंडल में वेलपुगोंडा पहाड़ी से 8वीं शताब्दी की जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ की मूर्ति चुरा ली। पहाड़ी पर प्रसिद्ध तुम्बुरीश्वर स्वामी मंदिर था। माना जाता है कि मंदिर का निर्माण काकतीय काल में हुआ था। पहाड़ी पर जैन मंदिरों के खंडहर थे। स्थानीय लोग, जो नियमित रूप से काली मूर्ति देखते थे, शुक्रवार को इसे गायब पाया। स्थानीय पशुपालक ब्रह्मम, सैलू और अन्य अपनी बकरियां चराने के लिए पहाड़ी पर गए और प्राचीन मूर्ति को गायब पाया। उनके द्वारा दी गई जानकारी के बाद, पूर्व सरपंच नारायण ने टेकमल थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को उस स्थान के पास एक वाहन के टायर के निशान मिले, जहां मूर्ति रखी गई थी। मूर्ति 8 फीट ऊंची और कुछ फीट चौड़ी थी। इस घटना ने स्थानीय लोगों और इतिहासकारों को सदमे में डाल दिया।

एलआईसी ने आई एण्ड ब्लड सेंटर को वैन व मेडिकल इक्वीपमेंट दिए

ग्रेटर हैदराबाद स्थित चिरंजीवी आई एण्ड ब्लड सेंटर की मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रीमती माधवी राजू को वैन एवं मेडिकल इक्वीपमेन्ट सौंपते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार एवं अन्य अधिकारी।

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी के स्वर्ण जयंती फाउंडेशन द्वारा चिरंजीवी आई एण्ड ब्लड सेंटर को वाहन व चिकित्सा उपकरण प्रदान किया गया।

इसके तहत एलआईसी क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने आयोजित एक समारोह में चिरंजीवी चैरिटेबल ट्रस्ट को 52 लाख रुपये मूल्य के चिकित्सा उपकरण एवं वैन सौंपी। अधिकारियों ने बताया कि, अक्टूबर 1998 में तेलुगू फिल्म अभिनेता चिरंजीवी द्वारा स्थापित यह ट्रस्ट रक्तदान एवं नेत्रदान के दो मुख्य उद्देश्यों पर कार्य कर रहा है। जिसमें अब तक इस ट्रस्ट ने दस लाख यूनिट से अधिक रक्त एवं दस हजार से अधिक नेत्र कॉर्निया एकत्रित कर वितरित किए हैं। दान दिए गए उपकरण व वैन से प्रतीक्षा समय को कम करने में सहायक होंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधवी राजू ने वैन व उपकरण प्राप्त किए और ट्रस्ट की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि एलआईसी पहला सार्वजनिक उपक्रम है, जिससे ट्रस्ट को बहुत उपयोगी चिकित्सा उपकरण प्राप्त हुए हैं। डॉ. माधवी राजू ने आगे बताया कि, यह ट्रस्ट पात्र व्यक्तियों को अधिकाधिक बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस समारोह में जीबीवी रामैया, प्रमोद कुमार साहू और एलआईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जन्नाराम एसआई के खिलाफ शिकायत

मंचेरियल, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक युवक ने राज्य मानवाधिकार आयोग में जन्नाराम उपनिरीक्षक गुंडेती राज्यवर्धन के खिलाफ व्हाट्सएप पर पोस्ट किए गए एक संदेश के बाद उसे धमकाने और परेशान करने की शिकायत दर्ज कराई है। जन्नाराम मंडल के किष्टपुर गांव के मुगला महेश ने मानवाधिकार संस्था से संपर्क कर आरोप लगाया कि राज्यवर्धन ने 29 अगस्त को जन्नाराम की कृषि बाजार समिति के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए इंस्टेंट मैसेजिंग एप्लीकेशन पर संदेश प्रसारित करने के लिए उन्हें धमकाया और परेशान किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में पैर फ्रैक्चर होने के बावजूद उन्हें थाने में बुलाकर खड़ा रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सब-इंस्पेक्टर ने उन्हें गंदी भाषा में और जाति के नाम पर गाली दी। उन्होंने आयोग से पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की।

जाति जनगणना कराने का आग्रह

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने सरकार से राज्य में जाति जनगणना कराने का आग्रह किया। कृष्णमोहन राव, जिनका कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया, ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को उन्हें तीन साल का कार्यकाल पूरा करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया। अपने कार्यकाल के दौरान आयोग द्वारा किए गए कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वे पिछड़े वर्ग समुदायों के बीच जाति जनगणना कराने की आवश्यकता को उजागर करने में सक्षम थे।

जामबाग मंडल सदस्यता अभियान बैठक हिन्दीनगर खेल परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, पंडु यादव, इंद्रासेन रेड्डी, अमर सिंह, श्रीनिवास यादव, गोपाल, दयानंद यादव, सुधीर, काजल, रेनुका, नितिन, अनिल यादव, भाजपा के कार्यकर्ता शामिल थे।

हाइड्रा कांग्रेस के लिए वाटरलू साबित होगा : राकेश रेड्डी

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य और इसकी अर्थव्यवस्था के लिए हाइड्रा के व्यापक प्रभावों पर रेवंत रेड्डी सरकार को आगाह करते हुए बीआरएस नेता ए राकेश रेड्डी ने शनिवार को चल रहे विध्वंस अभियान के लिए कांग्रेस नेतृत्व की कड़ी आलोचना की। तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की कार्रवाई उसके पतन का कारण बनेगी, उन्होंने इसे वाटरलू की तरह बताया। राकेश रेड्डी ने सरकार द्वारा उन घरों और इमारतों को ध्वस्त करने की विडंबना की ओर इशारा किया, जिनके निर्माण की अनुमति उसने पहले ही दे दी थी।

पॉलिटेक्निक छात्र ने कृषि महाविद्यालय में की आत्महत्या

निजामाबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के एक 17 वर्षीय छात्र ने शनिवार को रुद्रूर मंडल के अकबरनगर स्थित प्रोफेसर जयशंकर कृषि पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्रावास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

रुद्रूर पुलिस ने बताया कि आदिलाबाद जिले के उत्नूर मंडल के हसनपुर गांव की लिंगवाड़ा रक्षिता पॉलिटेक्निक कोर्स की प्रथम वर्ष की छात्रा थी। उसने कॉलेज के छात्रावास में बाथरूम की छत से लटककर आत्महत्या कर ली। वह 5 दिन पहले ही छात्रावास में आई थी। पुलिस ने बताया कि उसके इस कदम का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की विस्तृत जानकारी जुटाई।

आंगनवाड़ी केंद्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए विशेष उपाय : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि सरकार आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए कई उपाय करेगी और आंगनवाड़ी केंद्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। शनिवार को उन्होंने जिले के रेबेना मंडल के नामबाला आंगनवाड़ी केंद्र का औचक दौरा किया और रजिस्टर, परिवेश और बच्चों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन के स्टॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने मंडल केंद्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा कर वार्डों, दवाओं व रजिस्टरों का निरीक्षण किया तथा मरीजों से अस्पताल में दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं के बारे में पूछा। चिकित्सक लोगों को मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक रहने को कहा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और कर्मचारियों को समय का पाबंद होना चाहिए और लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहना चाहिए। समाज कल्याण कन्या गुरुकुल स्कूल का दौरा किया और छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा समय-समय पर उनके स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी कर आवश्यक उपाय किए जाएं। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम के शिक्षण की बारीकियों के बारे में पूछा गया।

समय के पाबंद नहीं रहने वाले शिक्षकों के विरूद्ध कार्रवाई : खुशबू गुप्ता

आसिफाबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत आदिवासी विकास निगम-उटनूर की परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने कहा कि अपने कर्तव्यों में समय के पाबंद नहीं रहने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को जिले के तिरयानी मंडल के 10 आदिवासी कल्याण प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया और स्कूलों के रजिस्टरों, कक्षाओं, रसोई, स्वच्छता प्रबंधन और आसपास का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को संपूर्ण सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार हर संभव कदम उठाएगी तथा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति समय का पाबंद रहना होगा।

वादीगुड़ा आदिवासी कल्याण प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के देर से आने तथा राजगुड़ा आदिवासी कल्याण प्राथमिक विद्यालय बंद होने पर एस. सीआरपी, एसीएमओ गुस्सा जाहिर किया। स्कूलों के प्रबंधन की नियमित निगरानी के लिए एस.सीआरपी अधिकारियों को कर्तव्य की उपेक्षा के लिए दे कैलास को निलंबित करने का आदेश दिया गया। बिन्जीगुड़ा आदिवासी कल्याण प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने कर्तव्यों में समय की पाबंदी नहीं होने, मध्याह्न भोजन नहीं मिलने और उपस्थिति तालिका के खराब रखरखाव पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। उन्होंने पांगिडी मदारा स्कूल कॉम्प्लेक्स के प्रिंसिपल पर अपना गुस्सा व्यक्त किया, जो स्कूल सुविधाओं के रखरखाव, शिक्षकों की उपस्थिति और स्कूल से संबंधित अन्य पहलुओं में ढिलाई बरत रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों को सभी सुविधाओं के साथ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास कर रही है और इसी क्रम में शिक्षकों को भी अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन करते हुए छात्रों के भविष्य के लिए काम करना चाहिए।

बिना किसी परेशानी के सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए समन्वित उपाय करने चाहिए ताकि लोगों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। जिले के कौटाला मंडल में कुंभारी, मुत्यम पेट से पारडिगो तक जाने वाली सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने और परिवहन के लिए समस्या बनने पर शनिवार को पंचायती राज अधिकारियों ने मरम्मत का प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यदि लोगों की सुविधा के लिए सड़क पर अस्थायी तौर पर मिट्टी व गड्ढे डाल दिये जायेंगे तो संभावना है कि बारिश में यह बह जायेगा और फिर कोई लाभ नहीं होगा। जब अधिकारियों ने कलेक्टर का ध्यान इस ओर दिलाया कि पारडी रोड के रास्ते में बजरी क्रशर हैं, भारी ट्रकों से सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है, तो उन्होंने अधिकारियों को अत्यधिक वाहनों पर नियंत्रण करने और क्रशरों से सामग्री लेकर गड्ढों को भरने का आदेश दिया। उन्होंने मंडल केंद्र में तहसीलदार और मंडल परिषद विकास अधिकारियों के कार्यालयों का दौरा किया और भवन की स्थिति का निरीक्षण किया। पंचायत राज ए.ई. को संबंधित भवनों के स्लैब और दीवारों से टपकने वाले पानी के पैटर्न की जांच करनी चाहिए और उन कमरों का उपयोग नहीं करना चाहिए।

जुक्कल विधायक ने सरकारी दवाखाना का निरीक्षण किया

मदनूर, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांताराव ने मदनूर मंडल केंद्र के सरकारी अस्पताल का निरीक्षण किया। विधायक मेडिकल स्टाफ से अस्पताल में मरीजों की चिकित्सा सेवाओं, बुनियादी ढांचे और अन्य विवरणों के बारे में पूछा।

मेडिकल स्टाफ ने अस्पताल की समस्याओं के बारे में विधायक को अवगत कराया और जल्द ही समस्याओं का समाधान करने का विधायक ने वादा किया। स्टाफ को मलेरिया, डेंगू और टाइफाइड जैसी मौसमी बीमारियों के प्रति सतर्क रहने और लोगों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

भारी बारिश को देखते हुए अधिकारी सतर्क रहें : कलेक्टर

आसिफाबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अगले 3 दिनों में भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क रहे। शनिवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टोरेट भवन परिसर में एस.पी श्रीनिवास राव, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु, आसिफाबाद, कागज नगर राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव, कसांबोयना सुरेश के साथ जिले के सभी मंडलों के तहसीलदार, मंडल परिषद विकास अधिकारी, मंडल पंचायत अधिकारी, कृषि विभाग अधिकारी और जिला अधिकारी शामिल हुए।

रेवंत सरकार स्कूली शिक्षा की उपेक्षा कर रही है : केटीआर

पूर्व मंत्री का आरोप ,गरीब छात्र पढ़ाई से वंचित

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने आज आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार स्कूली शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा कर रही है और गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को उनकी पढ़ाई से वंचित कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों की कमी के कारण इस साल 1,864 स्कूलों को बंद करने का प्रयास किया गया। यह शर्म की बात है कि सरकार, जिसे सरकारी स्कूलों को मजबूत करने और गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की उम्मीद है, उस दिशा में कदम उठाए बिना स्कूलों को बंद करना चाहती है। 2024 में सरकारी स्कूलों में दाखिलों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.4 लाख कम हुई है। यह राज्य के शिक्षा क्षेत्र के लिए खतरे का संकेत है। आठ महीने के भीतर, कांग्रेस सरकार ने सरकारी शिक्षा को चौपट कर दिया है। केटीआर ने कहा कि दुर्दशा इस तथ्य के कारण है कि सरकार, जिसे सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या कम होने के कारणों की पहचान करने और उन मुद्दों को हल करने की उम्मीद थी, वह निष्क्रियता की स्थिति में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में प्रवेश मुख्य रूप से छात्रों की संख्या के अनुरूप शिक्षकों की कमी के कारण कम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षकों के लगभग 25,000 पद खाली हैं और उन्हें तुरंत भरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार को समस्याओं का समाधान करना चाहिए, वह समस्याएं पैदा कर रही है। केटीआर ने कहा, "कई जगहों पर छात्र इसलिए सरकारी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि स्कूल बंद हैं और शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति पर दूसरे स्कूलों में भेजा जा रहा है। इसके अलावा, कांग्रेस सरकार ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि अभिभावक उचित बुनियादी ढांचे की कमी, गुणवत्तापूर्ण भोजन की कमी, स्कूलों और कल्याण छात्रावासों में साफ-सफाई और सुरक्षा की कमी के कारण सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने से डरते हैं। गुरुकुल स्कूलों में पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाएं, छात्रावासों में जहरीला भोजन, सुरक्षा की कमी और छात्रों की कमी के कारण स्कूलों का बंद होना चिंता का विषय है। यह तेलंगाना समाज के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।" उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने उस जिम्मेदारी से बचने के लिए बेकार के बहाने खोजने के लिए रेवंत सरकार की आलोचना की। केटीआर ने याद दिलाया कि केसीआर के 10 साल के शासन के दौरान सार्वजनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई थीं। उन्होंने याद दिलाया, "हमने पहले कभी नहीं देखे गए 1,000 से अधिक गुरुकुल स्कूल शुरू किए हैं और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया है।"

तेलंगाना में शराब चोरी

सेंध लगाने वाले 11 लोगों के गिरोह का भंडाफोड़

आदिलाबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शराब की दुकानों में घुसकर शराब की बोतलें और नकदी चोरी करने में कथित रूप से शामिल 11 लोगों के एक गिरोह को शुक्रवार रात आदिलाबाद जिले के नेराडिगोंडा मंडल केंद्र से पकड़ा गया। पुलिस ने उनके पास से 1.72 लाख रुपये नकद, एक कार, एक ऑटो रिक्शा, एक मोटरसाइकिल और 50,000 रुपये मूल्य की शराब जब्त की। इकोडा इंस्पेक्टर भीमेश और नेराडिगोंडा सब-इंस्पेक्टर श्रीकांत ने बताया कि आदिलाबाद के मुख्य आरोपी चौहान रवि के 11 साथियों को नेराडिगोंडा मंडल केंद्र में एक चार पहिया वाहन में संदिग्ध रूप से घूमते हुए पकड़ा गया। चौहान रवि को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पूछताछ करने पर आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जल्दी पैसा कमाने के लिए गिरोह बनाकर अपराध करते थे। उन्होंने मंचेरियल जिले के दांडेपल्ली, जैनथ मंडल के भोरज, आदिलाबाद जिले के बाजारहाथनूर और नेराडिगोंडा मंडल केंद्र के गिन्नूर और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के भीमपुर में शराब की दुकानों को रात के समय निशाना बनाने की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि वे न केवल शराब की बोतलें चुरा रहे थे, बल्कि दुकानों के काउंटरों में रखी नकदी भी चुरा रहे थे। उन्होंने कहा कि वे महाराष्ट्र में सस्ती कीमतों पर शराब बेच रहे हैं।

केसीआर किसानों तक पहुंचने के लिए करेंगे योजनाओं की घोषणा : जगदीश

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने शनिवार को यहां कहा कि विपक्ष के नेता और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव जल्द ही जनता तक पहुंचने के लिए अपने भविष्य की कार्ययोजना की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य भर में किसानों के बीच बढ़ती अशांति के बीच बीआरएस अध्यक्ष का कार्यक्रम अधिक राजनीतिक महत्व रखता है, जो कांग्रेस सरकार द्वारा ज्वलंत मुद्दों को हल करने में विफलता के कारण लगातार निराश हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार की अपने वादों को पूरा करने में असमर्थता की आलोचना की, जिससे किसान और आम जनता निराश हो गई है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े वादों के बावजूद उनमें से किसी पर भी अमल नहीं किया गया, जिसके कारण राज्य भर के किसान बीआरएस प्रमुख का ध्यान आकर्षित करने और उनका समर्थन प्राप्त करने के लिए आतुर हो रहे हैं। पूर्व मंत्री ने बताया कि कांग्रेस सरकार बीआरएस सरकार द्वारा बनाई गई सिंचाई क्षमता का उपयोग करने में विफल रही है। कलेश्वरम और देवदुला जैसी परियोजनाओं में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी था, फिर भी सरकार ने इन प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण पंपिंग इकाइयों को चालू नहीं करने का फैसला किया। परिणामस्वरूप, किसान सिंचाई और बिजली आपूर्ति के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जो कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से बदतर हो गई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

महिला सुरक्षा...

मोदी ने कहा, लोगों ने हमारी न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया :

पीएम ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के 75 साल, केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है- भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है- एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 साल मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत, यानी- सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है।

जिला अदालतों की नेशनल कॉन्फ्रेंस दो दिनों तक चलेगी। सुप्रीम कोर्ट इसका आयोजन कर रहा है। इस कॉन्फ्रेंस में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिला अदालतों से 800 से ज्यादा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

कॉन्फ्रेंस में 5 सत्र आयोजित किए जाएंगे। सम्मेलन के पहले दिन अदालतों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन को बढ़ाने के तरीकों की खोज पर चर्चा होगी। जजों की सुरक्षा और कल्याणकारी पहलुओं पर भी विचार-विमर्श होगा।

कार्यक्रम के दूसरे दिन केस हैंडलिंग और लंबित मामलों में कमी के लिए रणनीतियों पर चर्चा होगी। इसके लिए केस मैनेजमेंट पर एक सत्र आयोजित किया जाएगा। साथ ही जजों के लिए न्यायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। 1 अगस्त को कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भाषण होगा। वह सुप्रीम कोर्ट के ध्वज और प्रतीक चिह्न का भी अनावरण करेंगी।

पीएम ने 3 वंदे...

चेन्नई-नागरकोइल ट्रेन को केवल उद्घाटन के दिन डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से हरी झंडी दिखाई गई, लेकिन यह ट्रेन बुधवार को छोड़कर रोजाना चेन्नई एग्मोर से ही चला करेगी। इस ट्रेन में 16 कोच शामिल होंगे। वहीं, लखनऊ से मेरठ जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस रोजाना चलेगी। इस ट्रेन का टाइमटेबल और शेड्यूल अभी जारी नहीं हुआ है। इस ट्रेन में चेयरकार का किराया लगभग 1500 रुपये रहने की उम्मीद है।

मोदी ने 30 अगस्त को पालघर में वधावन पोर्ट का उद्घाटन किया :

पीएम ने वधावन पोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी पालघर में उनके साथ मौजूद थे। पालघर में पीएम मोदी ने सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसमें वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है। मोदी ने उद्घाटन करने के बाद कहा, महाराष्ट्र का विकास मेरी बहुत बड़ी प्राथमिकता है।

आज भारत की प्रगति में महाराष्ट्र बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि महाराष्ट्र विरोधी दलों ने आपके विकास पर हमेशा ब्रेक लगाने की कोशिश की।

मोदी ने कहा, हमारे देश को वर्षों से दुनिया के साथ व्यापार के लिए एक बड़े और आधुनिक पोर्ट की जरूरत थी, इसके लिए महाराष्ट्र का पालघर ही सबसे उपयुक्त जगह है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को 60 वर्षों तक लटका कर रखा गया। आप इतने जरूरी काम को कुछ लोग शुरू नहीं होने दे रहे थे।

मोदी ने पालघर में लगभग 1,560 करोड़ रुपये की लागत से 218 फिशिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया। इसका उद्देश्य फिशिंग सेक्टर में इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोडक्टिविटी को बढ़ावा देना है। अधिकारियों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की मदद से फिशिंग सेक्टर में 5 लाख से अधिक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया में खेलेगा राहुल द्रविड़ का बेटा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिला मौका

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल द्रविड़ की गिनती भारत ही नहीं दुनिया के महान बल्लेबाजों में होती है. सॉलिड टेक्निक और कई भरोसेमंद पारियों के कारण उन्हें टीम इंडिया में 'द वॉल' की उपाधि मिली हुई थी. उनके बेटे समित द्रविड़ भी क्रिकेट खेलते हैं. फैंस को पिता की तरह उनसे भी काफी उम्मीदें हैं. समित ने हाल में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ की टी20 लीग महाराजा टी20 ट्रॉफी में हिस्सा लिया था. इस लीग में समित मैसूरू वॉरियर्स का हिस्सा थे. इस दौरान उनका प्रदर्शन तो कुछ खास नहीं रहा लेकिन उन्होंने अपने टैलेंट की झलकियां जरूर दिखाई थीं. अब उनका सेलेक्शन भारत के अंडर-19 टीम में हो गया है. बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होम सीरीज में उन्हें मौका दिया है. ये पहली बार है जब समित भारत के अंडर-19 टीम का हिस्सा होंगे.

दो सीरीज में मिला मौका

बीसीसीआई ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के बीच वनडे और फोर डे सीरीज का ऐलान किया है. ये सीरीज भारत में ही खेली जाएगी. 21 सितंबर से शुरू होने वाले इस सीरीज में 3 वनडे और 2 फोर डे मुकाबले खेले जाएंगे. इसके लिए बीसीसीआई की जूनियर सेलेक्शन कमेटी ने भारतीय टीम का चयन किया है. राहुल द्रविड़ के बेटे को इन दोनों ही सीरीज में मौका मिला है. बता दें समित के लिए महाराजा ट्रॉफी अच्छा नहीं रहा था. वो एक भी बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब नहीं रहे थे. टूर्नामेंट में उनका सर्वाधिक स्कोर 33 रहा था. लगातार फ्लॉप होने के बाद समित को टीम से भी बाहर कर दिया गया था.

कब और कहां होंगे मुकाबले?

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम भारत दौरे पर पहले वनडे सीरीज खेलेगी. इसका पहला मुकाबला 21 सितंबर, दूसरा 23 और तीसरा मैच 26 को खेला जाएगा. वहीं फोर डे सीरीज का पहला मैच 30 सितंबर से 30 अक्टूबर तक और दूसरा मुकाबला 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक खेला जाएगा. बता दें वनडे सीरीज जहां पुडुचेरी में, वहीं फोर डे सीरीज चेन्नई में खेली जाएगी.

वनडे सीरीज के लिए भारत का स्क्वॉड

मोहम्मद अमान (कप्तान), रुद्र पटेल (उपकप्तान), साहिल पारख, कार्तिकेय केपी, किरण चोरमले, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), समित द्रविड़, युधाजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित राजावत, मोहम्मद एनान.

इम्पैक्ट प्लेयर और 2 बाउंसर नियम पर बीसीसीआई में रिव्यू

मुश्ताक अली के बाद आईपीएल में लागू हुए थे रूल, इंटरनेशनल टी-20 में नहीं

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इम्पैक्ट प्लेयर और एक ओवर में 2 बाउंसर के नियम का रिव्यू करने जा रहा है। फिलहाल, स्टेट यूनिट्स में असमंजस है कि आने वाले डोमेस्टिक क्रिकेट में इन नियमों को लागू रखना है या नहीं। खासकर नवंबर में शुरू होने जा रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में।

ये दोनों नियम IPL और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लागू थे। 2 बाउंसर का नियम पिछले साल लाया गया था। जबकि इम्पैक्ट प्लेयर नियम की शुरुआत आईपीएल-2023 से हुई थी। फिर इसे मुश्ताक अली ट्रॉफी में लाया गया। हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में दोनों ही नियमों का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन के बाद इम्पैक्ट प्लेयर पर दुनियाभर में बहस जारी है। कई सीनियर क्रिकेटर इन नियमों के समर्थन में हैं, तो कई विरोध कर रहे हैं। बीसीसीआई के सेक्रेटरी जय शाह ने पिछले दिनों कहा था कि

इस बारे में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा और इसकी जानकारी दी जाएगी।

वे नियम, जिनकी समीक्षा होनी है

इम्पैक्ट प्लेयर यह नियम मैच के दौरान किसी भी समय रिप्लेसमेंट के तौर पर एक अतिरिक्त खिलाड़ी को बतौर इम्पैक्ट प्लेयर मैदान पर उतारने की अनुमति देता है। यानी कि कप्तान मैच की परिस्थिति के अनुसार किसी भी खिलाड़ी की जगह इम्पैक्ट प्लेयर को मैदान पर भेज सकता है। इसे पहली बार आईपीएल-2023 में लागू किया गया था। एक ओवर में 2 बाउंसर बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट में एक ओवर में 2 बाउंसर का इस्तेमाल करने की छूट देता है। इस नियम की शुरुआत पिछले साल सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट से हुई थी। बाद में इसे आईपीएल-2024 में लागू किया था। हांलाकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर में एक बाउंसर का नियम है।

2 बाउंसर नियम को पिछले सीजन के डोमेस्टिक सीजन में लागू करने के बाद आईपीएल में भी लागू किया था, जबकि इम्पैक्ट प्लेयर की शुरुआत आईपीएल-2023 से हुई थी। लेकिन अब स्टेट यूनिट्स असमंजस में हैं कि अगले सीजन में ये नियम लागू होंगे या नहीं।

एक स्टेट यूनिट के अधिकारी ने बताया कि इम्पैक्ट प्लेयर और 2 बाउंसर नियम बीसीसीआई की समीक्षा के मुख्य बिंदु हैं। हालांकि, अब तक इन पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। बोर्ड ने 3 हफ्ते पहले डोमेस्टिक क्रिकेट के लिए नियम, दिशानिर्देश और खेल की शर्तें जारी की थीं। तब कहा गया था कि इन नियमों के बारे में सभी यूनिट्स को जल्द ही सूचित किया जाएगा, लेकिन राज्य संघों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि क्या ये 2 नियम जारी रहेंगे।

इम्पैक्ट प्लेयर पर बहस

3 दिन पहले बुधवार, 28 अगस्त को अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम का समर्थन किया था। दूसरी ओर, आईपीएल-2024 सीजन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऐरन फिंच और रिकी पोंटिंग सहित कुछ खिलाड़ियों ने इस नियम की आलोचना की थी।

शिवाजी पार्क में बनेगी तेंदुलकर के कोच की मूर्ति

पूर्व क्रिकेटर ने लिखा- उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित कामथ मेमोरियल क्रिकेट क्लब में दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के कोच रमाकांत आचरेकर सर की मुर्ति लगाई जाएगी। यह जानकारी खुद सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को एक सोशल पोस्ट में दी है।

51 साल के पूर्व बल्लेबाज ने शनिवार को X पोस्ट पर एक सेल्फी पोस्ट करते हुए लिखा- 'मैं उस जगह की ओर इशारा कर रहा हूं जहां से मेरी यात्रा शुरू हुई थी- शिवाजी पार्क में कामथ मेमोरियल क्रिकेट क्लब। यहां जल्द ही आचरेकर सर की मौजूदगी उनकी प्रतिमा के साथ अमर हो जाएगी। यह उस व्यक्ति के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिसने अनगिनत लोगों के जीवन को आकार दिया।'

2010 में उन्हें तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 12 फरवरी 2010 को उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम के तत्कालीन कोच गैरी कर्स्टन द्वारा 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड द्वारा खेल में विभिन्न श्रेणियों के लिए दिए गए पुरस्कारों का हिस्सा था।

खेल दिवस पर महाराष्ट्र सरकार ने दी मंजूरी

29 अगस्त को खेल दिवस के मौके पर महाराष्ट्र सरकार ने शिवाजी पार्क के गेट नंबर 5 के पास आचरेकर की 6 फीट ऊंची प्रतिमा लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसे बनाने की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। इस पर सचिन ने कहा था कि आचरेकर सर का मेरे और कई अन्य लोगों के जीवन पर बहुत प्रभाव रहा है। मैं उनके सभी छात्रों की ओर से बोल रहा हूं। उनका जीवन शिवाजी पार्क में क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमता था। शिवाजी पार्क में हमेशा रहना ही उनकी इच्छा रही होगी। मैं आचरेकर सर की कर्मभूमि पर उनकी प्रतिमा बनाने के सरकार के फैसले से बहुत खुश हूं।

2019 में हुआ था निधन, 14 इंटरनेशनल क्रिकेटर तैयार किए

2 जनवरी 2019 को 87 साल की उम्र में रमाकांत आचरेकर का निधन हो चुका है। उनसे क्रिकेट सीखने वाले 14 क्रिकेटर्स भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। इनमें सचिन तेंदुलकर, रामनाथ पारकर, एकनाथ सोलकर, बलविंदर सिंह सिद्धू, लालचंद राजपूत, चंद्रकांत पंडित, प्रवीण आम्रे, विनोद कांबली, समीर डीघे, संजय बांगर, पारस म्हाम्ब्रे, रमेश पवार, अजित अगरकर और साईराज बहुतुले।

यूएस ओपन: युकी-ओलिवेटी तीसरे दौर में

बालाजी को मिली हार; रोहन बोपन्ना प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्टिन क्राजिस्क और जीन जूलियन रोजर को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया।

यह केवल दूसरा अवसर है जब भांबरी किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले वह 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी इसी चरण में पहुंचे थे। हालांकि, भारत के एक अन्य खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के उनके जोड़ीदार गुइडो आंद्रेओज़ी

दूसरे दौर में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्की से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और अर्जेंटीना की जोड़ी दूसरे दौर के मैच में 6-7 (4), 4-6 से हार गई। वीनस और स्कूपस्की को सात ब्रेक प्वाइंट मिले जिसमें से उन्होंने एक को भुनाया। बालाजी और आंद्रेओज़ी सर्विस ब्रेक के अपने एकमात्र अवसर को भुनाने में असफल रहे। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष और मिश्रित युगल वर्ग में आगे बढ़ने में सफल रहे। 44 वर्षीय बोपन्ना ने इंडोनिशिया के अलदिता सुत्जादी के साथ मिलकर डेमी शुअर्स और टिम पिट्स को पहले दौर के मैच में 7-6 (7), 7-6 (5) से हराने में सफल रहे। इसके बाद बोपन्ना मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर पुरुष युगल वर्ग में रोबर्टो कारबेल्स तथा फेडेरिको कोरिया को दूसरे दौर के मैच में 6-2, 6-4 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे।

यूएस ओपन में दूसरे दिन उलटफेर, जोकोविच हारे

24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं, एक दिन पहले लगातार 15 ग्रैंड स्लैम जीत चुके अल्काराज हारे थे

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूएस ओपन में लगातार दूसरे दिन उलटफेर हुआ। टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में शनिवार को 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हार मिली। उन्हें 28वीं सीड ऑस्ट्रेलिया के अलेक्सी पोपिरिन ने 6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला गया।

जोकोविच यूएस ओपन के डिफेंडिंग चैंपियन थे। उन्होंने 2023 में रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराकर ये टूर्नामेंट जीता था।

एक दिन पहले 30 अगस्त को 15 ग्रैंड स्लैम जीत चुके स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 74वीं रैंक के खिलाड़ी ने दूसरे राउंड से बाहर कर दिया था। 2022 में

अल्काराज ने यूएस ओपन जीता था।

जोकोविच 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ग्रैंड स्लैम टाइटल के साल का अंत करेंगे।

पिछले 16 सालों में ऐसा पहली बार हुआ जब जोकोविच यूएस ओपन के चौथे राउंड तक भी नहीं पहुंच सके।

2002 के बाद पहली बार टेनिस के बिग थ्री यानी जोकोविच, नडाल और फेडरर ने साल का एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीता। बिग थ्री में फेडरर संन्यास ले चुके हैं। नडाल यूएस ओपन नहीं खेल रहे हैं।

जोवोविच को हराने वाले 25 साल के पोपिरिन

यूएस ओपन में जोकोविच 25 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने का प्रयास कर रहे थे। वे 24 ग्रैंड स्लैम के साथ ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट की बराबरी पर हैं। कोर्ट ने भी 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं।

एक दिन पहले अल्काराज भी हारे थे

एक दिन पहले स्पेन के कार्लोस अल्काराज दूसरे राउंड से हारकर बाहर हो गए। वर्ल्ड नंबर-3 अल्काराज को वर्ल्ड नंबर-74 नंबर पर काबिज नीदरलैंड के बोटिक वान डी जैंडस्कल्प ने 6-1, 7-5, 6-4 से हराया। अल्काराज ने इस साल विंबलडन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। अल्काराज ने फ्रेंच ओपन का खिताब भी जीता।

मोहम्मद आमिर की सीपीएल में हुई भयंकर कुटाई

आखिरी गेंद पर छक्का खाकर हराया मैच

खेल डेस्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मोहम्मद आमिर ने इसी साल रिटायरमेंट वापस लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी. हालांकि, वो पाकिस्तान के लिए कुछ खास कमाल नहीं कर सके थे. टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उनकी टीम की शर्मनाक हार के बाद जमकर बेइज्जती हुई थी. अब वो कैरिबियन प्रीमियर लीग में हिस्सा ले रहे हैं, जहां उन्हें खूब मार पड़ी है. आमिर की खराब गेंदबाजी की वजह से उनकी टीम एंटीगा और बारबुडा फालकन्स ने एक जीता हुआ मैच हार गई. दरअसल, अंतिम ओवर में उनकी टीम ने 16 रन बचाने के लिए उन पर भरोसा किया, जिसमें वो असफल रहे.

आमिर ने 2 ओवर में दिए 36 रन

कैरिबियन प्रीमियर लीग 2024 की शुरुआत हो चुकी है. इसका दूसरा मुकाबला गयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटीगा और बारबुडा फालकन्स के बीच खेला गया. इस रोमांचक मैच में पाकिस्तान के

तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अपनी टीम की नाक कटा दी. अंतिम के 3 ओवरों में उनकी टीम को 47 रन बचाने थे. आमिर ने इसमें 2 ओवर फेंके और 36 रन लुटाकर जीते हुए मैच को हार में बदल दिया. आमिर ने 18वां और 20वां ओवर फेंका और दोनों में 18-18 रन दिए. अंतिम ओवर में उन्हें 16 रन बचाने थे, जिसमें उन्हें 3 चौके और 1 छक्के पड़े और एंटीगा ये मैच हार गई. आमिर ने 4 ओवर में बिना विकेट लिए कुल 39 रन दे दिए.

रोमांचक मैच में प्रीटोरियस बने हीरो

एंटीगा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे. गयाना अमेजन वॉरियर्स ने इसे रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर 3 विकेट रहते चेज कर लिया. गयाना के लिए खेलने वाले साउथ अफ्रीका ऑलराउंडर ड्वेन प्रीटोरियस इस जीत के हीरो रहे. आखिरी ओवर में उनकी टीम को 16 रन की जरूरत थी. आमिर के सामने मुकाबला जीतना मुश्किल लग रहा था.

प्रीटोरियस दबाव में थे और अंतिम ओवर की पहली गेंद पर एक रन भी नहीं बना सके जिससे प्रेशर और बढ़ गया. इसके बाद उन्होंने अगली 2 गेंद पर लगातार दो चौके जड़ दिए. इससे थोड़ी राहत मिली लेकिन अगली गेंद फिर डॉट हुई और दबाव वापस गयाना पर आ गया. अब आखिरी दो गेंद पर 8 रन बनाने थे. इसके बाद प्रीटोरियस ने आमिर की गेंद को बाउंड्री पार भेजने का फैसला किया. उन्होंने पहले चौका, फिर छक्का जड़कर हारी हुई बाजी को पलट दिया.

लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड 256 रन से आगे: एटकिंसन और रूट ने लगाई सेंचुरी

फर्नांडो को 5 विकेट; श्रीलंका 196 रन बनाकर ऑलआउट

लंदन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड से तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने शतक लगा दिया। एटकिंसन की सेंचुरी के दम पर टीम ने पहली पारी में 427 रन बना दिए।

श्रीलंका ने अपनी पहली पारी शुरू की, लेकिन टीम 196 रन ही बना सकी। इंग्लैंड ने दूसरे ही दिन अपनी दूसरी पारी शुरू कर दी, टीम ने 1 विकेट खोकर 25 रन भी बना लिए। इस तरह उनके पास फिलहाल 256 रन की बढ़त है। टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड से जो रूट ने अपने करियर का 33वां शतक लगाया था। उन्होंने 143 रन की पारी खेली। श्रीलंका से तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो ने 5 विकेट लिए। इंग्लैंड ने पहले दिन 7 विकेट खोकर 358 रन बनाए थे। दूसरे दिन गस एटकिंसन ने 74 और मैथ्यू पॉट्स ने 20 रन के स्कोर से अपनी-अपनी पारी आगे बढ़ाई। एटकिंसन ने तेजी से रन बनाना जारी रखा और

अपने करियर की पहली सेंचुरी लगा दी। एटकिंसन 115 बॉल पर 118 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पॉट्स के साथ 85 रन की पार्टनरशिप की थी। इससे पहले उन्होंने जो रूट के साथ 92 रन की साझेदारी भी की थी। एटकिंसन इंग्लैंड के 9वें विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें असिथा फर्नांडो ने शॉर्ट पिच बॉल फेंकी, एटकिंसन ने पुल शॉट खेला। गेंद बाउंड्री की ओर जा रही थी, तभी मिलन रत्नायके ने पीछे की हवा में डाइव लगाई और बेहतरीन कैच पकड़ लिया। एटकिंसन ने 118 रन की पारी में 14 चौके और 4 सिक्स लगाए। इंग्लैंड के लिए आखिर में मैथ्यू पॉट्स ने 21, ओली स्टोन ने 15 और शोएब बशीर ने 7 रन बनाए। टीम ने 102 ओवर बैटिंग कर 427 रन बनाए। श्रीलंका से तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो ने 5 विकेट लिए। मिलन रत्नायके और लहिरु कुमारा को 2-2 सफलताएं मिलीं, जबकि प्रबाथ जयसूर्या ने एक विकेट लिया। पहला सेशन खत्म होने तक श्रीलंका ने भी अपनी पहली पारी शुरू कर दी। टीम ने 9.1 ओवर के बाद 2 विकेट खोकर 32 रन बना लिए। निशान मदुष्का और दिमुथ करुणारत्ने 7-7 रन बनाकर आउट हुए। पाथुम निसांका 10 रन बनाकर नॉटआउट रहे। इंग्लैंड से क्रिस वोक्स और ओली स्टोन ने 1-1 विकेट लिया। श्रीलंका ने 32/2 के स्कोर से दूसरे सेशन में पारी आगे बढ़ाई। टीम ने 129 रन के स्कोर तक 7 विकेट गंवा दिए। टीम से कमिंडु मेंडिस 26 रन बनाकर प्रबाथ जयसूर्या के साथ नॉटआउट रहे।

बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम और नितेश सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम और नितेश कुमार पुरुष एकल के अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए, जबकि मनदीप कौर ने महिला एकल एसएल3 स्पर्धा में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की विनोट सेलीन ऑरेली को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले एसएल 3 वर्ग के खिलाड़ी नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच जगह बना ली है। नितेश ने थाईलैंड के बुनसुन मोंगखोन को सीधे गेम में 21-13, 21-4 से हराया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहे। भारत के एक अन्य बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने पुरुष

एकल एसएल4 स्पर्धा का ग्रुप चरण मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सुकांत ने थाईलैंड के सिरिपोंग को 21-12, 21-12 से हराया। तीन खिलाड़ियों के ग्रुप में यह उनकी लगातार दूसरी जीत थी। सुकांत ने पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता था।

एक अन्य मुकाबले में टोक्यो पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता मनोज सरकार ने चीन के यांग जियानयुआन को 21-1, 21-11 से हराया। मनोज इससे पहले बुनसुन और नितेश से हारने के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गए थे।

मनदीप ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ग्रुप बी में अपना आखिरी मैच 21-23, 21-10, 21-17 से जीता। वह अपना पहला मैच नाइजीरिया की बोलाजी मरियम से हार गई थीं। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय खिलाड़ी के लिए यह मैच जीतना जरूरी था। उन्होंने तीन खिलाड़ियों के ग्रुप बी में दूसरा स्थान हासिल किया। मरियम ने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एसएल3 मिश्रित युगल के एक अन्य मैच में नितेश कुमार और थुलासिमथी मुरुगेसन को फ्रांस के फॉस्टीन नोएल और लुकास मजूर से 22-24, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में एकमात्र जीत नित्या सिवान सुमाथी और सिवाराजन सोलाईमलाई ने हासिल की। उन्होंने ग्रुप बी में थाईलैंड के नत्थापोंग मीचाई और चाई सेयांग को 21-7, 21-17 से हराया।

जान-माल के नुकसान से बचने के लिए एहतियात बरतें : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकांफ्रेंस की

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे जान-माल के नुकसान से बचने के लिए एहतियात बरतें, क्योंकि मौसम विभाग ने पूरे राज्य में दो दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मुख्य सचिव ने आज जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकांफ्रेंस कर राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की। डीजीपी डॉ. जितेन्द्र, प्रमुख सचिव नगर प्रशासन दाना किशोर, प्रमुख सचिव नियोजन संदीप कुमार सुल्तानिया, सचिव सिंचाई राहुल बोज्जा, सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्रिस्टीना चोंगथु, सचिव पंचायत राज लोकेश कुमार, डीजी अग्निशमन सेवाएं नागिरेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा, नगर प्रशासन निदेशक गौतम ने इस टेलीकांफ्रेंस में भाग लिया। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि राज्य के साथ-साथ इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में भी भारी बारिश हो रही है और कलेक्टरों को किसी भी तरह की अचानक आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। कुछ क्षेत्रों में बादल फटने की संभावना है। उन्होंने निर्देश दिया कि हर जिला कलेक्टर कार्यालय के साथ-साथ जीएचएमसी और राज्य सचिवालय में नियंत्रण कक्ष खोले जाएं।

उन्होंने उचित निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लोग बाहर न निकलें। उन्होंने निर्देश दिया कि उफनती नदियों की निगरानी के लिए विशेष रूप से एक अधिकारी नियुक्त किया जाना चाहिए। सीएस ने कहा कि जिला कलेक्टर बारिश के मद्देनजर जिलों में स्कूलों के लिए अवकाश घोषित करने का निर्णय ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालने और पुनर्वास शिविर स्थापित करने की अग्रिम योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि लोगों को समय-समय पर मीडिया के माध्यम से भारी बारिश और बाढ़ के कारण बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांवों और कस्बों में पानी के अच्छे स्रोत टैंकों के प्रदूषण को रोकने के लिए उचित उपाय करने के अलावा, उन्होंने कहा कि बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरीनेशन किया जाना चाहिए। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा टीमों को सतर्क कर दिया गया है और उपयुक्त दवाएं तैयार रखी गई हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एनडीआरएफ की टीमें हैदराबाद और विजयवाड़ा में हैं और अगर कोई जरूरत पड़ी तो इन एनडीआरएफ टीमों को तैनात किया जा सकता है। गोदावरी और कृष्णा नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों के जिलों के कलेक्टरों को अधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारी बाढ़ और बारिश के कारण स्थानीय लोग कुछ स्थानों पर मिट्टी के गड्ढे बना सकते हैं और इसके कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को ऐसी गतिविधियों को रोकने की सलाह दी गई है। कलेक्टरों को जिले में पुलिस, सिंचाई विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, पंचायत राज और अन्य विभागों के साथ समन्वय में काम करने का निर्देश दिया गया है।

ग्रेटर हैदराबाद में मानसून आपातकालीन टीमों को सतर्क करने के अलावा, उन्हें मैनहोल खोलने के खिलाफ सतर्कता रखने का भी आदेश दिया गया है। डीजीपी जितेंद्र ने कहा कि राज्य के सभी पुलिस आयुक्त कार्यालयों और एसपी को सतर्क कर दिया गया है। एसपी/पुलिस आयुक्तों को जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय में काम करने और सभी आयुक्तालयों और एसपी कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का आदेश दिया गया है।

अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ दो मामले दर्ज

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर और बचुपल्ली में दो अलग-अलग जल निकायों पर कथित रूप से अतिक्रमण करने वाले विभिन्न व्यक्तियों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों की शिकायत के आधार पर ये मामले दर्ज किये गये। अधिकारियों के अनुसार, मेसर्स मैप्स इंफ्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसका प्रतिनिधित्व इसके प्रबंध साझेदार पी सुधाकर रेड्डी कर रहे हैं।

उन पर एर्राकुंटा झील के पूर्ण टैंक स्तर पर कथित रूप से निर्माण कार्य करने का आरोप है। मामला बचुपल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है।

दूसरा मामला दो व्यक्तियों डी स्वनलथा और डी कृष्ण किशोर के खिलाफ मियापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है, जिन पर मदीनागुडा स्थित एरला चेरुवु के बफर जोन में कथित तौर पर निर्माण कार्य करने का आरोप है।

]सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना ही इमारतों का निर्माण किया गया था। अधिकारी ने शिकायत में आरोप लगाया कि जल निकायों में इमारतों का निर्माण करके अपराधी तालाब की भूमि को भारी नुकसान पहुंचाते हैं और प्राकृतिक तालाबों में पानी के मुक्त प्रवाह को बाधित करते हैं।

हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने कई अतिक्रमण वाले इलाकों का दौरा किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा अधिकारियों द्वारा अवैध निर्माणों पर कार्रवाई लगातार जारी है। कई जगहों पर पहले ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा चुकी है। हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने शनिवार को पठानचेरूवु का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय साकी तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब के अतिक्रमण वाले इलाके का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने तालाब में 18 अवैध निर्माणों की पहचान की है। आरोप है कि इनकॉर कंपनी ने तालाब के स्लुइस गेट बंद करके अपार्टमेंट का निर्माण किया था। रंगनाथ ने अपने दौरे के दौरान अपार्टमेंट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अमीनपुर का भी दौरा किया और शंभुनी कुंटा, संबीकुंटा, बंधम कोम्मू, चक्रपुरी कॉलोनी और अमीनपुर बड़े तालाबों का दौरा किया। अधिवक्ता रविकृष्ण ने तालाबों के अतिक्रमण के संबंध में हाइड्रा आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। स्थानीय लोगों ने कहा कि सभी तालाबों पर अतिक्रमण कर लिया गया है, नहरें बंद कर दी गई हैं और अवैध निर्माण किए गए हैं। रंगनाथ ने अधिकारियों को इस संबंध में पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। शंभुनीकुंटा, साकी चेरुवु, अमीनपुर पेड्डा टैंक और बंधमकौमू टैंक की सीमा में अवैध निर्माण पाए गए। इस बीच, हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ ने वाईएसआरसीपी अध्यक्ष और पूर्व एपी सीएम वाईएस जगन को नोटिस दिए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया जा रहा है।

हाइड्रा ने अप्पा चेरुवु में अवैध संरचनाओं को ढहाया

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के अधिकारियों के साथ विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने शनिवार को शमशाबाद के गगन पहाड़ में अप्पा चेरुवु में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। हाइड्रा की टीमें, अर्थमूवर्स की मदद से, मौके पर पहुंचीं और सुबह ही ढांचों को गिराना शुरू कर दिया। साइबराबाद पुलिस ने घटनास्थल पर आवश्यक बंदोबस्त की व्यवस्था की। कथित तौर पर ये इमारतें कुछ ऐसे व्यक्तियों की हैं जिनका राजनीतिक जुड़ाव है। हाल के दिनों में यह देखा गया है कि अप्पा चेरुवु और एक अन्य टैंक का पानी आरजीआई हवाई अड्डा मार्ग पर बह जाता है और यातायात बाधित हो जाता है।

अधिकारियों ने गगनपहाड़ क्षेत्र में अवैध इमारतों को ध्वस्त किया

भाजपा पार्षद श्रीनिवास रेड्डी का शेड भी ध्वस्त

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा अधिकारियों ने आज गगनपहाड़ क्षेत्र में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने का काम शुरू किया है। पता चला है कि अवैध संरचनाओं का निर्माण अप्पाचेरुवु एफटीएल में किया गया था। अतिक्रमणकारियों ने तालाब की जमीन पर कब्जा कर लिया है और उस क्षेत्र में शेड बना लिए हैं। नतीजतन, हाइड्रा अधिकारियों ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने पाया कि तालाब के एफटीएल में अवैध रूप से 18 शेड बनाए गए थे। अतिक्रमणकारियों ने तालाब के पार बनाई गई सुरक्षा दीवार को हटा दिया। अधिकारियों ने श्रमिकों को अपने आवास खाली करने का आदेश दिया। पता चला है कि शेड के कारण तालाब का निचला हिस्सा पानी से भर रहा है। आरोप है कि चार साल पहले शेड में पानी घुसने से रोकने के लिए तालाब खोदा गया था। राज्य सरकार के अधिकारियों ने मैलारदेवपल्ली के भाजपा पार्षद श्रीनिवास रेड्डी के शेड भी ध्वस्त कर दिए।

जीएचएमसी ने जारी की एडवाइजरी

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने भारी बारिश की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा नोटिस जारी किया है। निवासियों को विशेष रूप से बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। नगर निकाय ने बच्चों को घर के अंदर रखने, जलभराव वाली सड़कों से बचने और बाढ़ वाली सड़कों से दूर रहने, खासकर दोपहिया वाहनों के लिए सलाह दी है। तत्काल सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर उपलब्ध कराए गए हैं। सहायता के लिए निवासी जीएचएमसी के टोल-फ्री नंबर 040 21111111 या आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) से 9000113667 पर संपर्क कर सकते हैं। संभावित बाढ़ से निपटने के लिए शहर के अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं।

लुटेरों ने कारोबारी से 38 लाख रुपये से भरा बैग छीना

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात हैदराबाद के रेथिबौली में दो बाइक सवार लुटेरों ने एक व्यापारी से 38 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया। शहर में एक आभूषण की दुकान पर काम करने वाले श्रीकांत ने दुकान से रकम ली और स्कूटर पर अत्तापुर की ओर जा रहे थे, तभी यह घटना घटी। रास्ते में वह एक पान की दुकान पर रुके, तभी हेलमेट पहने बाइक सवार लुटेरे आए और उनसे बैग छीन लिया। गुड़ीमलकापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। उन्हें संदेह है कि लुटेरों को श्रीकांत के बारे में पता था कि वह नियमित रूप से नकदी लेकर आता है और वे उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। पुलिस अपराध में किसी अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है।

अवैध अतिक्रमण को बढ़ावा देने के लिए 6 अधिकारियों पर केस

शिकायत के आधार पर दर्ज किए गए मामले

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर टैंकों और झीलों पर अवैध अतिक्रमण को बढ़ावा देने के आरोप में 6 सरकारी अधिकारियों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए। ये मामले हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ द्वारा अधिकारियों के खिलाफ की गई शिकायत के आधार पर दर्ज किए गए। एफआईआर संख्या 41/2024 के तहत पुलिस ने 4 लोगों पी रामकृष्ण राव, नगर आयुक्त, निजामपेट नगर निगम, पूलसिंह, एमआरओ बाचुपल्ली मंडल, के श्रीनिवासुलु, सहायक निदेशक (एडी) सर्वेक्षण और भूमि अभिलेख, मेडचल मलकाजगिरी और सुधीर कुमार, सहायक योजना अधिकारी, एचएमडीए को आरोपी बनाया है।

शिकायत में, हाइड्रा के आयुक्त ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने कथित तौर पर अवैध निर्माण की अनुमति दी और उनकी लापरवाही और कदाचार के कारण पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों और अदालतों को गुमराह करके प्रगतिनगर निज़ामपेट में एर्राकुंटा तालाब पर निर्माण की अनुमति दी थी। दूसरे मामले में एफआईआर संख्या 42/2024 के तहत पुलिस ने एम राज कुमार, सहायक नगर योजनाकार सर्कल 21 चंदानगर जीएचएमसी और एन सुधामेश, उपायुक्त, सर्कल 21, चंदानगर को आरोपी बनाया है।

शिकायत हाइड्रा के आयुक्त द्वारा दर्ज की गई थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि अधिकारी एर्ला चेरुवु में अनधिकृत निर्माण की अनुमति देने के लिए जिम्मेदार थे।

अधिकारियों ने भवन निर्माण की अनुमति और अधिभोग प्रमाणपत्र जारी किया था, हालांकि सिंचाई विभाग ने संकेत दिया था कि निर्माण बफर जोन नियमों का उल्लंघन करता है। साइबराबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) मामले की जांच कर रही है।

हैदराबाद में भारी बारिश की संभावना

आईएमडी ने व्यवधान की दी चेतावनी

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)- हैदराबाद ने सप्ताहांत में शहर में भारी बारिश का अनुमान जताया है तथा रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि संभावित प्रभाव में सड़कों और निचले इलाकों में पानी जमा होना, अधिकांश स्थानों पर यातायात जाम होना, सड़कें गीली और फिसलन भरी होना तथा पेड़ों और बिजली के खंभों के गिरने की संभावना शामिल है। कुछ घंटों के लिए बिजली, पानी और अन्य आवश्यक सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं, साथ ही नालियां भी जाम हो सकती हैं। रात भर शहर में हल्की से मध्यम बारिश हुई। हैदराबाद विश्वविद्यालय क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में शनिवार सुबह 8.30 बजे तक 16.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि भेल फैक्ट्री क्षेत्र में 15.5 मिमी और गचीबोवली में 13.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

टीम वर्क के साथ कर्तव्यों का प्रभावी निर्वहन : मोहम्मद मुर्तुजा

संयुक्त निदेशक सूचना हुए सेवानिवृत्ति

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक मोहम्मद मुर्तुजा ने कहा कि अधिकारियों ने कर्मचारियों के सहयोग से अपने कार्य का निर्वहन सफलतापूर्वक किया है। मोहम्मद मुर्तुजा वर्तमान में जीएचएमसी में सयुक्त निदेशक के पद पर सीपीआरओ के रूप में कार्यरत थे, शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर हैदराबाद राज्य सूचना विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अपने 31 साल के कामकाजी जीवन में उन्होंने संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों में सहायक नागरिक संबंध अधिकारी से लेकर संयुक्त निदेशक तक विभिन्न पदों पर काम किया है। सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अधिकारी-कर्मचारी समन्वय बनाकर झंडे का फल आम जनता तक पहुंचाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने अपने कार्य दायित्व के प्रबंधन में सहयोग देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राज्य सूचना विभाग के अतिरिक्त निदेशक डीएस जगन ने कहा कि मोहम्मद मुर्तुजा ने अपने दैनिक कार्यों से सूचना विभाग को अच्छी पहचान दिलाई है। मैदान में दबाव को कुशलता से संभालने और अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उनकी सराहना की गई। उन्होंने उन्हें कठिन परिस्थितियों में कर्मचारियों के साथ खड़े रहने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को उनसे बहुत कुछ सीखना चाहिए कि लंबे समय तक सूचना विभाग को दी गई उनकी सेवाओं को भुलाया नहीं जा सकता। संयुक्त निदेशक डी. श्रीनिवास ने कहा कि एक गरीब परिवार में पैदा हुए मोहम्मद मुर्तुजा ने उच्च पद तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की और कई लोगों के लिए प्रेरणा बने। वह अपने कर्मचारियों को कार्य कर्तव्यों के पालन में मार्गदर्शन करते थे। उन्होंने उन अधिकारियों की सराहना की जो कर्मचारियों को परिवार की तरह मानते थे और कर्मचारियों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करते थे। तेलंगाना मासिक संपादक शास्त्री, मुख्य सूचना अभियंता राधाकिशन, क्षेत्रीय सहायक प्रबंधक सूचना अभियंता जयराम, उप संपादक वाई. वेंकटेश्वरलू, एमए हाशमी, एम. मधुसूदन, सीएच राजा रेड्डी, सहायक निदेशक एम. दशारधाम, तेलंगाना सांस्कृतिक संघ के सदस्य और कर्मचारी उपस्थित थे।

भाजपा एसटी मोर्चा अध्यक्ष ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कल्याण नाइक ने आज कस्तूरबा गांधी स्कूल का दौरा किया, जब उन्हें पता चला कि एससी और एसटी जाति की लड़कियां शिकायत कर रही हैं कि वे स्कूल में बदबूदार चावल खा रही हैं और वे कीड़े वाले चावल खा रही हैं।

जब वहां लड़कियों से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हॉस्टल में वर्मिन राइस डाल रहे हैं, मीठे पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, सवाल पूछने पर बदनाम किया जा रहा है, बेइज्जती की जा रही है कि आप सभी एससी एसटी जाति से हैं। इसी प्रकार शिक्षण स्टाफ द्वारा कक्षाओं को ठीक से नहीं पढ़ाया जा रहा है तथा छात्रावासों में बाथरूम छात्रों द्वारा स्वयं धोए जा रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ. कल्याण नायक ने पत्रकारों से कहा कि सरकार कस्तूरबा गांधी विद्यालय की समस्याओं का अविलंब समाधान करें। उन्होंने कहा कि सरकार को शिक्षकों की नियुक्ति और एससी एसटी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था करनी चाहिए।

मानव तस्करी रोकने में प्रभावी कदम उठाना जरूरी : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने कहा कि अवैध तस्करी को रोकने के लिए और अधिक प्रभावी काम किया जाना चाहिए। राचकोंडा में मानव तस्करी को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों के तहत 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए राचकोंडा आयुक्तालय के तस्करी विरोधी विभाग में निरीक्षक के रूप में कार्यरत एन. चंद्रबाबू, डी. जेललम तुफासे, प्रमुख ने फील्ड ऑफिस, यूनिसेफ इंडिया से पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर कमिश्न सुधीर बाबू आईपीएस ने नेरडमेट के राचकोंडा कार्यालय में एएचटीयू इंस्पेक्टर चंद्रबाबू को बधाई दी। मानव तस्करी को रोकने के लिए और अधिक कुशलता से काम करने और नई नीतियां अपनाने का सुझाव दिया गया है। कार्यक्रम में डीसीपी एसओटी मुरलीधर व अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मरम्मत कार्य की तैयारी में जुटा मेट्रो रेल लिमिटेड

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) कॉरिडोर-1 के कई प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर मरम्मत और नवीनीकरण कार्य करने जा रहा है। नियोजित कार्यों में फुटपाथ, प्लांटर बॉक्स और ड्रेनेज सिस्टम की व्यापक मरम्मत शामिल है। एलबी नगर मेट्रो स्टेशन पर, इस परियोजना में मौजूदा रेलिंग को हटाना और फिर से लगाना शामिल होगा, साथ ही फुटपाथ और प्लांटर बॉक्स की मरम्मत भी की जाएगी। नामपल्ली और न्यू मार्केट मेट्रो स्टेशनों के लिए भी इसी तरह के काम की योजना बनाई गई है, जहां फुटपाथ और प्लांटर बॉक्स का नवीनीकरण किया जाएगा।

टेंडर दस्तावेज के अनुसार, मियापुर मेट्रो स्टेशन पर फुटपाथों की मरम्मत की जाएगी। जेएनटीयू, केपीएचबी और कुकटपल्ली मेट्रो स्टेशनों के आस-पास के क्षेत्रों में अतिरिक्त मरम्मत कार्य की योजना बनाई गई है, जिसमें पैदल यात्रियों के लिए रास्ते और प्लांटर बॉक्स को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस परियोजना में बलंगर, मूसापेट और परेड ग्राउंड मेट्रो स्टेशनों का नवीनीकरण भी शामिल है, जहां सर्विस रोड और फुटपाथ पर लगे 80 मिमी के पेवर्स को बदला जाएगा। इन उन्नयनों की कुल अनुमानित लागत कई लाख रुपये है, जिसमें व्यक्तिगत परियोजनाओं की लागत 6.65 लाख रुपये से लेकर 13.30 लाख रुपये तक है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.